राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 11
अंक : 334
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 15 जून 2022
मूल्य : 1.50/-
नई दिल्ली से प्रकाशित
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 उपराज्यपाल ने विशेष संयुक्त स्वच्छता अभियान की शुरूआत की - दिल्ली की सफाई के लिए मिलकर मिशन मोड में काम करेंगे सभी निकाय
पेज 5 भदोही : जमीनी विवाद में मनबढ़ ने पति-पत्नी को मारी गोली, गंभीर हालत में वाराणसी रेफर
पेज 7 कतर में भारतीय कामगारों के लिए आरएसएस की संस्था ने उठाई आवाज, कहा- मानवाधिकारों की रक्षा करे सरकार

तीनों सेनाओं में होगी अग्निवीरों की भर्ती

स्थायी सैनिकों की तरह अवॉर्ड-मेडल, पर पेंशन नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 14 जून को सेना की तीनों शाखाओं- थलसेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं की बड़ी संख्या में भर्ती के लिए अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की है। इस स्कीम के तहत नौजवानों को सिर्फ 4 साल के लिए डिफेंस फोर्स में सेवा देनी होगी। सरकार ने यह कदम तनख्वाह और पेंशन का बजट कम करने के लिए उठाया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ तीनों सेनाध्यक्षों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इस योजना का ऐलान किया है। पहली भर्ती रैली 90 दिनों में होगी। डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स की तरफ से तैयार की गई अग्निपथ रिक्रूटमेंट स्कीम को पहले टूर ऑफ ड्यूटी नाम दिया गया था।

इस स्कीम के तहत शॉर्ट-टर्म के लिए ज्यादा सैनिकों की भर्ती की जाएगी। विभाग ही इसको लागू भी करेगा। सरकार ने अपने खर्चों में कटौती के लिए और डिफेंस फोर्स में युवाओं की संख्या बढ़ाने के लिए इस स्कीम को पेश किया है।

भर्ती शुरू होने की जानकारी कहां मिलेगी या फिर इसके लिए अप्लाई कैसे करना है? आवेदन के लिए पात्रता क्या होगी?

पढ़िए अग्निपथ भर्ती योजना से जुड़े आपके हर सवाल का जवाब...

सवालः अग्निपथ योजना क्या है?

जवाब : यह आर्म्ड फोर्सेज के लिए एक अखिल भारतीय शॉर्ट टर्म सेवा युवा भर्ती स्कीम है। अग्निवीर के रूप में भर्ती किए जाने वाले जवानों की तैनाती रेगिस्तान, पहाड़, भूमि, समुद्र या हवा में की जाएगी।

सवाल : अग्निपथ स्कीम के तहत भर्ती के लिए आवेदन करने के लिए कौन पात्र होगा?

जवाब : स्कीम के लिए पात्र होने की आयु सीमा 17.5-21 साल है। 10वीं और 12वीं पास कर चुके युवा इसके लिए अप्लाई कर सकते हैं।

सवाल : क्या महिलाएं भी अग्निपथ योजना के तहत अप्लाई कर सकती हैं?

जवाब : फिलहाल नहीं, लेकिन भविष्य में महिलाओं को भी इस स्कीम में शामिल किया जाएगा।

सवाल : स्कीम के तहत सेना में कितने समय तक काम करना होगा?

जवाब : अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने वाले जवान को सेना में 4 साल तक सेवा देनी होगी। इन चार सालों में से 6 महीने सैनिकों को बेसिक ट्रेनिंग दी जाएगी।

सवाल : अग्निवीरों को कितना वेतन मिलेगा?

जवाब: जॉइनिंग के पहले साल में अग्निवीरों को 4.76 लाख रुपए का पैकेज मिलेगा। वहीं 4 साल का कार्यकाल खत्म होने तक इसे 6.92 लाख रुपए तक बढ़ाया जा सकता है। यानी अग्निवीरों को हर महीने 30 हजार से 40 हजार सैलरी मिलेगी। इसके अलावा तीनों सेनाओं के स्थायी सैनिकों की तरह अवॉर्ड, मेडल, भत्ता मिलेगा। वहीं सरकार 44 लाख का बीमा भी कराएगी।

सवाल : 4 साल पूरे होने के बाद अग्निवीर सेना में स्थाई हो सकते हैं?

जवाब : 4 साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद अग्निवीर सेना में स्थाई नौकरी के लिए आवेदन कर सकेंगे। सेना के अधिकारी अग्निवीरों को उनकी योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर उन्हें स्थाई करने पर विचार करेंगे। 25 प्रतिशत अग्निवीरों को स्थायी कैडर में भर्ती किया जाएगा।

प्रयागराज में उपद्रव करने वालों के लगेंगे पोस्टर

सीसीटीवी फुटेज, तस्वीरों से पहचाने गए 95 आरोपी

प्रयागराज। प्रयागराज में जुमे की नमाज के बाद उपद्रव करने वालों की तलाश में पोस्टर लगाए जाएंगे। पुलिस ये तस्वीरें, सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस कैमरे और लोगों से मिले वीडियो से इकट्ठा करेगी। बवाल करने वालों की पहचान होने के 4 दिन बाद भी उनका पता नहीं चला है। उनकी धरपकड़ के लिए पुलिस उनके पोस्टर लगाने की तैयारी कर रही है।

वहीं, प्रयागराज हिंसा के मास्टरमाइंड मोहम्मद जावेद उर्फ जावेद पंप का 2 मंजिला घर रविवार को बुलडोजर से गिरा दिया गया है। जावेद की बेटी ने इस कार्रवाई को गलत बताया। जावेद पंप की पत्नी परवीन फातिमा ने हाईकोर्ट में पिटीशन दाखिल कर प्रयागराज विकास प्राधिकरण के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी है।

जावेद की पत्नी का कहना है कि घर उनके नाम पर था। ये मकान उनके पिता ने उन्हें शादी से पहले गिफ्ट में दिया था, जिसमें जावेद का मालिकाना हक नहीं है। फिर भी उनको नोटिस दिया गया। प्रशासन ने इस मकान को ध्वस्त करा दिया। पूरे मामले में विकास प्राधिकरण ने इस मकान को बनाने के लिए नक्शा पास नहीं कराने की बात कही है।

गुवाहाटी में लैंडस्लाइड में 4 की मौत

24 घंटे से लगातार बारिश में मकान जमींदोज, शहर के कई इलाकों में कमर तक पहुंचा पानी

एजेंसी

गुवाहाट। असम के गुवाहाटी में लगातार हो रही बारिश के कारण शहर में बाढ़ के हालात बन गए हैं। वहीं, मंगलवार को भारी बारिश के चलते गुवाहाटी के बोरेगांव इलाके के पास निजारापार पहाड़ी पर लैंडस्लाइड हुआ, जिसमें चार मजदूरों की मौत हो गई।

असम स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के एक अधिकारी ने बताया कि जिन मजदूरों की मौत हुई है, वे सभी किराए के मकान में रह रहे थे और बारिश के दौरान नींद में थे। हादसे के बाद पूरा घर जमींदोज हो गया। अधिकारी के मुताबिक कामाख्या, खारघुली, हेंगेराबाड़ी, सिलपुखुरी और चांदमारी कॉलोनी समेत शहर में आधा दर्जन अन्य स्थानों से भी भूस्खलन की सूचना मिली है, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

भारी बारिश के बाद हर में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जिसको देखते हुए कामरूप डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने मंगलवार को लोगों के लिए एक एडवाइजरी जारी की। एडमिनिस्ट्रेशन ने किसी भी इमरजेंसी स्थिति के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। इधर, बारिश की चेतावनी को देखते हुए जिले के सभी एजुकेशन सेंटर्स 15 जून (बुधवार) को बंद रहेंगे। हालांकि बुधवार को होने वाली परीक्षा पर किसी तरह का रोक नहीं लगा है।

भारी बारिश बनी लैंडस्लाइड की वजह

अधिकारी के मुताबिक गुवाहाटी में सोमवार रात से ही भारी बारिश हो रही है, जिसकी वजह से रात करीब एक बजे ये लैंडस्लाइड हुआ। गुवाहाटी वेस्ट के डीसीपी नबनीत महंता ने बताया कि हादसे के बाद फायर ब्रिगेड, इमरजेंसी सर्विस की टीमें मौके पर पहुंचीं और मलबे को हटाकर शवों को बाहर निकाला गया। डीसीपी के मुताबिक इसमें किसी और शख्स के फंसे होने की जानकारी नहीं है। हालांकि इलाके में सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है।

गुवाहाटी में लगातार हो रही भारी बारिश से शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, मेन रोड पर वॉटर लॉगिंग हो गई। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया है जबकि कुछ जगहों पर वाटर लेवल कमर तक पहुंच गया है। जलजमाव के चलते कई घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है।

इधर, गुवाहाटी रेलवे स्टेशन का एप्रोच रोड भी पानी में डूब गया। शहर में हो रही भारी बारिश के चलते राज्य सरकार ने एडवाइजरी जारी की और नागरिकों को बाहर न निकलने के लिए कहा है।

दिल्ली में 13 दिन बाद पारा 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे

मौसम विभाग के मुताबिक राजधानी दिल्ली में मंगलवार को बादल छा गए, जिसके बाद तापमान में 4 डिग्री की गिरावट हुई। मंगलवार को दिल्ली में 13 दिन बाद पारा 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। सोमवार को अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। मौसम विभाग ने अगले छह दिनों में हल्की बारिश की चेतावनी दी है। विभाग के मुताबिक रविवार तक पारा 35 डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है।

राहुल गांधी से 10 घंटे हुई पूछताछ, आज भी होगी पेशी; लगातार तीसरे दिन सवालों से सामना

दो दिन में ही राहुल गांधी से 19 घंटे से ज्यादा देर तक पूछताछ की जा चुकी है

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से ईडी के दफ्तर में लगातार दूसरे दिन मैराथन पूछताछ हुई। मंगलवार को उनसे करीब 10 घंटे पूछताछ की गई। दो दिन में ही राहुल गांधी से 19 घंटे से ज्यादा देर तक पूछताछ की जा चुकी है। बुधवार को भी राहुल गांधी को ईडी दफ्तर बुलाया गया है। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को पूछताछ के दौरान राहुल गांधी ने ईडी के अधिकारियों से कहा कि उन्हें बार-बार पूछताछ के लिए न बुलाया जाए। इससे पहले सोमवार को उनसे तकरीबन 9 घंटे से ज्यादा देर तक पूछताछ की गई थी। मंगलवार को भी दो राउंड पूछताछ में उन्हें सिर्फ एक घंटे के लिए दिन के भोजन के लिए ब्रेक दिया गया था।

भाजपा के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यन स्वामी की ओर से 10 साल पहले की गई शिकायत के मामले में गांधी फैमिली की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती हैं, इसलिए अभी उनसे पूछताछ नहीं की जा सकी है। जबकि राहुल गांधी से लगातार दूसरे दिन दिल्ली स्थित ईडी दफ्तर में मैराथन पूछताछ की गई।

क्या-क्या सवाल पूछे गए

सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी से ईडी ने पूछा कि आखिर एजेएल को अदा की गई 50 लाख रुपये की रकम कहां से आई? एजेंसी ने यह भी पूछा कि क्या उन्हें इस रकम के एवज में उन्हें नेशनल हेराल्ड की संपत्ति मिल जाएगी? उनसे एजेंसी ने यह भी पूछा कि यंग इंडिया लिमिटेड कंपनी किसलिए बनाई। हालांकि वह तमाम सवालों पर चुप्पी ही साधे रहे।

कांग्रेस ने विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील की

दिल्ली स्थित ईडी दफ्तर में कड़ी सुरक्षा के बीच राहुल गांधी से ईडी के अधिकारियों ने पूछताछ की तो दूसरी ओर दिल्ली की सड़कों पर कांग्रेस के दिग्गज नेताओं समेत कार्यकर्ताओं की ओर से प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान पुलिस और कांग्रेसी नेताओं के बीच झड़प भी हुई।

पुलिस ने कई नेताओं को हिरासत में लिया और गुप्त स्थान पर ले गए। कांग्रेस नेताओं ने विपक्षी नेताओं से अपील की कि मोदी सरकार की दमनकारी नीति के खिलाफ समूचे विपक्ष को एकजुट होना चाहिए।

लंच ब्रेक में भाई से मिलने पहुंची प्रियंका गांधी

मंगलवार को लंच ब्रेक के लिए ईडी के अधिकारियों ने राहुल गांधी को 3 बजकर 30 मिनट पर एक घंटे की मोहलत दी थी। इस दौरान प्रियंका गांधी अपने भाई से मिलने पहुंची। ईडी की राहुल गांधी से पूछताछ पर प्रियंका गांधी बारीकी से नजर रख रही है।

एआईसीसी दफ्तर जाने पर भी रोक

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के निर्देश पर कांग्रेस नेताओं को एआईसीसी दफ्तर तक जाने नहीं दिया गया। उधर, ईडी दफ्तर के बाहर भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सड़क के दोनों ओर बैरिकेडिंग लगाई गई थी।

हैदराबाद गैंगरेप मामले में बड़ा खुलासा

गैंगरेप के बाद फिर हुआ था नाबालिग के साथ रेप, बेसमेंट में पिता को मिली थी बेटी

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद गैंगरेप मामले में एक नया खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पॉश इलाके जुबली हिल्स में नाबालिग के साथ गैंगरेप करने के बाद आरोपियों ने फिर से रेप किया था। पुलिस ने कहा कि पीड़िता को आरोपी वापस छोड़ने पब गए थे। यहां उन्होंने दोबारा पब के बेसमेंट में रेप किया। इसी बेसमेंट में पीड़िता के पिता को उनकी बेटी मिली थी। पुलिस को एक वीडियो भी मिला है। यह वीडियो गैंगरेप के दौरान आरोपियों ने शूट किया था।

18 वर्षीय आरोपी को कोर्ट में किया गया था पेश

इस मामले में नाबालिग सहित कुल 6 आरोपी अभी तक पकड़े गए हैं। 18 वर्षीय आरोपी को सोमवार की सुबह स्थानीय कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपी अभी चंचलगुडा जेल में है।

पुलिस ने 5 नाबालिगों से पूछताछ की है, जिसमें सभी ने गैंगरेप करने की बात कबूली है। हालांकि, 18 वर्षीय आरोपी ने बताया कि मुख्य आरोपी नाबालिग था, जिसे नेल्लोर में एक पूजा स्थल से पकड़ा गया था।

आरोपियों का बैकग्राउंड सियासी रसूख वाला

28 मई को नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप हुआ था। केस में तीन आरोपियों का बैकग्राउंड सियासी रसूख वाला है। इस मामले में पुलिस ने 5 नाबालिग और सादुद्दीन मलिक एकमात्र बालिग आरोपी है। लड़की के पिता ने बुधवार 1 जून को आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। IPC की धारा 354 और पॉक्सो एक्ट के तहत हैदराबाद के जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था।

विधायक का बेटा भी शामिल

हैदराबाद गैंगरेप केस से जुड़ी कुछ फोटो वायरल हुई थीं, जिसमें AIMIM के विधायक का बेटा भी घटनास्थल पर दिख रहा था। भाजपा विधायक रघुनंदन राव ने ये फोटो जारी कर विधायक के बेटे के इस केस में शामिल होने की बात कही थी।

देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या में गिरावट, 24 घंटे में छह की गयी जान

नयी दिल्ली। देश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस के नये मामलों को देखते हुए चौथी लहर के आने की आशंका बनी हुई है। इस बीच राहत की बात यह है कि देश में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 की वजह से छह लोगों की मौत हुई है, जबकि इससे एक दिन पहले रविवार को जान गंवाने वालों की संख्या 10 थी।

इसी के साथ अब तक कोरोना से जंग में हार चुके लोगों की संख्या पांच लाख 24 हजार 777 तक पहुंच गई है। इसके अलावा, बीते 24 घंटे में 6,594 नये मामले भी देश के विभिन्न हिस्सों से दर्ज हुये। इससे एक दिन पहले संक्रमण के 8,084 मामले दर्ज किए गए थे। इसी के साथ अब कुल मामलों की संख्या चार करोड़ 32 लाख 36 हजार 695 तक पहुंच गई है। इस बीच पिछले 24 घंटे में 4,035 मरीजों ने कोरोना को मात भी दी। इनके साथ ही कुल ठीक हो चुके मरीजों का आंकड़ा चार करोड़ 26 लाख 61 हजार 370 तक पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 195 करोड़ 35 लाख 70 हजार 360 टीके दिये जा चुके हैं। इन नये आंकड़ों के साथ सक्रिय मामलों की दर 0.12 प्रतिशत, दैनिक संक्रमण दर 2.05 प्रतिशत, स्वस्थ होने की दर 98.67 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत पर दर्ज हुयी हैं।

मुठभेड़ में मार गिराए दो लश्कर आतंकी, पाकिस्तान से आए थे अमरनाथ यात्रियों को निशाना बनाने

श्रीनगर। मुठभेड़ में मार गिराए दो आतंकी, पाकिस्तान से आए थे अमरनाथ यात्रियों को निशाना बनाने अमरनाथ यात्रियों को निशाना बनाने के मकसद से भेजे गए दो लश्कर आतंकी श्रीनगर में पुलिस मुठभेड़ में मार गिराए गए।

मारे गए आतंकियों में से एक पाकिस्तान का रहने वाला था। यह मुठभेड़ सोमवार करीब आधी रात को हुई। आईजीपी विजय कुमार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मुठभेड़ के दौरान एक पुलिसवाला भी घायल हो गया।

पुलिसकर्मी घायल

पुलिस के मुताबिक एक पाकिस्तानी और एक स्थानीय आतंकवादी श्रीनगर के बेमिना में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। श्रीनगर पुलिस की ट्वीट के मुताबिक यह वही ग्रुप है, जो छह जून को सोपोर में हुई मुठभेड़ के दौरान बच निकला था।

पुलिसकर्मी को इस दौरान मामूली चोटें आई हैं और वह खतरे से बाहर है। कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने सिलसिलेवार ट्वीट्स में कश्मीर पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता बताया।

संदिग्ध दस्तावेज बरामद

आईजीपी ने बताया कि मारे गए आतंकियों के पास से कुछ संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए हैं। इसके मुताबिक इनमें से एक पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला था और उसका नाम अब्दुल्ला गौजरी था। दूसरे आतंकी की पहचान आदिल हुसैन मीर के रूप में हुई है, जो दक्षिणी कश्मीर के अनंतनाग जिले का रहने वाल था। उन्होंने बताया कि पुलिस रिकॉर्ड्स के मुताबिक मीर ने 2018 में विजिट वीजा के आधार पर वाघा बॉर्डर क्रॉस किया था।

सड़क हादसा

100 किमी की स्पीड से दौड़ रही सफारी टैंकर की भिड़ंत, लखनऊ आ रहा था परिवार

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, 4 की मौत

बदायूं/सुल्तानपुर। यूपी में मंगलवार को दो सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 16 लोग घायल हो गए। पहला हादसा सुल्तानपुर के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर हुआ है। यहां पर डॉक्टर अपने परिवार के साथ सफारी से बलिया से लखनऊ जा रहे थे। एक्सप्रेस वे पर उनकी कार में टैंकर ने टक्कर मार दी। हादसे में 10 साल के मासूम सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक अंबेडकरनगर और बलिया के रहने वाले थे।

दूसरा हादसा बदायूं में हुआ। यहां ट्रैक्टर ट्राली पर सवार होकर श्रद्धालु गंगा स्नान कर घर लौट रहे थे। बरेली-मथुरा हाइवे पर राजकीय मेडिकल कालेज के तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। 6 लोगों की मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 14 लोग घायल हैं। मरने वालों में चार महिलाएं शामिल हैं।

सुल्तानपुर के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर हुआ हादसा

बलिया के ग्राम वरोवा निवासी डॉ. डीके वर्मा पत्नी सीमा, बेटे अभीज्ञान, जयकुमार, श्यामनारायण अन्य एक अन्य के साथ सफारी से लखनऊ जा रहे थे। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के किमी 155 पर खालिसपुर में 100 की स्पीड से दौड़ रही सफारी पीछे से टैंकर से भिड़ गई। हादसे में अभिज्ञान, जयकुमार व श्यामनारायण की मौके पर ही मौत हो गई। डीके वर्मा लखनऊ में के सरोजनी नगर स्थित राज्य बीमा निगम के हॉस्पिटल में कार्यरत हैं।

दो लोगों की इलाज के दौरान मौत

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एंबुलेंस की मदद से अंबेडकरनगर जिला अस्पताल भेजा। इलाज के दौरान सुप्रिया वर्मा (21) पत्नी अरुण वर्मा और अभिज्ञान (10) पुत्र धीरेंद्र वर्मा की भी मौत हो गई।

वहीं, धीरेंद्र वर्मा (40) पुत्र हरिराम वर्मा और उनकी पत्नी सीमा वर्मा (34) इलाज जारी है। दो मृतकों की शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है। पुलिस शिनाख्त के प्रयास कर रही है। घायलों और मृतकों परिवार वालों को हादसे की सूचना दे दी गई है।

हादसे में इन लोगों की हुई मौत

पुलिस ने लोगों की मदद से सभी को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने अनीता (40) पत्नी वीरपाल, संगीता (25), सुषमा देवी (50) पत्नी लेखराज, पूनम, सहदेव और एक अन्य को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अन्य 12 घायलों को इलाज किया जा रहा है। इनमें कुछ की हालत गंभीर है। एक मृतक की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

शार्ट न्यूज

मुख्यमंत्री को धक्का देने वाले सुरक्षा अधिकारी पर कार्रवाई हो : माकपा

पुडुचेरी। तिरुकमेश्वर मंदिर रथ उत्सव में मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी को कथित तौर पर धक्का देकर दूर हटाने वाले पुडुचेरी के गृह मंत्री ए नमस्वियम के सुरक्षा अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने मंगलवार को कहा कि मंत्री को घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। यहां जारी एक बयान में माकपा सचिव आर राजंगम ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि रंगास्वामी को एनआर कांग्रेस-भाजपा की सरकार में मुख्यमंत्री के रूप में नाममात्र रूप से काम करने की अनुमति है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए शर्म की बात है कि केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई एनआर कांग्रेस-भाजपा सरकार के सत्ता में रहते हुए भी उपराज्यपाल डॉ तमिलिसाई सुंदरराजन सभी फैसले ले रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर आश्चर्य हो रहा है कि सुरक्षा अधिकारी की इतनी हिम्मत कैसे हुई कि वह नामसिवयम को रास्ता देने के लिए मुख्यमंत्री को एक तरफ धकेल दे। मक्कल वज़्वुरिमाई इयक्कम के अध्यक्ष जगन्नाथन ने भी आज अपने दिए एक बयान में घटना की जांच करने और जांच पूरी होने तक मंत्री के सुरक्षा अधिकारी के निलंबन की मांग की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में सुरक्षा अधिकारी को मुख्यमंत्री को धक्का देकर दूर हटाते हुए देखा जा सकता है, जो पुलिस विभाग और लोकतंत्र के सभी मानदंडों पर एक काला धब्बा है जिसकी निंदा की जानी चाहिए।

तकनीक में प्रगति मधुमेह के मरीजों में इंसुलिन पर निर्भरता कम करती है : विशेषज्ञ

कोलकाता। मधुमेह एक सामान्य पुरानी बीमारी में है जिसमें लगातार निगरानी की जरुरत होती है। आज मधुमेह की निगरानी में कमी और इलाज में देरी से इससे संबंधित जटिलताएं बढी है। नयी थेरेपी और क्रांतिकारी तकनीकी से एक समय ग्लूकोज के स्तर को ठीक किया जा सकता है। अमेरिकन डाइबिटीज एसोसिएशन (एडीए) के अनुसार नियमित ग्लूकोज की निगरानी से इंसुलिन का उपयोग करने वाले लोगों से अन्य लोगों को सहायता करता है। एडीए के अनुसार टाइप एक और टाइप दो मधुमेह वाले लोगों को कम से कम 70 प्रतिशत रीडिंग का लक्ष्य टाइम इन रेंज (टीआईआर) रखना चाहिए। केपीसी मेडिकल कॉलेज कोलकाता, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग के प्रो. डॉ. देबमाल्या सान्याल ने कहा कि अनुसंधान से संकेत मिलते है कि निरंतर ग्लूकोज निगरानी ने टाइप 2 वाले लोगों की मदद की है या तो लंबे समय तक काम करने वाले इंसुलिन थेरेपी या गैर-इंसुलिन ओएडी थेरेपी पर महत्वपूर्ण रूप से उनके एचबीए1सी के स्तर को कम करने में। विशेषज्ञों ने कहा कि मधुमेह में जीवन शैली जैसे आहार, व्यायाम, नींद और सबसे महत्वपूर्ण दवाएं प्रभावित करती हैं। मधुमेह वाले लोगों के लिए उपचार आमतौर पर एक टैबलेट से शुरू होता है।

गुवाहाटी में भारी बारिश, भूस्खलन के मलबे के नीचे चार दबे

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश के कारण हुए भूस्खलन के मलबे में दबकर चार निर्माण श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, भूस्खलन कथित तौर पर गुवाहाटी के पश्चिम बोरागांव इलाके में मंगलवार तड़के हुआ। भूस्खलन तब हुआ जब श्रमिक अपने घरों में सो रहे थे। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि के कर्मियों ने इलाके में तलाशी और बचाव अभियान चलाया, जिसके बाद छह शवों को बरामद किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को असम के कुछ जिलों में मूसलाधार बारिश होने का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग ने दो दिनों के लिए मौसम का पूर्वानुमान साझा किया है, जिसके अनुसार असम के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है, जबकि राज्य में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है। आईएमडी की ओर से जारी बुलेटिन के मुताबिक, धुबरी, कोकराझार, बक्सा, चिरांग, बोंगाईगांव, विश्वनाथ, लखीमपुर, दरांग, माजुली, कछार और करीमगंज भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

उपभोक्ताओं को जीएसटी से बचाने के लिए पार्किंग सेवाएं खुद दे नगर निगम

चंडीगढ़। उपभोक्ता अधिकार कार्यकर्ता ने चंडीगढ़ नगर निगम से अनुरोध किया है कि पार्किंग सेवाएं ठेके पर न देकर निगम खुद संचालित करे ताकि उपभोक्ताओं पर वस्तु एवं सेवा कर का अतिरिक्त बोझ न पड़े। कार्यकर्ता अजय बग्गा ने मनपा आयुक्त अनंदिता मित्रा को इस संदर्भ में एक पत्र लिखकर कहा है कि पार्किंग लॉट यदि निगम संचालित करे तो 18 फीसदी जीएसटी का भार कम होगा और सेवा सस्ती हो सकेगी। उन्होंने लिखा है कि पार्किंग ठेकेदारों को पार्किंग लॉट का संचालन देने से उपभोक्ताओं पर जीएसटी का अतिरिक्त भार पड़ता है जबकि संविधान के अनुच्छेद 243 के शेड्यूल 12 के प्रावधान 17 के अनुसार पार्किंग नगर निगमों का कार्य है और इस पर जीएसटी नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने लिखा है कि कुछ जगहों जैसे सेक्टर 17 मल्टीलेवल पार्किंग निगम खुद संचालित कर रहा है वहां देखा गया है कि लोगों पर जीएसटी का बोझ नहीं पड़ेगा जबकि कई ऐसी जगहों पर जहां पार्किंग कांट्रेक्टर के जरिये सेवा मुहैया कराई जा रही है वहां 18 फीसदी जीएसटी सेवा उपयोगकर्ताओं पर लगाई जा रही है।

रक्तदान से बड़ा पुनित कोई कार्य नहीं है : मीणा

जयपुर। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि रक्त की कोई कीमत नहीं होती है। रक्तदान से किसी का जीवन बचता है, इससे बड़ा पुनित कार्य कोई नहीं है। श्री मीना आज यहां विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य भवन में आयोजित रक्तदाताओं एवं स्वयसेवी संस्थाओं के सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नौजवान और संस्थाएं बधाई के पात्र है जो रक्तदान की दिशा में लगातार आगे आ रहे हैं और लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह बड़े गर्व की बात है कि प्रदेश के हर कोने से लोग रक्तदान के लिए सम्मानित हुए हैं। मानवता की सेवा में इससे बड़ा कोई कार्य नहीं है। यह एक दीपक से हजारों दीपक जलाने जैसा कार्य है। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान को बढावा देने के लिए प्रतिवर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदाताओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। उन्होंने कहा कि बिना किसी प्रलोभन के मानव सेवा के लिए हमें रक्तदान करना चाहिए। इस कार्यक्रम में सर्वाधिक रक्तदान करने वाले 14 व्यक्तियों एवं 14 स्वयंसेवी संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

कोटा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्का जाम कर रहे लोगों को पुलिस ने खदेड़ा

कोटा। राजस्थान में कोटा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हिंडोली थाना क्षेत्र के बसोली डीडी मोड़ पर चक्का जाम कर रहे ग्रामीणों को पुलिस ने आज तड़के खदेड़ दिया और उनका नेतृत्व कर रहे पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल को कोटा लाकर छोड़ दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बजरी माफियाओं की तरफ से यहां लगाए गए बजरी नाके को हटाने और चौथ वसूली में हिंडोली के थाना प्रभारी की कथित मिलीभगत होने के विरोध में श्री गुंजल के नेतृत्व में सोमवार दोपहर सैकड़ों ग्रामीण राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या -52 के डीडी मोड पर धरना देकर बैठ गए जिससे वाहनों की आवाजाही रुक गई थी। जाम से राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई जिन्हें बाद में प्रशासन ने मार्ग बदलकर निकाला गया। प्रदर्शन के दौरान श्री गुंजल ने आरोप लगाया कि यहां लगा रखे नाके पर सरकारी नियमों के विरुद्ध 10 गुना अवैध रूप से चौथ वसूली की जा रही है और इस चौथ वसूली में हिण्डोली के थाना प्रभारी की पूरी मिलीभगत है। उन्होंने चेताया था कि यदि प्रशासन ने बजरी रॉयल्टी के बजरी नाके, थाना प्रभारी को तत्काल प्रभाव से नहीं हटाया तो अनिश्चितकालीन चक्का जाम कर दिया जाएगा। जब प्रशासन की ओर से बातचीत करने के लिए भी कोई नहीं पहुंचा तो ग्रामीण मुख्य सड़क मार्ग पर धरने पर बैठ गए।

वायु प्रदूषण के चलते 5 साल घटी हर भारतीय की उम्र, मदिरापान-स्मोकिंग से भी ज्यादा खतरनाक

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण देश में मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है, जिसके चलते करीब 5 साल तक उम्र घट रही है। अगर वार्षिक औसत प्रदूषण का स्तर पांच माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से अधिक नहीं होता है तो सबसे प्रदूषित राज्य दिल्ली में यह आंकड़ा 10 साल पहुंच सकता है। शिकागो विश्वविद्यालय में ऊर्जा नीति संस्थान (ईपीआईसी) का वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक (एक्यूएलआई) मंगलवार को जारी किया गया। मालूम हो कि मातृत्व कुपोषण के चलते औसत उम्र 1.8 वर्ष और धूम्रपान की वजह से 1.5 वर्ष कम होती है।

बीमारी के बोझ को कम करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 10 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर का लक्ष्य रखा है। पिछले साल एक्यूएलआई के विश्लेषण के अनुसार औसतन लगभग 9.7 साल की जीवन प्रत्याशा के साथ दिल्ली सबसे प्रदूषित राज्य भी था।

इस वर्ष के विश्लेषण के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और त्रिपुरा शीर्ष पांच प्रदूषित राज्यों में शामिल हैं, जहां प्रदूषण का स्तर अधिक होने से लोगों की उम्र में काफी गिरावट आई है।

बांग्लादेश के बाद दूसरा सबसे प्रदूषित देश भारत

विश्व स्तर पर भारत बांग्लादेश के बाद दूसरा सबसे प्रदूषित देश है। बांग्लादेश में खराब हवा के कारण 2020 में जीवन प्रत्याशा 6.9 साल घटी है। इसके बाद नेपाल (4.1 वर्ष), पाकिस्तान (3.8 वर्ष) और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (2.9 वर्ष) का स्थान है।

AQLI ने पाया कि वायु प्रदूषण से दुनिया भर में औसत जीवन प्रत्याशा में 2.2 वर्ष की गिरावट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, वायु प्रदूषण से जीवन प्रत्याशा शराब के इस्तेमाल और असुरक्षित पानी पीने से तीन गुना से अधिक, एचआईवी/एड्स के छह गुना ज्यादा और आतंकी घटनाओं से 89 गुना अधिक घटती है।

वैश्विक आपातकाल के समान मौजूदा हालात

प्रोफेसर माइकल ग्रीनस्टोन ने कहा, अगर मार्टियंस पृथ्वी पर आएं और एक पदार्थ का छिड़काव कर दें, जिससे ग्रह पर व्यक्ति औसतन दो साल से अधिक जीवन प्रत्याशा खो दे।

इस स्थिति को वैश्विक आपातकाल कहा जाएगा। मौजूदा हालात भी उसके समान हैं जो दुनिया के कई हिस्सों में व्याप्त है। सिवाय इसके कि बाहरी अंतरिक्ष से कुछ आक्रमणकारियों ने किसी पदार्थ का छिड़काव नहीं किया है।

महाराष्ट्र में बढ़ते कोरोना के बीच मुंबई से चिंता वाली खबर, ओमिक्रॉन सब वैरिएंट के चार नए केस

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बीच मुंबई में ओमिक्रॉन वैरिएंट के नए स्वरूप के चार नए मामले दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक इन नए संक्रमितों में तीन केसेज बीए.4 के और एक बीए.5 का है। हालांकि यह चारों ही होम आइसोलेशन में रहते हुए ठीक हो गए हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र में इन वैरिएंट्स के 13 कंफर्म केसेज सामने आ चुके हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि इनमें से किसी की भी हालत गंभीर नहीं हुई और उन्हें अस्पताल ले जाने की भी जरूरत नहीं पड़ी।

ओमिक्रॉन के नए सबवैरिएंट्स के यह मामले तब आए हैं जब मुंबई शहर और उपनगरीय इलाकों में तेजी से कोरोना मामलों में इजाफा हो रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक इसके साथ ही यहां पर साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट भी लगातार बढ़ रहा है। केंद्र से जारी आंकड़ों के मुताबिक मुंबई और उपनगरीय इलाके में साप्ताहिक वृद्धि दर क्रमश: 15.6 और 10.3 फीसदी है। यहां पर 1.7 और 1.1 फीसदी की तेजी आई है। वहीं पुणे और ठाणे में साप्ताहिक कोरोना केसेज की बढ़ोत्तरी दर 3.2 और 2.2 गुणा रफ्तार से मामले बढ़ रहे हैं।

केरल में भी कम नहीं

कोरोना केसेज में इजाफे के मामले में महाराष्ट्र केरल के बाद दूसरा प्रदेश है। केरल में छह जिलों में तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। इनमें एर्नाकुलम (17.8), कोट्टायम (17.4) और कोझिकोड में (15.9) फीसदी साप्ताहिक की दर से मामले बढ़ रहे हैं। यह देशभर में सबसे ज्यादा साप्ताहिक दर है। वहीं कर्नाटक में बंगलुरू और हरियाणा में गुरुग्राम देश के उन 12 शहरों में शुमार हैं, जहां कोरोना केसेज में तेजी चिंता का विषय है।

ऑनलाइन ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पोर्टल की शुरुआत

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज ऑनलाइन ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा की शुरुआत की जिससे लोग अपने कंप्यूटर, मोबाइल, टेबलेट या लैपटॉप पर केवल एक क्लिक करने पर लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने नए पोर्टल की शुरुआत करते हुए कहा कि अब इच्छुक लोग लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस आसानी से अपने घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं जिससे उनके समय, पैसे और ऊर्जा की बचत होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने लोगों की सुविधा और भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए यह पहल की है। इस सुविधा की शुरुआत होने से लोगों को अब आर.टी.ए. कार्यालयों में धक्के नहीं खाने पड़ेंगे। मान ने कहा कि अब लोग घर बैठे ही अपने कंप्यूटर, मोबाइल, टेबलेट या लैपटॉप के एक क्लिक करने पर लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा यदि लोग चाहें तो सुविधा केंद्र में भी अपने लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदनकर्ता अपना आधार कार्ड अपलोड करते समय लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकता है, जिसके बाद वह ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस टैस्ट में हिस्सा ले सकता है।

उन्होंने कहा कि आवेदनकर्ता ऑनलाइन टेस्ट पास करने के बाद लाइसेंस को डाउनलोड करके इसका प्रिंट ले सकता है।

नागालैंड में हॉर्नबिल पक्षी को मारने के आरोप में तीन गिरफ्तार

कोहिमा 14 जून (वार्ता) नागालैंड के वोखा जिले में हॉर्नबिल पक्षी को प्रताड़ित कर मारने का एक वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट किया गया। जिसके बाद यहां की पुलिस ने संरक्षित वन्यजीवों की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह वोखा जिले के भंडारी गांव में हुआ। वोखा डिवीजन ऑफ वाइल्डलाइफ को वीडियो वायरल होने के बाद, इस घटना के बारे में पता चला और शिकायत दर्ज की गई।

वायरल वीडियो में दिखाया गया कि ग्रामीण पहले पक्षी को मारते हैं और उसके बाद पूंछ के पंख उखाड़ते हैं।

सूत्रों के अनुसार, वीडियो करीब एक से दो दिन पहले सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। वन एवं वन्य जीव विभाग की शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों को भंडारी गांव से गिरफ्तार किया गया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जिन आरोपियों की पहचान उजागर नहीं की गई थी, उन्हें सोमवार को ग्रेट हॉर्नबिल की कथित हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सूत्रों ने कहा कि तीनों आरोपी व्यक्तियों को आगे वोखा मुख्यालय भेज दिया गया, जहां वन्यजीव विभाग अंतिम अपराध रिपोर्ट जमा करने से पहले मंगलवार को जिला न्यायालय में एक प्रारंभिक अपराध रिपोर्ट (पीओआर) रखेगा।

सूत्रों ने बताया कि नागालैंड राज्य के हरित उत्तराधिकार (ग्रीन सन्स) की एक प्रेस विज्ञप्ति में अपराधियों पर तुरंत कार्रवाई के लिए वन्यजीव और पुलिस विभाग की प्रशंसा की गयी है।

सागा दावा महोत्सव पर तमांग ने जनता को दी शुभकामनाएं

गंगटोक। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने मंगलवार को सागा दावा महोत्सव के अवसर पर सिक्किम के जनता को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, मैं सिक्किम के लोगों, खास कर बुद्ध समुदाय के लोगों को सागा दावा के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, सागा दावा भगवान बुद्ध के द्वारा ज्ञान और निर्वाण की प्राप्ति के उपलक्ष्य में एक पवित्र अवसर है तथा यह बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक है। भगवान बुद्ध की शिक्षा ने सभी के बीच भाईचारा, सद्भाव और अहिंसा के आदर्शों को पहुंचाया है तथा यह त्योहार भगवान बुद्ध के धार्मिकता एवं धर्म के संदेश को जन-जन तक पहुचाता है। भगवान बुद्ध के द्वारा दी गयी शिक्षा समाज में असहिष्णुता और घृणा के अंधकार को दूर करे और सभी के लिए संतोष, शांति और ज्ञान के युग की शुरुआत करे।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड : पंजाब पुलिस ने मांगी लॉरेंस बिश्नोई की ट्रांजिट रिमांड

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर और कांग्रेसी नेता सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में आरोपी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की ट्रांजिट रिमांड की पंजाब पुलिस की अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। दरअसल, तिहाड़ जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई इन दिनों आर्म्स एक्ट के एक मामले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की कस्टडी में है।

स्पेशल सेल ने आर्म्स एक्ट के एक मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद मंगलवार को उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। स्पेशल सेल की टीम लॉरेंस बिश्नोई को कड़ी सुरक्षा के बीच बख्तरबंद गाड़ी में अदालत में लेकर पहुंची है।

इस बीच, सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड की जांच में जुटी पंजाब पुलिस ने भी आज पटियाला हाउस कोर्ट में पेश होकर लॉरेंस बिश्नोई की ट्रांजिट रिमांड देने की मांग की। पंजाब पुलिस ने कहा कि वह सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में लॉरेंस से पूछताछ करना चाहती है।

इस दौरान लॉरेंस बिश्नोई के वकील विशाल चोपड़ा ने पंजाब पुलिस द्वारा की गई ट्रांजिट रिमांड की मांग का विरोध किया। चोपड़ा ने कि मैं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ और जांच का विरोध नहीं कर रहे हैं। वह सिर्फ लॉरेंस को पंजाब में फिजिकल ट्रांजिट रिमांड का विरोध कर रहे हैं।

एडवोकेट चोपड़ा ने कोर्ट के सामने कहा कि पंजाब पुलिस जरूरत पड़ने पर लॉरेंस बिश्नोई को सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में गिरफ्तार कर सकती है, लेकिन उसे दिल्ली से बाहर नहीं ले जाया जाना चाहिए।

पटियाला हाउस कोर्ट ने सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में लॉरेंस बिश्नोई की ट्रांजिट रिमांड की पंजाब पुलिस की अर्जी पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

झारखंड : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में अब 28 जून को होगी सुनवाई

रांची। भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में अब अगली सुनवाई 28 जून को होगी। मुख्यमंत्री सोरेन ने अपने वकील के कोरोना पॉजिटिव होने का हवाला देते हुए दिल्ली स्थित निर्वाचन आयोग के समक्ष पेश होने के लिए और अधिक समय मांगा था। आयोग ने आज उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए 14 दिनों का समय दिया।

हालांकि, आयोग की ओर से यह भी कहा गया है कि अगली तिथि को वे खुद या अपने वकील के माध्यम से पक्ष रखे, अन्यथा उनकी ओर से जो लिखित जवाब सौंपा गया है, उसी के आधार पर फैसला लिया जाएगा।

सोरेन के आग्रह पर इस मामले में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से दो बार सुनवाई टाली जा चुकी है। इससे पहले भी हेमंत सोरेन को चुनाव आयोग की ओर से पक्ष रखने के लिए दो बार समय दिया गया था।

पहले हेमंत सोरेन को 10 मई तक जवाब देना था, लेकिन उन्होंने अपनी मां की तबीयत का हवाला देते हुए अतिरिक्त समय की मांग की थी। इसके जिसके बाद 20 मई तक उन्हें जवाब देने का समय मिला, तो सीएम ने जवाब दे दिया और कहा कि उनके पास कोई माइनिंग लीज नहीं है।

इसके बाद चुनाव आयोग की ओर से 31 मई को आयोग में पेश होने का आदेश दिया था, जिसके बाद हेमंत सोरेन की ओर से आयोग अतिरिक्त समय की मांग की गई थी, जिसे आयोग ने मान लिया और आज सोरेन की ओर से फिर से अपने वकील की तबीयत का हवाला देते हुए समय की मांग की गई, उसे भी चुनाव आयोग ने स्वीकार कर लिया है और 28 जून को आयोग के समक्ष खुद या अपने वकील के माध्यम से जवाब रखने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि इस पूरे प्रकरण में सबसे पहले भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्यमंत्री पर अपने नाम से खनन पट्टा लेने का आरोप लगाते हुए इसे ऑफिस ऑफ प्रॉफिट का मामला बताते हुए उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की गई थी। बाद में भाजपा नेताओं ने राज्यपाल रमेश बैस से इसकी शिकायत की और राज्यपाल ने इस पर भारत निर्वाचन आयोग से मंतव्य मांगा।

जिसके बाद सबसे पहले 3 मई को चुनाव आयोग की ओर से नोटिस जारी कर मुख्यमंत्री से जवाब मांगा गया था।

राजस्थान में बाड़मेर सहित कई जिलों में प्री मानसून की अच्छी वर्षा

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में बाड़मेर, सिरोही, जैसलमेर सहित कई जिलों में प्री मानसून की अच्छी बरसात हुई हैं और इससे तेज गर्मी एवं लू में थोड़ी राहत महसूस की जाने लगी है। प्री मानसून के कारण बाड़मेर में सोमवार रात जोरदार बारिश हुई जिससे सड़कों पर पानी बहने लगा। इसी तरह पाली, सिरोही, उदयपुर, जालोर, राजसमंद , जैसलमेर के पोकरण, बीकानेर, कोटा, जोधपुर के भोपालगढ़ एवं फलौदी आदि क्षेत्रों में बारिश हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले चौबीस घंटों में बाड़मेर जिले के चौहटन में सौ मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई जबकि बाड़मेर में 76, बाड़मेर के बायतू में 48, शिव में 21 एवं सिवाना में 20 मिलीमीटर बरसात हुई। इसी तरह बारां के अटरू में 98, प्रतापगढ़ में 57, जैसलमेर के पोकरण में 19, जोधपुर के भोपालगढ़ में 56, राजसमंद के कुंभलगढ़ में 46, फतेहगढ़ में 16, बीकानेर में 17.6, बीकानेर के डूंगरगढ़ 15, उदयपुर में 13, चित्तौड़गढ़ में छह एवं भीलवाड़ा में दो मिलीमीटर वर्षा हुई। इस वर्षा से नदी एवं नालों में पानी आना शुरु हो गया। बरसात के बाद तापमान में थोड़ा बदलाव आया और भीलवाड़ा में अधिकतम तापमान सामान्य से नौ डिग्री कमी के साथ 32.4 एवं न्यूनतम तापमान दो डिग्री कमी के साथ 24.6 डिग्री सेल्सिसयस रहा। चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान सामान्य से आठ डिग्री कमी के साथ 31.6 एवं न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सयिस रहा।

महिला की गोली लगने से मौत, हत्या की आशंका

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम शहर के आनंद कॉलोनी के एक घर में आज दोपहर एक महिला की गोली लगने से मृत्यु हो गयी। महिला के सिर पर आंख के ऊपर गोली लगी है। इस मामले में हत्या की आशंका जतायी जा रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार दोपहर में आनन्द कालोनी से एक महिला को रक्त रंजित अवस्था में जिला चिकित्सालय लाया गया था। इस महिला के सिर पर आंखों के उपर गोली लगी थी। जिला चिकित्सालय में डाक्टरों ने उक्त महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतका का नाम शाइन (40) बताया गया है।

प्रारंभिक तौर पर सामने आई जानकारी के अनुसार मृतका रतलाम के कांग्रेस नेता अज्जू शैरानी की बहन थी। उसका विवाह मनावर (धार) में हुआ था। पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए वह करीब आठ दिन पहले रतलाम आई थी और रतलाम में अपने भाई असलम के घर पर रह रही थी।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर सामने आई जानकारी के अनुसार मृतिका को उसके घर में ही गोली लगी है।

अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि गोली दुर्घटनावश चली या किसी ने आपसी विवाद के चलते उसे गोली मारी है। उन्होंने बताया कि यह जानकारी सामने आई है कि उसकी मौत होने में घर के ही किसी सदस्य का हाथ है। नावेद नामक युवक फरार है, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। उन्होंने इस बात का खण्डन किया है कि इस हत्या के पीछे कोई राजनीतिक कारण हो सकता है।

कवि से ज्यादा समाज सुधारक थे कबीर और बाबा नागार्जुन : कुलपति

एजेंसी

दरभंगा। बिहार के प्रतिष्ठित ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह ने जन कवि कबीर और संत कवि नागार्जुन की व्यंग्यात्मक शैली पर प्रकाश डालते हुए आज कहा कि व्यंग्यात्मक लहजा जन सामान्य तक बहुत तीव्र गति से सम्प्रेषित होता है, साथ ही व्यंग्य हृदय में बस जाता है।

प्रो. सिंह ने मंगलवार को जनकवि बाबा नागार्जुन एवं संत कवि कबीर की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के तत्वावधान में आयोजित कबीर और नागार्जुन की सामाजिक चेतना विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए करते हुए कहा कि दोनों ही कवि से ज्यादा समाज सुधारक थे। अपने भीतर का फकीर जीवित रखने का फायदा बताते हुए उन्होंने कहा कि जबतक व्यक्ति के भीतर का फकीर जीवित है तबतक सच के लिए इंसान खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि बहती गंगा की धारा के साथ बहना आसान है लेकिन उस धारा के विपरीत तैरना उस धारा को नकारना सबके बस की बात नहीं है। जो सच के पक्ष में खड़ा होगा, वही ऐसा कर सकेगा।

कुलपति ने कहा कि कबीर और नागार्जुन हमेशा सच के पक्ष में खड़े थे, इसलिए ऐसा कर सके। उन्होंने कहा कि नागार्जुन चेयर के लिए विस्तृत प्रोपोजल आने पर सकारात्मक प्रयास किये जायेंगे। साथ ही अगले वर्ष से कबीर और नागार्जुन की जयंती हिंदी, मैथिली और उर्दू विभाग के तत्त्वावधान में भी आयोजित की जाएगी।

कुलसचिव एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. मुश्ताक अहमद ने कहा कि कबीर जिस काल के कवि हैं उस काल में सारे कवि भगवान की तलाश में थे लेकिन उस दौर में कबीर एकमात्र ऐसे कवि थे जो मानव में भगवान देखते थे। उन्होंने कबीर को अमीर खुसरो की परंपरा को गति देनेवाला कवि बताया। कबीर ने लोकवाणी को साहित्य वाणी के रूप में स्थापित किया। लोकभाषा में रचना करने की शुरआत जहाँ खुसरो ने की, वहीं उसे बढ़ाने का काम कबीर करते हैं।

प्रो. अहमद ने कहा कि आधुनिक काल में कवि नागार्जुन कबीर की ही तरह बागी तेवरों के साथ उपस्थित होते हैं और इंसानियत को सबसे बड़ा धर्म मानते हैं। नागार्जुन समझौतावादी कभी नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि दोनों महान साहित्यकारों पर बात करना इतने अल्प समय में आसान नहीं है, इनपर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। आज जब साहित्य में भी अवसरवादिता चरम पर है, ऐसे में कबीर और नागार्जुन और ज्यादा प्रासंगिक हो जाते हैं। सत्ता के विरोध में ऐसे इंकलाबी साहित्यकारों ने जो रचनाएँ कीं उनसे प्रेरणा लेना आवश्यक है।

हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो0 राजेन्द्र साह ने सभी विद्वान अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन कबीर की जयंती मनाई जाती है, उन्हीं की परंपरा में जनकवि नागार्जुन भी आते हैं। वे भी अपनी जन्मतिथि ज्येष्ठ पूर्णिमा ही मानते थे इसीलिए आज उनकी जयंती मनाई जा रही है।कबीर और नागार्जुन ऐसे क्रांतिदर्शी कवि थे जो समाज को परिवर्तित करने की क्षमता रखते थे। मानवीय मूल्यों की स्थापना के लिए ये दोनों महान कवि जीवनपर्यंत संघर्षरत रहे।

कबीर और नागार्जुन युगद्रष्टा एवं युग की सृष्टि करनेवाले रचनाकार थे।

प्रो. चन्द्रभानु प्रसाद सिंह ने कहा कि आज से छह सौ वर्ष पहले कबीरदास हुए और बीसवीं सदी के पूर्वार्ध में नागार्जुन का जन्म हुआ था।

शार्ट न्यूज

बिधूड़ी ने जैतपुर में किया सर्वोदय विद्यालय का उद्घाटन, क्षेत्र में की स्वच्छता अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र बदरपुर के जैतपुर पार्ट-2 क्षेत्र में सर्वोदय विद्यालय का उद्घाटन किया। क्षेत्र के लोग काफी समय से इस क्षेत्र में विद्यालय की मांग कर रहे थे। इस मौके पर उपस्थित आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने काफी प्रसन्नता व्यक्त की। बिधूड़ी ने बताया कि इस स्कूल के लिए जमीन 2008 में ही दिला दी गई थी और 2013-14 में इसकी बिल्डिंग बनाने के लिए 3.5 करोड़ रुपए भी मंजूर करा दिए गए थे। यह अब विद्यालय लगभग 6 महीने पहले बनकर तैयार हुआ है। आज इस विद्यालय में 200 बच्चों को दाखिला देकर इसकी विधिवत शुरुआत की गई। विद्यालय में कुल 32 कमरे हैं और उनमें आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बिधूड़ी ने इस मौके पर विद्यालय के प्रिंसिपल और टीचिंग स्टाफ को बधाई दी और उन्हें प्रेरित करते हुए कहा कि क्षेत्र की आने वाली पीढ़ी के भविष्य के निर्माण की उन पर जिम्मेदारी है। बिधूड़ी ने जैतपुर वार्ड में स्वच्छता अभियान की भी शुरुआत की। उनके साथ दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने जैतपुर पार्ट-2 के ए, बी, सी, डी, ई और एफ ब्लाकों में जाकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। जैतपुर के लोगों ने इलाके की सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया है।

सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है केंद्र सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि केंद्र सरकार सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और इनकी आड़ में कांग्रेसी नेताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है लेकिन देश की जनता मोदी सरकार के असली चेहरे से वाकिफ है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार ने आज यहां कांग्रेस नेता राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय अधिकारियों द्वारा की गई पूछताछ मामले में प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि आखिर उन्होंने ऐसा कौन सा अपराध किया है कि देश की इतनी बड़ी एजेंसी उनके पीछे पड़ गई है जबकि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के काले कारनामों से पूरा देश वाकिफ है। डॉ कुमार ने कहा कि जिस प्रकार से ई डी श्री गांधी से पूछताछ कर रही है, क्या वो अपराधी हैं, लेकिन मोदी सरकार की सहायता से अरबों रुपए का घोटाला कर देश से भागे विजय माल्या, मेहुल चोकसी और नीरव मोदी मामले में यह एजेंसी क्यों नाकारा साबित हुई है। यह कुछ नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध है। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ ने देश भर में लूट मचा रही है और बेरोजगारी, मंहगाई तथा धार्मिक उन्माद अपने चरम पर है, लेकिन प्रधान मंत्री चुप हैं। आखिर ऐसा कौन सा अरबों रुपए का घोटाला हुआ है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह इस समय सारी एजेंसियों को राहुल गांधी के पीछे लगाकर विपक्ष की आवाज को नहीं दबा सकते हैं। आज सारा देश और कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के साथ खड़ी है। देश का हर युवा, हर कांग्रेसी राहुल गांधी हैं और हम सरकार के काले कारनामों को उजागर करके रहेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार, पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम और वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के साथ दिल्ली पुलिस ने जो बर्बरता की है, उसकी जितने भी कड़े शब्दों में निंदा की जाए, वह उतनी ही कम है। लेकिन मोदी सरकार के इन जालिम हथकंडों से कांग्रेस बिलकुल भी नहीं डरेगी।

दिल्ली में मां ने दो मासूम बच्चों के साथ ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, शवों की नहीं हो पाई शिनाख्त

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में होलंबी कलां रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ अमृतसर इंटर सिटी ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। डीसीपी (रेलवे) हरेंद्र के सिंह ने बताया कि एक महिला ने दो बच्चों के साथ खुदकुशी कर ली। उन्होंने बताया कि आरपीएफ कंट्रोल रूम द्वारा आज दोपहर करीब 2:13 बजे जानकारी दी गई कि केएम पोल नंबर 20/22 के पास एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया है। जांच अधिकारी तुरंत होलंबी कलां रेलवे स्टेशन पर पहुंचे और पाया कि लगभग 30-35 वर्ष की एक अज्ञात महिला और दो बच्चों को अमृतसर इंटर सिंटी ट्रेन द्वारा कुचल दिया गया था। एक बच्चे की उम्र लगभग 4 से 5 साल और दूसरे की उम्र 10 महीने थी। पुलिस ने शवों को सब्जी मंडी मोर्चरी में रखवा दिया है। डीसीपी ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। इस घटना के संबंध में सीआरपीसी की धारा 174 के तहत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में आगे की जांच में पता चला है कि यह आत्महत्या की घटना थी। पुलिस ने जब अमृतसर इंटर सिटी ट्रेन के ड्राइवर अशोक से संपर्क किया तो उसने फोन पर बताया कि दोनों बच्चों के साथ महिला जानबूझकर ट्रैक पर आई थी और ट्रेन 100 किमी से अधिक की गति से चल रही थी, जिससे घटना टल नहीं पाई।

पुलिस ने एक शराब तस्कर को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने मंगलवार को एक शराब तस्कर लोकेश पुत्र प्रेम सिंह निवासी ग्राम रोही आरआर साईट थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के आर आर साइट गेट नंबर 1 को जाने वाले रास्ते के तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने 96 पव्वे गोल्ड विस्की पंजाब मार्का बरामद किये है। अभियुक्त शातिर किस्म शराब तस्कर है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

थाना फेस टु पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित डकैती की घटना करने वाले फिरदौस गैंग के सक्रिय सदस्य को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना फेस टु पुलिस ने सोमवार को डकैती की घटना करने वाले फिरदौस गैंग का सक्रिय सदस्य जीशान पुत्र फरियाद निवासी ग्राम नहाल थाना मसूरी जिला गाजियाबाद को थाना क्षेत्र के भूडा तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है।अभियुक्त थाना फेस टु पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 2/2022 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहा था।अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

उपराज्यपाल ने विशेष संयुक्त स्वच्छता अभियान की शुरूआत की - दिल्ली की सफाई के लिए मिलकर मिशन मोड में काम करेंगे सभी निकाय और विभाग

सफाई कर्मचारियों को विभागीय हायरार्की का सबसे महत्वपूर्ण स्तंम्भ समझता हूँ मैं, उनकी चिंताओं और शिकायतों से अवगत हूँ, निवारण शीघ्र-अतिशीघ्र ही किया जाएगा : श्री वी.के. सक्सेना

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली शहर में सफाई एवं स्वच्छता की जरूरत को दोहराते हुए और इस दिशा में एक निर्णायक कदम के रूप में उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने आज एक विशेष संयुक्त स्वच्छता अभियान की शुरूआत की। श्री सक्सेना दिल्ली में पदभार संभालने के बाद से ही स्वच्छता एवं साफ-सफाई पर विशेष जोर देते रहें हैं। उपराज्यपाल श्री वी.के. सक्सेना ने इस समारोह की शुरूआत उत्तरी दिल्ली के मुखर्जी नगर से की। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सांसद श्री मनोज तिवारी, मुख्य सचिव और नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। माननीय मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री जो कि इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे, कुछ कारणवश उपस्थित नहीं हो पाए। यह कार्यक्रम दिल्ली नगर निगम के सभी जोनों में आम लोगों, स्थानीय विधायकों और क्षेत्र के सांसदों की सक्रिय भागीदारी से आज शुरू हुआ और आगे चलाया जाएगा।

एक पखवाड़े तक चलने वाला यह स्वच्छता अभियान अपने आप में एक पहला प्रयास होगा जिसमें सभी संबंधित एजेंसियां - स्थानीय निकाय एवं विभाग पहली बार मिलकर मिशन मोड में काम करेंगे। इस स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर की सड़कों, सेंट्रल वर्ज, फुटपाथ, गली, पार्क और आस-पड़ोस में अरसे से जमा हुए कचरे, सीएंडडी अपशिष्ट, और प्लास्टिक को पूर्ण रूप से हटाना है।

उपराज्यपाल ने सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ''यद्यपि सफाई कर्मचारियों को विभागीय हायरार्की में सबसे निचले पायदान पर रखा गया है, लेकिन वह उन्हें सबसे महत्वपूर्ण स्तम्भ समझते हैं। ये सफाई कर्मचारी ही हैं जो किसी भी शहर को स्वच्छ, साफ, स्वस्थ, रहने योग्य एवं उच्चस्तरीय स्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं- और उनका यही कार्य उन्हें श्रेष्ठ बनाता है।'' सफाई कर्मचारियों से शहर की साफ-सफाई में सक्रिय भूमिका निभाते रहने की अपील करते हुए श्री सक्सेना ने कहा कि वे उनकी चिंताओं और शिकायतों से अवगत है और वादा किया कि शीघ्र-अतिशीघ्र उनका समाधान किया जायेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह Local Guardian (LG) अभिभावक के रूप में सफाई कर्मचारियों को सशक्त करने तथा कार्य करने योग्य वातावरण उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। श्री सक्सेना ने इस महत्वपूर्ण कार्य में उनसे आगे बढ़कर आने का आह्वान करते हुए कहा कि, स्वच्छता उस चंदन के समान है, जिसे दूसरों के मस्तक पर लगाने से अपनी उँगलियाँ स्वयं महक उठती है।

इस अवसर पर उपराज्यपाल ने इस अभियान में लोगों की भागीदारी पर जोर दिया और कहा कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य शहर की सफाई के लिए विशेष प्रयास करना है और साथ ही साथ हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह एक निरंतर चलने वाला अभियान बने। श्री सक्सेना ने महात्मा गांधी और कस्तूरबा के जीवन और शब्दों को याद करते हुए कहा कि साफ-सफाई और स्वच्छता की दिशा में एक व्यक्ति के व्यक्तिगत प्रयास ही आसपास, शहर और देश की स्वच्छता का आधार होता है। उपराज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि दिल्ली के निवासी नगर निकायों के साथ पूर्ण सहयोग से एक स्वच्छ शहर के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने के लिए आगे आएंगे और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की महत्वपूर्ण ''स्वच्छ भारत'' अभियान में योगदान देंगे।

सक्सेना ने खेद व्यक्त किया कि भारत की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, जो अपनी गंदगी, प्रदूषण, सीवर लाइन ओवरफ्लो और एक मृतप्राय यमुना के लिए जानी जाती है, और कहा कि हमें जल्द ही दिल्ली को अंतर्राष्ट्रीय राजधानियों के बीच अपने गौरव स्थान को पुनः प्राप्त कराना चाहिए। उपराज्यपाल ने दोहराया कि इसके लिए प्रत्येक नागरिक को आगे आना होगा और शहर को अपना समझकर इसके विकास में मदद करनी होगी, ताकि सभी इस शहर के बाशिंदे होने पर गर्व कर सकें।

मोदी सरकार के जन सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 8 साल पूर्ण होने पर कृष्णा नगर विधान सभा में विशाल जन सभा

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने शाहदरा जिला के कृष्णा नगर विधान सभा में छाछी बिल्डिंग, लाल क्वाटर में मोदी सरकार के जन सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 8 वर्ष पूर्ण होने पर विशाल जन सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री श्री अनिल शर्मा जी ने कार्यक्रम संयोजक की भूमिका निभाई और विधान सभा संयोजक डॉ अनिल गोयल जी ने कार्यक्रम सह -संयोजक की भूमिका निभाई।

जन सभा में मुख्या अतिथि भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता जी, राज्य सभा सांसद एवं राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा श्री दुष्यंत गौतम जी, सांसद श्री गौतम गंभीर जी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री गौतम गंभीर जी ने कहा

मोदी सरकार ने 200 करोड़ फ्री वैक्सीन जनता को लगाया है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता जी ने कहा मोदी सरकार ने किसानो को किसान सम्मान निधि योजना के तहत ग्यारह हजार करोड़ रूपये सीधे उनके खातों में पहुंचाने का काम मोदी सरकार ने किया है। ज्य सभा सांसद एवं राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा श्री दुष्यंत गौतम जी ने कहा आज भारत गोली का जबाब गोले से देता है। घर में घुस कर सर्जिकल स्ट्राइक करता। पिछले 70 सालो में पहली सरकार है जो कोई छेड़े तो छोड़ती नहीं है ये केवल मोदी सरकार में ही संभव है। राम किशोर शर्मा जी ने कहा माननीय गौतम गंभीर जी ने भी पिछले तीन वर्षों में उल्लेखनीय काम किए। इस अवसर पर डॉ अनिल गोयल जी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यवस्था में लगे सभी कार्यकर्ताओ का धन्यवाद् किया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री राम किशोर शर्मा जी, जिला प्रभारी श्री पंकज जैन जी , जिला महामंत्री श्री यशपाल कैंतुरा जी एवं जिला महामंत्री श्री दीपक गाबा जी, निगम पार्षद श्री संदीप कपूर जी , निगम पार्षद श्री दीपक मल्होत्रा जी, पूर्व मेयर एवं पार्षद श्रीमती नीमा भगत जी, कृष्णा नगर मंडल अध्यक्ष श्री कुश बिंद्रा जी , गीता कॉलोनी मंडल अध्यक्ष श्री सुरेंद्र किंद्रा जी , अनारकली मंडल अध्यक्ष श्री दिनेश वर्मा जी, घोंडली मंडल अध्यक्ष इन्दु बाला जी, घोंडली मंडल प्रभारी श्री वीरेंद्र अग्रवाल जी, कृष्णा नगर उपाध्यक्ष श्री महेंद्र भटेजा जी, कृष्णा नगर विधान सभा बूथ संयोजक श्री अनिल अरोरा जी, कृष्णा नगर महामंत्री श्री राजेश चड्ढा जी उपस्थित रहे।

मानव रचना स्कूल की मान्यता रद्द होने का डर, शिक्षा विभाग ने नोटिस भेज मांगा जवाब

नोएडा। नि: शुल्क एंव बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत पात्र विद्यार्थियों को स्कूल में दाखिला नहीं देना सेक्टर-51 स्थित मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल को महंगा पड़ गया है। बेसिक शिक्षा विभाग ने स्कूल के खिलाफ मान्यता प्रत्याहरण की कार्रवाई करते हुए 30 दिनों में जवाब मांगा है। समय पर जवाब न मिलने पर स्कूल की मान्यता निरस्त कर दी जाएगी। इसके अलावा जो स्कूल पात्र विद्यार्थियों को दाखिला नहीं दे रहे हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दाखिला नहीं देने वाले सभी स्कूलों की मान्यता निरस्त होगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि आरटीई के तहत दाखिला न देने को लेकर स्कूलों की शिकायत मिल रही थी। इस क्रम में सोमवार को सेक्टर-51 स्थित मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-50 रामाज्ञा स्कूल, ग्रेनो द इनफिनिटी व ग्रेटर वेली और एपीजे इंटरनेशनल स्कूल प्रबंधन व कुछ अभिभावकों को बुलाया गया था। मानव रचना स्कूल प्रबंधन की ओर से शिक्षक लीना उपस्थित हुई। इस बीच बैठक में ही उनके व अभिभावक बबली झा के बीच कहासुनी हो गई। बीएसए के सामने दोनों का व्यवहार बेहद अशोभनीय रहा। इसके चलते स्कूल में प्रवेश की समस्या का समाधान नहीं हो सका। रामाज्ञा स्कूल की ओर से प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित हुए, उन्होंने जून माह में सीटों पर प्रवेश दिलाने की बात कही। द इनफिनिटी से प्रधानाचार्य उपस्थित हुईं, उन्होंने कहा कि विद्यालय में आरटीई के तहत प्रवेश लिए जा रहे हैं। ग्रेटर वेली स्कूल से प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे, लेकिन उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया। प्रवेश विद्यालय स्तर से लंबित है, जबकि एपीजे स्कूल की ओर से कोई उपस्थित ही नहीं रहा। बीएसए ने आरटीई कोटे के अंतर्गत प्रवेश न करने की दशा में मानव रचना स्कूल को मान्यता निरस्त करने की चेतावनी देते हुए नोटिस जारी किया है।

चीनी नागरिक ने बनवा लिए थे भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड और वोटर आईडी, नोएडा पुलिस की जांच में बड़ा खुलासा

नोएडा। बिहार के सीतामढ़ी से दो संदिग्ध चीनी जासूसों की गिरफ्तारी के बाद नोएडा पुलिस के द्वारा गिरफ्तार किए गए चीनी नागरिक के मामले में चल रही जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। मंगलवार को नोएडा पुलिस ने उसके पास से एक भारतीय पासपोर्ट की कॉपी बरामद की है, जिस पर उसी का फोटो लगा हुआ है और उसने अपना नाम और पता बदल दिया है। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा विशाल पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार किए गए चीनी नागरिक सुफाइ के के कब्जे से जांच के दौरान भारतीय पासपोर्ट की कॉपी मिली है, जिसमें उसका नाम लाक्पा शेर्पा लिखा है। यह पासपोर्ट पश्चिम बंगाल राज्य के दार्जिलिंग जिले के पते पर बनाया गया है। इसके अलावा उसके पास से एक आधार कार्ड भी मिला है और वोटर आईडी कार्ड की कॉपी मिली है। यह तीनों दस्तावेज दार्जिलिंग के पते पर ही बने हैं। इसमें पासपोर्ट और वोटर आईडी कार्ड को बरामद करने के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। पुलिस ने जेपी ग्रींस सोसाइटी में सर्च अभियान चलाया है। चीनी नागरिक जिस फ्लैट में रह रहा था, वहां से कलर्ड प्रिंटर, आधार कार्ड बनाने में प्रयोग होने वाले 15 ब्लैंक कार्ड, बीएमडब्ल्यू कार, तीन चेक बुक मिली हैं। इस मामले में अब जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। नोएडा पुलिस ने पश्चिम बंगाल पुलिस से भी संपर्क किया है और वहां के पते पर बनाए गए इन दस्तावेजों के बारे में जानकारी दे दी है।

भाजपा प्रत्याशी राजेश भाटिया ने ओल्ड राजेन्द्र नगर एवं इन्द्रपुरी में किया डोर-टू-डोर कैम्पेन

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। राजेन्द्र नगर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी श्री राजेश भाटिया ने स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ओल्ड राजेन्द्र नगर के ब्लाक 1,2,3 एवं इन्द्रपुरी में डोर-टू-डोर कैम्पेन के माध्यम से सघन जनसम्पर्क किया। अनेक स्थानों पर सीनियर सिटीजनों एवं महिलाओं ने श्री राजेश भाटिया का अभिनंदन किया और आशीर्वाद दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सांसद श्री दुष्यंत गौतम, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, विधायक श्री अजय महावर, श्री अभय

वर्मा, श्री जितेन्द्र महाजन एवं श्री अनिल वाजपेयी और प्रदेश महामंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने आज श्री राजेश भाटिया के समर्थन में नुक्कड़ सभाओं एवं बैठकों को सम्बोधित किया।

आदेश गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि दिल्ली के लोगों साथ राजेन्द्र नगर के लोग भी अरविंद केजरीवाल सरकार के जलबोर्ड आदि के भ्रष्टाचार को देखकर स्तब्ध हैं और आगामी विधानसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी को हराकर अरविंद केजरीवाल सरकार को भ्रष्टाचार छोड़ने की अंतिम चेतावनी देंगे।

दुष्यंत गौतम ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार की अकर्मण्यता के कारण दिल्ली का विकास ठप्प है और दिल्ली के सबसे सुन्दर क्षेत्रों में से एक राजेन्द्र नगर के लोग भी आज सीवर एवं पानी की समस्याओं से जूझ रहे है। उन्होंने लोगों से आवाहन किया की आगामी विधानसभा चुनाव में राजेन्द्र नगर के विकास के लियें भाजपा प्रत्याशी को वोट देकर सफल बनायें। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने क्षेत्र के बुद्धिजीवियों की बैठक में कहा कि दिल्ली के लोग बदहाल सार्वजनिक परिवहन, पेयजल कमी, प्रदूषण एवं सरकार में भ्रष्टाचार आदि अनेक समस्याओं से त्रस्त हैं। उन्होंने क्षेत्र के बुद्धिजीवी वर्ग से अपील की कि वह मतदाताओं तक केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार की कहानी पहुंचा कर उन्हे भाजपा के पक्ष में वोट देने के लियें प्रोत्साहित करें।

शादी के बाद पति नहीं बनाता था संबंध, कॉरपोरेट कंपनी की मैनेजर संग जेठ ने किया दुष्कर्म

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के आली गांव में एक कॉरपोरेट कंपनी की मैनेजर के साथ दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। पीड़ित महिला ने अपने जेठ पर ही दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है।

पीड़िता ने बताया कि उसके ससुराल पक्ष के लोग उसे परेशान करते थे। यह बात उसने अपने मायके में बता दी थी। इससे गुस्साए उसके जेठ ने उसके साथ मारपीट की और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। महिला की शिकायत पर सरिता विहार थाना पुलिस ने दुष्कर्म समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता अपने पति के साथ आली गांव में रहती है। उसकी शादी गत वर्ष हुई है। उसका पति एक निजी सॉफ्टवेयर कंपनी में इंजीनियर है, जबकि वह खुद एक कॉरपोरेट कंपनी में मैनेजर है। पीड़िता ने बताया कि शादी के कई माह बाद भी उनके अपने पति के साथ कभी शारीरिक संबंध नहीं बने। उन्होंने यह बात अपनी सास, जेठानी और अपने मायके में मां को बताई। पीड़िता की मां ने अपनी बेटी के साथ दामाद के इस व्यवहार की शिकायत जब उसकी सास व जेठानी से की तो उसके बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने मिलकर उसको प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि एक दिन उनकी सास व जेठ उनके कमरे में आ गए और उनसे झगड़ा करने लगे। सास ने उनके जेठ को उनके कमरे में छोड़कर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया और जेठ से पीड़िता के साथ दुष्कर्म करने को कहा। जेठ ने इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की भी धमकी दी।

जिन पेंशनरों की पेंशन नहीं आ रही हैं वह अपने आधार कार्ड से अपना मोबाईल नम्बर अवश्य करायें लिंक

ग्रेटर नोएडा। जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेन्द्र बहादुर सिंह ने सर्वसाधारण का आहवान करते हुये जानकारी दी है कि वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत जिन पेंशनरों की पेंशन नहीं आ रही हैं वह अपने आधार कार्ड से अपना मोबाईल नम्बर आधार केन्द्र से लिंक करवायें। उन्होंने बताया कि जब मोबाईल नम्बर आधार कार्ड से लिंक हो जायेगा, तब समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन पोर्टल पर जन सुविधा केन्द्र के माध्यम से या अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में स्वयं या परिचित के माध्यम से उपस्थित होकर अपना आधार कार्ड नम्बर लिंक करवायें। मोबाईल लिंक करवाने के उपरान्त अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आधार कार्ड लिंक करवाने के लिए बैंक पासबुक लाना न भूलें। उन्होंने बताया कि यदि पेंशनर द्वारा आधार कार्ड से मोबाईल नम्बर लिंक नहीं कराया जाता हैं तथा लिंक करवाने के बाद आधार कार्ड अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध नहीं कराया जाता हैं तो वृद्धावस्था पेंशन आपके बैंक खाते में स्थानान्तरित नहीं हो पायेगी। इसके लिये पेंशनर को जागरूक होते हुये जिम्मेदारी से यह कार्य सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने सर्वसाधारण का आहवान किया कि जागरूक होकर इस कार्य को सर्वप्राथमिकता प्रदान करते हुये आधार कार्ड नम्बर से मोबाईल नम्बर लिंक अवश्य करवायें, ताकि पेंशन की धनराशि आपके खातों में हस्तांतरित की जा सकें। उक्त के सम्बंध किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये जिला समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय विकास भवन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में सम्पर्क किया जा सकता हैं।

'कोरोना से मेरी याददाश्त चली गई', ईडी की पूछताछ में बोले सत्येंद्र जैन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर अपना आदेश मंगलवार को सुरक्षित रख लिया। जैन को धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया है।

विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने ईडी के साथ ही जैन की दलीलों को सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया।

सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कुछ ऐसे दावे किए, जिनको

सुनकर हर कोई हैरान रह गया। ईडी ने ट्रायल कोर्ट को बताया कि सत्येंद्र जैन का कहना है कि कोरोना के कारण उनकी याददाश्त चली गई है।

बता दें कि ईडी ने धन शोधन रोकथाम कानून की आपराधिक धाराओं के तहत जैन को हिरासत में लिया था। वह अभी न्यायिक हिरासत में हैं। दिल्ली की राउस एवेन्यू कोर्ट में ईडी ने कहा कि सवाल पूछे जाने के दौरान सत्येंद्र जैन ने कहा है कि उनको कोविड हुआ था, जिसकी वजह से अब उनकी याददाश्त चली गई है।

ईडी ने अदालत में कहा है कि हवाला-दस्तावेजों के बारे में पूछताछ के दौरान सत्येंद्र जैन ने कहा कि कोविड के कारण अपनी याददाश्त खो दी थी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने अदालत को बताया कि जैन ने यह दावा तब किया जब उनके सामने हवाला लेनदेन से धन प्राप्त करने वाले ट्रस्टों की सदस्यता से संबंधित दस्तावेजों का सामना करना पड़ा। आप मंत्री की ईडी हिरासत पहले सोमवार 13 जून तक बढ़ा दी गई थी। जैन की जमानत पर सुनवाई मंगलवार 14 जून को होनी थी।

बता दें कि ईडी ने जैन से जुड़ी संपत्तियों से 2.82 करोड़ रुपये नकद और 1.8 किलोग्राम सोना बरामद किया था।

आप के मंत्री पर अपनी पत्नी, बेटियों, दोस्तों और सहयोगियों की मदद से हवाला लेनदेन के माध्यम से 16 करोड़ रुपये से अधिक के शोधन का आरोप लगाया गया है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम योजना के तहत मई माह के अवशेष लाभार्थी 15 जून तक प्राप्त कर सकते हैं खाद्यान्न

ग्रेटर नोएडा। जिला पूर्ति अधिकारी गौतमबुद्धनगर चमन शर्मा ने अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत मई 2022 के अवशेष लाभार्थियों को निशुल्क खाद्यान्न वितरण कराए जाने के उद्देश्य से आवश्यक वस्तुओं के निशुल्क वितरण की तिथि को 15 जून 2022 तक विस्तारित किया गया है। उन्होंने बताया कि बढ़ाई गई अवधि के दौरान ई-पॉस मशीन से आधार आधारित वितरण किया जाएगा, मोबाइल ओटीपी के माध्यम से वितरण की तिथि पूर्व निर्धारित दिनांक 10 जून 2022 के साथ साथ 15 जून 2022 को भी उपलब्ध रहेगी एवं 15 जून तक कार्ड धारकों को पोर्टेबिलिटी के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके लिए विक्रेता अपने स्टॉक में अवशेष खाद्यान्न की उपलब्धता की सीमा तक पोर्टेबिलिटी के अंतर्गत खाद्यान्न वितरित कर सकेंगे।

संपादकीय

उत्तर प्रदेश की विधान परिषद जल्द होगी कांग्रेस मुक्त

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के इतिहास में कांग्रेस का सबसे बुरा और भाजपा का सबसे अच्छा दौर सात जुलाई से प्रारंभ होगा। जब भाजपा 73 सदस्यों के साथ परिषद की लगभग दो तिहाई सीटों पर काबिज होगी। वहीं समाजवादी पार्टी भी अपने राजनीतिक इतिहास के सफर में सबसे कमजोर स्थिति में पहुंचने वाली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कांग्रेस मुक्त भारत का सपना भले अभी नहीं पूरा हुआ हो, लेकिन उत्तर प्रदेश विधान परिषद जल्द ही कांग्रेस मुक्त होने जा रही है। जुलाई में उत्तर प्रदेश विधान परिषद में कांग्रेस की स्थिति शून्य पर आकर रुक जाएगी। क्योंकि इससे नीचे गिराव संभव ही नहीं है। इससे उत्साहित बीजेपी वाले कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री के कांग्रेस मुक्त भारत वाले सपने का यह पहला कदम है। बीजेपी और विपक्ष भले ही कांग्रेस की दुर्गति से खुशी महसूस कर रहे हो, लेकिन कांग्रेस के लिए यह काफी शर्मनाक स्थिति है। कांग्रेस उसी उत्तर प्रदेश में रसातल की ओर चली गई है, जिसके बल पर उसने दशकों तक केंद्र और प्रदेश में राज किया था। कांग्रेस के पुराने दिक्कत नेता भी इस स्थिति से काफी असहज महसूस कर रहे हैं, यह और बात है कि गाँधी परिवार की चाटुकारिता के चलते मुंह खोलने से बच रहे हैं। वैसे स्थिति सपा-बसपा के लिए भी अच्छी नहीं है। इसके उलट भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा में अपना बहुमत पूरा करने का स्वर्णिम इतिहास बनाने जा रही है। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के इतिहास में कांग्रेस का सबसे बुरा और भाजपा का सबसे अच्छा दौर सात जुलाई से प्रारंभ होगा। जब भाजपा 73 सदस्यों के साथ परिषद की लगभग दो तिहाई सीटों पर काबिज होगी। वहीं समाजवादी पार्टी भी अपने राजनीतिक इतिहास के सफर में सबसे कमजोर स्थिति में पहुंचने वाली है। वही बसपा मात्र एक सीट के साथ सबसे बुरा दौर देखेगी। बात कांग्रेस की की जाए तो कांग्रेस के एक मात्र सदस्य दीपक सिंह का जुलाई में कार्यकाल समाप्त होने के बाद परिषद में कांग्रेस का कोई सदस्य नहीं रह जाएगा। गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 13 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा के 9 और सपा के चार उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। 13 जून सोमवार को परिणाम घोषित होने के बाद विधान परिषद में भाजपा की सदस्य संख्या 66 से बढ़कर 73 हो गई है। इसमें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पंचायतीराज मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी पहले से परिषद सदस्य थे। जबकि पांच मंत्रियों सहित भाजपा के सात नए सदस्य चुने गए है। सपा की सदस्य संख्या 11 से घटकर 9 हो गई है। भीमराव आंबेडकर बसपा के एकमात्र सदस्य बचे है, उनका कार्यकाल 5 मई 2024 तक का है। अन्य दलों की विधान परिषद में संख्या बल की बात की जाए तो रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की जनसत्ता दल लोकतांत्रिक से अक्षय प्रताप सिंह, अपना दल के आशीष पटेल, शिक्षक दल (गैर राजनीतिक दल) से सुरेश कुमार त्रिपाठी व ध्रुव कुमार त्रिपाठी और निर्दलीय समूह से राज बहादुर सिंह चंदेल व डॉ. आकाश अग्रवाल जबकि विक्रांत सिंह और अन्नपूर्णा सिंह स्थानीय निकाय क्षेत्र से उत्तर प्रदेश विधानसभा परिषद में निर्दलीय सदस्य है। परिषद में सात जुलाई से सपा की सदस्य संख्या मात्र 9 पर आकर सिमट जाएगी। इस वजह से समाजवादी पार्टी का विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष का पद भी खतरे में पड़ जाएगा। संसदीय नियमावली के अनुसार सत्ता पक्ष के बाद दूसरे सबसे बड़े विरोधी दल की सदस्य संख्या कम से कम दस प्रतिशत होने पर ही नेता प्रतिपक्ष चुना जाता है। जबकि सपा की सदस्य संख्या 9 (नौ प्रतिशत) ही है। ऐसे में सपा से नेता प्रतिपक्ष चुना जाएगा या नहीं, इस पर संशय बरकरार है। विधान परिषद के अध्यक्ष इस पर अंतिम फैसला ले सकते हैं। यहां यह समझ लेना भी जरूरी है कि विधान परिषद में मनोनीत कोटे की भी छह सीटें रिक्त हैं। सरकार आने वाले दिनों में इन छह सीटों पर भी अपने सदस्यों को मनोनीत करेगी। उनमें सभी सदस्य भाजपा संघ परिवार से जुड़े संगठनों से होंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष अहमद हसन के निधन और पूर्व एमएलसी जयवीर सिंह के विधायक निर्वाचित होने से खाली हुई दो सीटों पर उप चुनाव होना है।

महत्वपूर्ण फैसलों की बदौलत देश की दशा और दिशा बदली जा सकती है

(रमेश बिधुडी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं। मोदी सरकार ने अपने आठ साल के कार्यकाल में यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार हो तो महत्वपूर्ण फैसलों की बदौलत देश की दशा और दिशा बदली जा सकती है।

सबका साथ, सबका विकास का नारा देने वाली मोदी सरकार ने अपने शासनकाल के इन आठ वर्षों में महिला, किसान, युवा, व्यापारी, मजदूर हर वर्ग का ध्यान रखा और जन कल्याणकारी योजनाओं के जरिये हर वर्ग को लाभ पहुंचाने की ईमानदार कोशिश की।

नरेन्द्र मोदी खुद एक पिछड़े और गरीब परिवार में पैदा हुए और गरीबों की जिजीविषा से जुड़े कष्टों को उन्होंने करीब से महसूस किया। यही वजह है कि प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही उन्होंने गरीब कल्याण और सबका विकास के मूलमंत्र को अपने प्रशासन की नीतियों और योजनाओं में आत्मसात किया। मोदी सरकार की ओर से गरीब कल्याण, सेवा और सुशासन दृढ़ता, की सोच के साथ उठाए गए कदमों की लंबी फेहरिस्त है जिसने आम जनजीवन की कठिनाइयों को कम करने में मदद की। मिसाल के तौर पर हर गरीब के लिए मकान बनाने का सपना देखना और उसे साकार करना, यह मोदी सरकार के पीएम आवास योजना युग के आठ सालों में ही संभव हुआ है। आप किसी भी गाँव से गुजरिए वहां बने हुए प्रधानमंत्री आवास की दीवारें, गरीबों के घर पर शौचालय, गरीबों के मन की मुस्कान बयां करते हैं। किसान निधि और फसल बीमा योजना खेतों में कार्यरत किसानों की किस्मत बदल रहे हैं। रेहड़ी-पटरी पर अपना जीवन-यापन करने वाले गरीब कारोबारियों को सूक्ष्म-लघु उद्योग का दर्जा देकर उनको सम्मान सहित अवसर प्रदान किया है। गरीबों का जीवन बचाने वाला आयुष्मान कार्ड आज संजीवनी बनकर निर्धन आदमी की जेब में है, जिससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा है।

2014 में मोदी जी के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद गरीबों के लिए दुनिया के सबसे बड़े वित्तीय समावेशन यानी जनधन खाता खोलने की योजना से गरीब कल्याण की शुरुआत हुई और आगे चलकर अनेक ऐसी योजनाएँ जमीन पर उतरीं, जिनका सीधा असर गरीबों के जीवन स्तर पर पड़ा। उनका जीवन बदल गया।

इस क्रम में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना, कौशल विकास योजना, किसान सम्मान निधि योजना, उज्ज्वला योजना, मुद्रा लोन योजना, अटल पेंशन योजना सहित कई योजनाएँ केवल सरकारी नाम नहीं हैं बल्कि गरीबों के जीवन की संजीवनी हैं और सतत: प्रयास रहता है कि गरीब तक, हर अकांक्षी तक, इनका लाभ पहुंचे।

ऐतिहासिक रूप से इन योजनाओं ने 70 साल के सरकारी खानापूरी के भ्रमजाल को तोड़ कर आमजन के सपनों को साकार किया है। यह भारत के लोकतंत्र की ताकत से बनी योजनाएँ हैं, जिनके परिणाम से सारी दुनिया को विकास के पथ पर आगे बढ़ने का एक दृष्टिकोण मिला है। 70 साल से चली आ रही समाज की अनेक समस्याओं का निदान करने में भी मोदी सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। मुस्लिम समाज में सदियों पुरानी तीन तलाक की कुप्रथा पर कुठाराघात करते हुए करोड़ों महिलाओं की जिन्दगी को एक नया आयाम दिया है। कश्मीर में धारा 370 को हटाकर एक राजनीतिक भूल को सुधारा है तो राम मंदिर निर्माण की सभी बाधाओं से पार पाकर भारत लोकशक्ति की कामना को जमीन पर उतारा है। यह आध्यात्मिक भारत की पुनर्स्थापना के साथ-साथ नये भारत का निर्माण भी है। लंबी प्रतीक्षा के बाद देश को नई शिक्षा नीति मिली है। भारत जैसे बड़े देश में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाल स्थिति का विगत आठ सालों में कायाकल्प कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को स्वच्छता, स्वास्थ्य, योग की ओर उन्मुख करने में अद्भुत योगदान दिया है। 2014 के पहले देश के रेलवे स्टेशन, अस्पताल, बाजार, बस स्टैंड आदि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी का आलम था। प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान चलाकर देशभर में एक अनोखा वातावरण पैदा किया। उन्होंने देश, शहर, गांव को स्वच्छ करने के लिए बहुत बड़े स्तर पर मिशन चलाया, गांव-गांव शौचालय बनवाए गए, शहरों को स्वच्छता की कसौटी पर परखा जाने लगा। अब हर शहर, गांव स्वच्छता लोगों की आदत बन गई है। यह एक लोकप्रिय जननेता द्वारा चलाया गया ऐसा अभियान है जिससे आम नागरिक जुड़ा है।

फिट इंडिया का नारा देकर मोदी जी ने देश के युवाओं को एक नई राह दिखायी है। करोड़ों युवा फिट इंडिया अभियान के कारण स्वस्थ जीवन शैली की ओर अग्रसर हुए हैं।

स्वाधीनता के 75 वें वर्ष की अमृत महोत्सव के इस पर्व में प्रधानमंत्री मोदी की इच्छाशक्ति से हर तरफ तरक्की की बयार चली है और आज देश के गाँव-गाँव तक उसकी ध्वनि सुनी जा सकती है। अब देश सुशासन, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के जिस पथ पर दौड़ रहा है, इसमें कोई संदेह नहीं कि हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के नारे के साथ उन्नति व उत्कर्ष के शिखर का सफर तय करेंगे।

कांच के घर वाले पत्थर नहीं फेंका करते !

मनोज कुमार अग्रवाल

जैसा कि आपको याद होगा एक पुरानी कहावत है कांच के मकान वाले दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते। यूपी में पैगंबर विवाद को लेकर कई शहर कस्बों में पथराव तोड़फोड़ व बबाल करने वाले उपद्रवकारियों को शायद इस पुरानी कहावत की सत्यता का गुमान नहीं रहा होगा।यही वजह है कि अब उनकी पथराव तोडफ़ोड़ बबाल की करतूत उन पर भारी पड़ रही है। प्रदेश में पैगंबर विवाद के मामले को लेकर जगह-जगह हिंसा करने वाले तीन सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है इनमें प्रयागराज की अटाला मस्जिद का इमाम अली अहमद भी है इन इमाम साहब पर आरोप है कि उन्होंने जुमे की नमाज के बाद धार्मिक स्थल से युवकों को पुलिस पर हमले करने के लिए भड़काया था। वही प्रयागराज हिंसा का मास्टरमाइंड जावेद उर्फ जावेद पंप के दो मंजिला मकान पर प्रशासन का बुलडोजर चल चुका है वही हिंसा तोड़फोड़ बवाल में शामिल सैकड़ों प्रदर्शनकारी अब अपने बालों मूंछ व दूसरे स्टाइल को बदल कर पुलिस की कार्यवाही से बचने के लिए दुबके घूम रहे हैं लेकिन यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की पुलिस को साफ निर्देश दिया है एक एक आरोपी की पहचान कर ऐसी कार्यवाही की जाए जो भविष्य के लिए नजीर साबित हो। यही वजह है कि प्रशासन की टीम लगातार हिंसा में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के लिए दिन रात एक कर रही है और हिंसा में शामिल लोगों के मकान पर बुलडोजर भी अपना काम चल रहा है।

प्रयागराज के अटाला में 10 जून यानी की शुक्रवार को हिंसा हुई। जिसके बाद से ही पुलिस एक्शन में है। रविवार को हिंसा के आरोपी जावेद पंप के घर को तीन घंटे में जमींदोज करदिया गया। दरअसल, हिंसा फैलाने को लेकर सबसे पहले जावेद पंप पर कार्रवाई की गई। उसके घर पर बुलडोजर चलाकर करोड़ोंकेभवन व संपत्ति को तहस-नहस कर दिया गया। जावेद प्रयागराज के अटाला में रहता है। इसके साथ ही उसका टुल्लू पंप का कारोबार है जिसकी वजह से उसे जावेद पंप कहा जाने लगा है।

समाचार रिपोर्ट्स के अनुसार जावेद के घर पर बुलडोजर चलने के बाद अब बाकी के लोग भी अवैध रूप से कब्जा की दुकाने खाली कर रहे है। अब अतिक्रमण के चलते वे खाली करने पर मजबूर हो गए है। हालांकि इसको लेकर किसी ने कुछ कहा नहीं, केवल अवैध कब्जा की हुई दुकाने खाली करने में लगे हुए है। ज्ञातहोकि अब तक 68 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद उनके घरों और अवैध तरीके से बने मकानों को ढूंढ कर ढहाया जा रहा है। बहरहाल जावेद पंप पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसके 5 करोड़ के घर को नेस्तनाबूदकरदिया। यूपी के कई जिलों में हिंसा के बाद सीएम योगी ने कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए। जिसके बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए बुलडोजर चलवाया। हिंसा को लेकर अब तक पुलिस को जावेद के मोबाइल से कई सबूत बरामद हुए है। सबूत में हिंसा को भड़काने और भड़काऊ बयान देने की क्लिपिंग भी बरामद हुई है।

इसके अलावा और सबूत जुटाने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए मोबाइल को फॉरेंसिक लैब भेजा गया है, ताकि डिलीटेड संदेशों और कॉल रिकॉर्डिंग की पूरी जांच हो सके। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के साथ बाकी के दोषी पाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने जावेदकेमकान खाली करने के लिए रविवार सुबह 11 बजे तक का समय दिया था, जिसकी टाइम खत्म हो गया और इसके बाद उसका घर ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई. मौके पर भारी फोर्स और भीड़ जमा हो गई. इससे पहले जावेद के घर पर नोटिस चिपकाया गया।

'देखना वक्त उसे भी नीचे उतारेगा , उम्र भर कौन आसमां में रहता है भला'

डॉ.विक्रम चौरसिया

बूढ़ापा आना तो एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, जो इससे कोई भी नही बच सकता है, बुढ़ापे मे बेहद प्यार और देखभाल की जरूरत होती है, बुजुर्गों की देखभाल करना न केवल एक जिम्मेदारी है बल्कि हम सभी का नैतिक कर्तव्य भी है। हमारे बुजुर्ग परिवार की रीढ़ होते हैं,वे जीवन की कठिनाइयों के साथ अच्छी तरह से अनुभव करते हैं, कहा जाता है कि जीवन हमें सबक सिखाता है, पुराने लोग हमें सिखाते हैं कि कैसे बढ़ें, कैसे इस दुनियां में जीवित रहें और कैसे अपने कैरियर को आकार दें। अपने असीम प्रयास से हमें इस दुनियां में स्थापित करते हैं, यह हम सभी का भी नैतिक कर्त्तव्य है कि हम उन्हें उनके बुढ़ापे के दौरान वापस भुगतान करें, दुर्भाग्य से, आज अक्सर युवाओं को बड़ों के प्रति अपने नैतिक कर्तव्यों को भूलते हुए देखा जा रहा है, वे बुजुर्गो के देखभाल के महत्व को समझने के लिए तैयार नहीं हैं और अपने बुढ़ापे के दौरान अपने माता-पिता की देखभाल करने के बजाय, उन्हें वृद्धाश्रम में भेजना पसंद करते हैं. वे अपने माता-पिता के साथ रहने के बजाय एक स्वतंत्र जीवन जीना पसंद करते हैं,यह हमारे सभ्य समाज के लिए अच्छा संकेत नहीं है, याद रखना चाहिए कहते भी हैं न की वक्त उसे भी नीचे उतारेगा कभी , उम्र भर कौन आसमां में रहता है भला!

आज लिखते वक्त अपने दादा जी व दादी मां के साथ ही नाना जी व नानी मां को बहुत ही याद कर रहा हूं,कैसे रात में खाने के बाद हर दिन सभी भाईयों को सोने से पहले अलग अलग प्रेरणादायक कहानियां सुनाया करते थे जो वही आज मेरे संघर्ष में हमे सच्चाई ,ईमानदारी व नेक दिली के साथ जीवन के इस संघर्षों में चलने के लिए प्रेरित कर रहे है,लेकिन आज के बहुत से बच्चो को अपने दादा , दादीमां की कहानियां सुनने से वंचित हो रहे है , जिससे बच्चे पूर्ण रूप से विकसित ही नहीं हो पा रहे है। देखे तो सच्चाई भी यही है की हर कोई अपने बच्चों को बड़े ही लाड़-प्यार से परवरिश करते है,यथासंभव उसे अच्छी शिक्षा दिलाते है, ताकि बड़ा होकर वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके और बुढ़ापे का सहारा बन सके। अधिकतर बच्चे ऐसा करते भी हैं, जबकि कुछ बेशर्म इतने नालायक होते हैं कि अपने ही मां-बाप को तिरस्कृत कर देते हैं।

इसी लिए समाज में जागरूकता लाने के लिए ही 15 जून को बुजुर्गों की देखभाल करने के लिए उनके आवाज को बुलंद करने के लिए ही विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार दिवस मनाया जाता है। आज तो बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार एक वैश्विक सामाजिक मुद्दा बनता जा रहा है जो की दुनियां भर में लाखों वृद्ध व्यक्तियों के स्वास्थ्य और मानवाधिकारों को प्रभावित कर रहा है,बुजुर्गावस्था, हम मानव जीवन की संवेदनशील अवस्था है , हमारे बुजुर्ग, प्यार और सम्मान के मोहताज होते हैं। बुजुर्गों की भावनाओं का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है, आखिर हमें भी उम्र की उस दहलीज पर कदम रखना ही है, लिहाजा इस दर्द को हमें समझना होगा।बुजुर्गों को समय पर भोजन, दवा, शौच सुविधाएं तथा कुछ पल घर के सदस्य उनके साथ समय गुजारने को मिलें, तो प्यार व सम्मान के भूखे बुजुर्गों की पीड़ा को निश्चित रुप से कम किया जा सकता है।

बढ़ती उम्र के साथ, जब तमाम तरह के रोगों से शरीर जीर्ण होने लगता है तथा शारीरिक और मानसिक थकान जीवनशैली पर हावी हो जाती है, तब वारिसों का उनके प्रति असहयोग व अनादर की भावना कितना उचित है ? यह सोचने की जरुरत है।

गांवों की आत्मनिर्भरता से बदलेगी गांवों की तस्वीर

महात्मा गांधी ने ग्राम-स्वराज की परिकल्पना इसलिए की थी ताकि गांवों का सर्वांगीण विकास किया जा सके व आत्मनिर्भर बन सकें। मोदी सरकार आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर गांधी के सपनों को साकार कर गांवों की तस्वीर बदलने जा रही है। भारत की आत्मा गांवों में बसती है। कृषि प्रधान देश है भारत। अधिकांश आबादी गावों में ही रहती है। वैसे तो गांव भी आधुनिकता की दौड़ में दौड़ने की होड़ लगाए हुए हैं। अभी दौड़ के लिए काफी तैयारी की जरूरत होगी। पहले की अपेक्षा देश के अनेक गांवों में कुछ बदलाव आया तो है। स्वच्छता, गलियों के निर्माण आदि के प्रति जागरूकता बढ़ी है। कई गांव संचार सुविधा से जुड़े हुए हैं। सड़कों का जाल भी गांवों को जोड़ने के लिए बिछाया जा रहा है। बैंक, डाकघर भी जगह-जगह खुले हुए हैं। स्वरोजगार उपलब्ध कराकर व सहायता समूह बनाकर स्वावलंबी बनाया जा रहा है। लेकिन जो मुख्य समस्याएं है उनसे अधिकतर गांव आज भी वंचित हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सिंचाई, बेरोजगारी, कचरा प्रबंधन जैसी सुविधाओं की अभी भी भारी कमी है। गांव आधुनिकता के रंग में रंग तो रहे हैं साथ ही अपना वास्तविक स्वरुप भी खोते जा रहे हैं। जो प्राकृतिक वातावरण गांवों का पहले था वह कहीं-कहीं ही देखने को मिलता है। पीपल, बरगद, नीम की छांव में लगने वाली चौपालें, चौपालों में होने वाली चर्चाएं, हंसी के ठहाके, खेलते-कूदते बच्चे, पक्षियों की चहचहाट, मिट्टी और घास-फूस के घर, घर के आंगन व चौक में खड़े पेड़, खेतों में लहलहाती हरियाली महज अब एक सपना बनते जा रहे हैं। गांवों में कृषि भूमि घटती जा रही है। कृषि भूमि को अकृषि दर्शाकर आवासीय भवन खड़े किए जा रहे हैं। खेतों में खड़े पेड़ों का कटान कर हरियाली खत्म की जा रही है। गावों को आत्मनिर्भर बनाना है तो मजबूत पंचायत-राज व्यवस्था व ग्रामीणों की भागीदारी एवं जागरूकता से यह संभव होगा।

15 जून के स्थापना दिवस पर विशेष, कैंची के संत ~ श्री नीब करोरी महाराज

रमाकांत पांडेय

अपनी भक्ति की शक्ति के द्वारा अपरिमित सिद्धियों को प्राप्त करके हनुमत स्वरूप परम पूज्य गुरुदेव श्री नीब करोरी महाराज द्वारा उत्तराखंड के कैंची धाम के स्थापना दिवस का विशाल भंडारा 15 जून को है। संपूर्ण विश्व को उस संत की महान चमत्कारिक उपलब्धियों से परिचित कराने वालों के लिए यह एक विशेष पर्व है। इस बार यह आयोजन 2 वर्षों के बाद हो रहा है। क्योंकि पिछले 2 वर्षों में कोरोनावायरस के कारण सरकार और मंदिर प्रशासन ने हजारों की जुड़ने वाली भीड़ के डर से यह मेला नहीं कराया था। पवित्र कैंची धाम के स्थापना दिवस के आयोजन में शामिल होने से पूर्व आपको परम पूज्य श्री नीब करोरी महाराज जी के बारे में अवश्य जान लेना चाहिए कि, आखिर इस संत ने ऐसे कौन-कौन से कार्य कर दिए थे जिससे कि अमेरिका सहित समस्त यूरोपीय देश के उनके असंख्य अनुयायी उन्हे मिरेकल बाबा कहने लगे थे। लगभग वर्ष 1900 के आसपास इस महान संत का जन्म उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में एक धनी और संपन्न ब्राम्हण जमीदार के घर में हुआ था। इनके बचपन का नाम लक्ष्मी नारायण शर्मा था। 11 वर्षीय अल्पायु में ही शादी हो जाने के बाद इन्होंने घर छोड़कर वैराग्य ले लिया था। भ्रमण करते-करते बालक लक्ष्मीनारायण गुजरात के मोरवी जिले के %वावनिया% नामक गांव पहुंच गए। यह वही गांव है जहां महात्मा गांधी के आध्यात्मिक गुरु रामचंद्र दास रहा करते थे उनसे महाराज जी का संपर्क हुआ अथवा नहीं इसका कोई पुष्ट प्रमाण नहीं है। लेकिन वावनिया में ही किशोर लक्ष्मीनारायण भगवद् साधना में लीन हो गए। महाराज जी गांव के पास स्थित तालाब में खड़े होकर %राम% नाम की साधना करने लगे। वावनिया के तालाब में उन्होंने लगभग 6 वर्षों तक साधना किया। वहीं पर इनका नाम %लक्ष्मण दास% हो गया। लेकिन आसपास के चरवाहे और ग्रामीण ने तलैया बाबा कहने लगे। बहुत से जानकारों का मानना है कि यहीं पर महाराज जी को अमोघ सिद्धियां और शक्तियां प्राप्त हुई। यहीं पर महाराज जी ने तालाब के किनारे हनुमान जी का छोटा मंदिर और और उनकी मूर्ति की स्थापना की। मेरा मानना है कि यहीं पर लक्ष्मण दास का श्री हनुमान जी से साक्षात्कार हुआ और उनकी अमोघ शक्तियां भी प्राप्त हुई। वावनिया में कई साल तपस्या करने के बाद महाराज जी ने फिर से उत्तर भारत की ओर प्रस्थान किया और फर्रुखाबाद जिले में नीम करोरी गांव में आकर एक सुनसान सी जगह पर अपनी धूनी रमा ली। यहीं पर वह विश्व प्रसिद्ध घटना हुई जिसमें महाराज जी ने रेल गाड़ी के टीटीई द्वारा अपमानित करने पर गाड़ी को आगे बढ़ने से रोक दिया। जिसके बाद अंग्रेज अधिकारियों द्वारा उक्त स्थान को रेलवे स्टेशन के रूप में नीब करोरी नाम देना पड़ा। ट्रेन रोक देने की इस अप्रत्याशित घटना के बाद संपूर्ण देश और विश्व के लोगों को युवा लक्ष्मण दास की अपरिमित शक्तियों का ज्ञान हुआ। किसी घटना के बाद महाराज का नाम एक बार फिर बदला और अब वे संपूर्ण विश्व के लिए श्री नीब करोरी महाराज हो गए। उच्चारण न कर पाने के कारण उनके पाश्चात्य और अनेक भक्तों ने उनका नाम %नीम करोली बाबा% कर दिया।

नीब करोरी गांव रहते हुए ही महाराज जी के ही जन्म भूमि के किसी व्यक्ति द्वारा पहचान लिए जाने पर इनके पिता इन्हें पुन: गाँव ले जाने आये। संसार की मर्यादाओं को अपने आराध्य भगवान राम की तरह मानने वाले महाराज पुन: वैराग्य से गृहस्थ जीवन में प्रविष्ट हुए। जहां पर इनके दो पुत्र और एक पुत्री का जन्म हुआ। महाराज जी के छोटे पुत्र स्वर्गीय श्री धर्म नारायण शर्मा ने एक बार इस लेखक को बताया कि %हम भाई बहनों को लगभग 33 वर्षों तक महाराज का लाड प्यार मिला।

महाराज जी गृहस्थ धर्म का पालन करते हुए एक बैरागी का जीवन जीते थे। बाद में उन्होंने लगभग पूरी तरह से घर छोड़कर तीर्थाटन करना और अपनी शक्तियों से दीन हीनों का कल्याण करने लगे।

इस बीच महाराज की चमत्कारी शक्तियों का आभास संपूर्ण विश्व को हो गया। 1960 ईस्वी के आसपास नैनीताल के हनुमान मंदिर की स्थापना के बाद तो महाराज जी ने हनुमान मंदिरों के निर्माण और भंडारों का आयोजन शुरू कर दिया। कहते हैं कि जिस समय महाराज जी ने भंडारों के माध्यम से दीन दुखियों की सेवा प्रारंभ की उस समय ईसाई मिशनरियों का गरीब हिंदुओं के धर्मांतरण का कार्यक्रम भी जोरों पर था। महाराज जी ने अपने भंडारों और सिद्ध शक्तियों के माध्यम से हिंदुओं के धर्मांतरण का कार्य रोक दिया।

पचास और साठ के दशक में महाराज जी की सिद्धियां और चमत्कारिक शक्तियों की धूम न केवल आम जन बल्कि बड़े-बड़े संतों, महात्माओं, उद्योगपतियों और राजनेताओं तक में मच गयी। महाराज जी की अद्भुत शक्तियों का अंदाजा आप भारत के दो महान संतों द्वारा कहे गए इन वाक्यों से आप स्वयं लगा सकते हैं। धर्म सम्राट कहे जाने वाले स्वामी करपात्री जी ने श्री नीब करोरी जी के बारे में कहा % वैसे तो भारत में अनेकों सिद्ध संत हैं, लेकिन एक मात्र सच्चे सिद्ध संत तो परम पूज्य श्री नीब करोरी जी महाराज ही है। %

इसी तरह विश्व प्रसिद्ध से योगीराज श्री देवराहा बाबा ने कहा कि, % मृत को जीवनदान प्रदान करने की शक्ति तो केवल श्री नीब करोरी महाराज में ही है। % प्रसिद्ध उद्योगपति के के बिरला जैसे कई उद्योगपति उनकी कृपा पाने के लिए लालायित रहते थे। एप्पल के मालिक स्टीव जॉब्स, फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग तक के किस्से तो आज भी सोशल मीडिया में आम है।

भारत के तत्कालीन अनेकों राजनेता जिनमें मंत्री, मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री शामिल जीवन पर्यंत (11 सितंबर 1973) सब उनके पीछे-पीछे घूमा करते थे। आज भी भारत के अनेकों नेता महाराज जी की मूर्ति के समक्ष कैंची धाम में नतमस्तक होते है। आज भी कैंची धाम में महाराज जी की उपस्थिति का आभास जिस तरह से होता है उसका अनुभव तो वहां जाने पर ही किया जा सकता है।

खुशनुमा वातावरण बनाएं!

लाए खुशियों की बहार,
चाहे परेशानियां हो हजार,
जिंदगी तो है कुछ पलों की,
लड़े कैसा भी हो प्रहार!

खुशनुमा सा वातावरण बनाएं,
चलो कहीं यात्रा कर आए,
प्रकृति की सुंदरता को छूकर,
कुछ जीवन में परिवर्तन लाएं!

अतीत और भविष्य के बारे में क्यों सोचे,
वर्तमान के पलों का होके,
चलते जाए, खिलखिलाते जाए,
चाहे बड़ी सी बड़ी मुसीबत रोके!

मासूम चेहरे को मुस्कान दे,
हर व्यक्ति को सम्मान दें,
पूरे करें दिल से हम भी,
जो भी हमारे अरमान है!

लाए खुशियों की बहार,
चाहे परेशानियां हो हजार,
जिंदगी तो है कुछ पलों की,
लड़े कैसा भी हो प्रहार!

डॉ. माध्वी बोरसे!
(स्वरचित व मौलिक रचना)
राजस्थान (रावतभाटा)

शार्ट न्यूज

नानी के घर आए युवक ने दारोगा की पिस्टल संग कारतूस उड़ाया, पुलिस के हत्थे चढ़ा

मैनपुरी। फिरोजाबाद से नानी के घर इटावा आए युवक ने करहल कस्बा स्थित पुलिस चौकी में बने आवास से दारोगा की पिस्टल और कारतूस के साथ मोबाइल भी उड़ा दिया। पुलिस ने करीब दस दिनों की माथापच्ची के बाद युवक को पकड़ लिया है। उसके पास से पिस्टल, कारतूस, मोबाइल और दारोगा की घड़ी बरामद कर ली गई है। 5 जून की रात करहल स्थित पुलिस चौकी में बने चौकी प्रभारी अनिल कुमार के आवास से 38 बोर की पिस्टल चोरी हो गई थी। चोर पिस्टल के साथ 9 एमएम के 10 कारतूस, दरोगा का मोबाइल और उसकी घड़ी भी चुरा ले गया था। एसपी मैनपुरी कमलेश दीक्षित ने चोर का पता लगाने के लिए तीन टीमें बनाई थीं। लेकिन चोर को पकड़ने में इटावा क्राइम ब्रांच और सिविल लाइन चौकी पुलिस को सफलता हाथ लगी। एसपी इटावा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आईटीआई चौराहे से एक संदिग्ध को पकड़ा। उसने अपना नाम दिलशाद पुत्र सईद निवासी गली नंबर-4 रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद बताया। तलाशी में उसके पास से सरकारी पिस्टल, मोबाइल, घड़ी और कारतूस मिले हैं। ये सभी करहल चौकी प्रभारी अनिल कुमार के हैं। करहल पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। आरोपी दिलशाद की नानी करहल में रहती हैं और वह फिरोजाबाद से करहल गया था, तभी ये चोरी की। आरोपी ये पिस्टल तथा अन्य सामान इटावा में बेचने के लिए लाया था। लेकिन चेकिंग में पकड़ा गया। आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

बहराइच के 4 गांवों में हुई जमकर मारपीट, 9 लोग गिरफ्तार

बहराइच। बहराइच में तीन थानों के चार गांवों में विभिन्न मामलों को लेकर मारपीट हो गई । पुलिस ने दबिश देकर नौ लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों पर शांतिभंग की कार्रवाई कर एसडीएम कोर्ट पर पेश किया है । रानीपुर थाने के ऐलिहा के मजरे खैराहन में सोमवार शाम मलखान बवाल काटकर मारपीट को आमादा हो रहा था। इसकी भनक लगते ही दरोगा अरविंद यादव, मुख्य सिपाही मुस्तफा हुसैन, सिपाही मोहम्मद करीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। कैसरगंज थाने के तौकलपुर में मारपीट हो गई। इसकी भनक लगते ही दरोगा रमेश चंद्र, मुख्य सिपाही नागेंद्र प्रसाद , सिपाही उमेश चंद्र ने दबिश देकर अमित सिंह अनुज सिंह, उद्यान सिंह उर्फ बब्बू, मंजीत सिंह, मनोज सिंह सत्यम सिंह उर्फ भोलू को गिरफ्तार किया। पयागपुर थाने में तैनात दरोगा राजेंद्र प्रसाद, राजेन्द्र पांडेय ने मारपीट को आमदा रुकनापुर के मजरे वीरसिंहपुरवा निवासी सर्वजीत यादव, सेवढ़ा निवासी रज्जन को गिरफ्तार कर लिया है । पूछताछ के बाद आरोपियों को शांतिभंग में एसडीएम कोर्ट में पेश किया गया।

मुर्गी फार्म पर सो रहे पति-पत्नी की नृशंस हत्या, शवों को देखकर दहल उठे लोग

बहराइच। बहराइच जिले के देहात कोतवाली इलाके के बहादुर पुरवा गांव के बाहर सो रहे वृद्ध दम्पति की कातिलों ने नृशंस हत्या कर दी। मंगलवार सुबह क्षत- विक्षत लाशों को देखकर लोगों के दिल दहल उठे है। घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी केशव कुमार चौधरी फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने देहात कोतवाल को दोहरे हत्याकांड के खुलासे के कड़े निर्देश दिए हैं। देहात कोतवाली के बहादुरपुरवा गांव निवासी 62 वर्षीय गनी खां पुत्र गोबरे का गांव के बाहर मुर्गी फार्म है। बगल में आटा चक्की भी लगी है। रोजाना रात में गनी खां भोजन के बाद अपनी पत्नी 60 वर्षीय चुनमुनिया के साथ मुर्गी फार्म पर सोने चले जाते थे। सोमवार रात में एक बजे उनका बेटा अशरफ चक्की बंद कर घर आ गया। मंगलवार सुबह वह चक्की पहुंचा, तो उसकी चीख निकल गई । उसके मां बाप की क्षत- विक्षत खून से नहाई लाशें चारपाई पर पड़ी थी। जैसे ही यह जानकारी परिजनों को मिली, तो घर में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ सिटी विनय कुमार द्विवेदी, देहात कोतवाल सत्येन्द्र कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। हत्या लूटपाट की वजह से हुई या किसी अन्य कारण से, इसका पता अभी नहीं चल सका है। एसएसपी केशव कुमार चौधरी, एएसपी सिटी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने भी फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंच कर घटना की तहकीकात कर ब्यौरा लिया। पुलिस ने दोनों लाशें पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

पीएसी प्लाटून को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले गिरफ्तार

संभल। उत्तर प्रदेश में संभल जिले के चंदौसी क्षेत्र में न्यायालय परिसर व परिसर में तैनात पीएसी प्लाटून को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि चंदौसी क्षेत्र की पुलिस ने जिला अलीगढ़ के थाना सासनी गेट के अंतर्गत के मोहल्ला भगवाननगर निवासी रोहताश, नौरंगी एवं रवि को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। उन्होने बताया कि रोहताश, नौरंगी एवं रवि ने पीएसी के एक जवान को फोन करके न्यायालय परिसर व परिसर में तैनात पीएसी प्लाटून को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। तीनों अभियुक्त मजदूरी करते हैं तथा शराब पीकर फेक कॉल करना उनका शौक है।

सपा कार्यकर्ता ने सीने में लगाया योगी का टेटू

एटा। समाजवादी पार्टी (सपा) के एक मुस्लिम कार्यकर्ता ने अपने सीने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का टेटू लगवा कर उसका वीडियो वायरल किया है। नया गांव थाना क्षेत्र के सराय अगहत कस्बा निवासी 23 साल के यामीन सिद्दीकी का योगी का टेटू लगवाने का फोटो बहुत तेजी से वायरल हुआ। शुरू में लोगों ने इसे यामीन की योगी के प्रति दीवानगी माना मगर कई ने टेटू की हकीकत बयां करते हुये कहा कि वास्तव मे यामीन समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता रहा है और अब बदले माहौल मे खुद को महफूज रखने और लाइम लाइट मे आने के लिए ये टेटू लगाया है। युवक के जानने वाले बताते हैं कि सराय अगहत मे एक फुटवियर की दुकान चलाने वाले यामीन ने कई फेसबुक आईडी बना रखी हैं। इसके फोटो अलीगंज के पूर्व सपा विधायक और गैंगस्टर एक्ट मे एटा जेल मे बंद रामेश्वर सिंह यादव को चांदी का मुकुट पहनाते हुए देखी जा सकती है। इस बारे में यामीन सिद्दीकी ने बताया कि योगी मोदी की सर्व समाज के संचालित योजनाओं से प्रभावित होकर योगी के जन्मदिन पांच जून को ये टेंटू गिफ्ट के रूप मे बनवाया है। ऐसा करके उसे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। यामीन ने कहा कि कुछ लोग उसके इस काम की आलोचना कर रहे हैं, उनसे उसे कोई ऐतराज नहीं। जो पिछली सरकारें नहीं कर पायीं वो योगी किया है। उसने माना कि पूर्व मे वो सपा का सक्रिय कार्यकर्ता था और सपा के महासचिव प्रो राम गोपाल यादव के काफ़ी नजदीकी संबंध थे लेकिन दो महीने से वो योगी से प्रभावित हैं।

खनन माफिया इकबाल के खिलाफ विजिलेंस ने शुरू की जांच

सहारनपुर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के बहुचर्चित खनन माफिया एवं पूर्व बसपा एमएलसी मोहम्मद इकबाल के खिलाफ विजिलेंस ने आय से ज्यादा संपत्ति होने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विजिलेंस निरीक्षक रणवीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि विधान परिषद सदस्य रहने के दौरान मोहम्मद इकबाल की वैध स्त्रोत्रों से आय एक करोड़ 12 लाख रूपए थी। उस समय में उसने छह करोड़ 91 लाख रूपए खर्च दिखाए जो उसकी आय से छह गुना ज्यादा थी। प्रवर्तन निदेशालय ने भी मोहम्मद इकबाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया हुआ है और वह भी इसकी जांच कर रहा है। विजिलेंस ने शासन से अनुमति मिलने के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13-1बी एवं 13-2 के तहत मेरठ सेक्टर थाने में मुकदमा दर्ज किया है। सहारनपुर पुलिस ने मोहम्मद इकबाल और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की धाराओं में भी मुकदमा दर्ज किया हुआ है। एसएसपी आकाश तोमर के मुताबिक मिर्जापुर और थाना बेहट पुलिस ने इकबाल के एक बेटे अलीशान को 13 मई को और दूसरे बेटे अफजाल को छह जून को गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी के पांच मुकदमें दर्ज हैं। इकबाल अभी फरार है।

फिर गरजेगा प्राधिकरण का बुलडोजर, 37 प्रमुख आरोपियों के पते तलाश रहा पीडीए

एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज शहर के करेली और अटाला क्षेत्र में शुक्रवार को हुई हिंसा के मास्टरमाइंड का मकान ध्वस्त करने के बाद प्रयागराज विकास प्राधिकरण अन्य 37 आरोपियों के पते तलाश रहा है। यदि इनके मकान के नक्शे पीडीए से पास नहीं पाए जाएंगे तो उन मकानों पर कानून के मुताबिक कार्रवाई होगी।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण के जोनल अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि प्राधिकरण को दो-तीन दिन पहले उन 37 लोगों के नामों की सूची मिली है जो पथराव की घटना में शामिल थे। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण के लोग इन 37 आरोपियों के पते ठिकानों की तलाश कर रहे हैं। हालांकि इलाके में ज्यादातर लोग पथराव की घटना के बाद मकान पर ताला लगाकर कहीं चले गए हैं, जिससे इन आरोपियों के मकान आदि के बारे में पूछताछ करने में मुश्किल आ रही है। जोनल अधिकारी ने बताया कि इसके बावजूद प्राधिकरण के अधिकारी आरोपियों का पता लगाने के लिए रात में भी गली मोहल्लों में घूम रहे हैं। आरोपियों के मकानों की पहचान होने पर यह देखा जाएगा कि क्या उन मकानों का नक्शा पीडीए से पास है या नहीं, यदि नक्शा पास नहीं होगा तो कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि रविवार को जिला प्रशासन और पीडीए ने मिलकर प्रयागराज हिंसा के मास्टरमाइंड मोहम्मद जावेद का दो मंजिला मकान जेसीबी और पोकलैंड से ध्वस्त कर दिया।

बदायूं में खेलते-खेलते कार के अंदर बंद हुए दो बच्चे, दम घुटने से हुई मौत

बदायूं। बदायूं के सहसवान कोतवाली क्षेत्र में कार में बंद दो बच्चों की कथित रूप से दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि भवानीपुर खेरू गांव निवासी खालिद और राशिद आपस में साले बहनोई हैं। दोनों के बच्चे सालिम (6) और अयान (5) सोमवार देर शाम घर के बाहर ही खेलते समय लापता हो गए थे। काफी देर तक बच्चों के न दिखने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। आसपास मुहल्ले व रिश्तेदारों के यहां बच्चों को ढूढने गए मगर बच्चे कहीं नहीं मिले। परिजनों ने गांव की मस्जिद पर लगे लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट भी करवाया और देर रात 10 बजे पुलिस को सूचना दी गई। बच्चों के लापता होने की सूचना पर सहसवान इंस्पेक्टर संजीव शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उनकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी बच्चे नहीं मिले। इसी बीच पुलिस को घर के बाहर टीन शेड में एक स्कॉर्पियो गाड़ी खड़ी दिखाई दी जिसके दोनों तरफ पर्दे पड़े हुए थे। गाड़ी ढकी होने चलते उस पर किसी का शक नहीं गया। इसी दौरान राशिद की बेटी ईकरा की निगाह गाड़ी के शीशे पर पड़ी तो उसे बच्चे का एक हाथ दिखाई दिया उसने तत्काल शोर मचा दिया।

बहन के प्रेमी को मैरिज हॉल में बुलाया, फिर चाकू मारकर की हत्या

मेरठ। उत्तर प्रदेश में ऑनर किलिंग की एक और घटना में एक युवक की प्रेमिका के भाई ने चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के खरखौदा इलाके की है। मृतक की पहचान रॉकी के रूप में हुई है। हत्या के बाद आरोपी बाद में अपने गांव से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक की प्रेमिका, उसकी मौसी और एक अन्य युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। रविवार को लड़की और उसकी मौसी को छोड़ दिया गया।

मृतक का अंतिम संस्कार गांव में पूरे पुलिस सुरक्षा में किया गया। मृतक एयर कंडीशन मैकेनिक का काम करता था। हिंदी दैनिक दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उसका कथित तौर पर आरोपी की बहन से अफेयर था। कथित तौर पर लड़की के परिवार वाले रॉकी के साथ उसके रिश्ते के खिलाफ थे। उन्होंने लड़की को उसके घर से बाहर निकलने से भी रोक दिया। शुक्रवार की रात रॉकी को एक युवक ने अंबेडकर चौक के पास एक मैरिज हॉल में बुलाया जहां उसकी प्रेमिका का भाई भी मौजूद था. उनके बीच बहस हुई और रॉकी को चाकू मार दिया गया।

रॉकी ने मदद के लिए शोर मचाना शुरू किया तो स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उसे हापुड़ रोड स्थित अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बाद में रात में पीड़िता का अंतिम संस्कार कर दिया गया। थाना प्रभारी (एसएचओ) जितेंद्र दुबे ने बताया कि मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा है। शुक्रवार की रात आरोपित के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। बाद में रॉकी की मौत के बाद हत्या की धारा को भी एफआईआर में जोड़ दिया गया है।

वाराणसी पुलिस ने धोखेबाज बिल्डरों को जारी की नोटिस

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी की चेतगंज पुलिस ने एक कारोबारी की जमीन धोखाधड़ी से हड़पने के आरोप में दो बिल्डरों को नोटिस जारी की है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने शहर के एक प्रमुख व्यापारी की बेशकीमती जमीन को जाली दस्तावेजों के जरिये अवैध रूप से कब्जा करने के आरोप में अनुराग कुशवाहा एवं रितेश अग्रवाल नामक बिल्डर्स के खिलाफ चेतगंज थाने में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इस सिलसिले में दोनो बिल्डरों को नोटिस जारी की है। यह नोटिस उनके ऑफिस और आवास पर थाने की टीम ने चस्पा की है। उन्होने बताया कि पीड़ित व्यापारी कई वर्षों से न्याय के लिए भटक रहा था। दोनो बिल्डर्स के पुराने मामलों की पड़ताल के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है।

भदोही : जमीनी विवाद में मनबढ़ ने पति-पत्नी को मारी गोली, गंभीर हालत में वाराणसी रेफर

भदोही। भदोही में सुरियावां थाना क्षेत्र के कोल्हुआ पांडेयपुर ग्रामसभा के चक दुखर गांव में मंगलवार सुबह जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मनबढ़ व्यक्ति ने पति-पत्नी को गोली मार दी। 55 वर्षीय छांगुर पाल व उनकी 52 वर्षीय पत्नी बुधना देवी के पेट में गोली लगी है। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर एसपी डॉ अनिल कुमार भी पहुंचे। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज करते हुए एक आरोपित को हिरासत में लिया है।

बताया जाता है कि छांगुर पाल और देवराज पाल के बीच ग्राम सभा द्वारा दिए गए पट्टे की जमीन पर कब्जे को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा

है। मंगलवार की सुबह आरोपित देवराज उस पर निर्माण करा रहा था। जिसका छांगुर राम ने विरोध किया। इसी दौरान दोनों में कहासुनी हुई। आरोप है कि देवराज ने तमंचा निकालकर फायरिंग कर दी। गोली छांगुर राम के पेट में लगी। पत्नी बुधना देवी ने विरोध किया तो उसे भी गोली मार दी गई। गोली चलने से गांव में हड़कंप मच गया। इससे पहले कि लोग जुटते आरोपी मौके से फरार हो गए।

एसपी ने बताया कि आरोपी देवराज समेत चार लोगों के खिलाफ सुरियावा थाने में हत्या के प्रयास समेत अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज किया गया है। एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दावा किया कि जल्द ही सभी आरोपियों के गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस के जवानों को तैनात कर दिया गया है।

मैनपुरी में टीले की खुदाई से निकल रहा ऐतिहासिक हथियारों का जखीरा, 22 हथियार और बरामद

मैनपुरी। मैनपुरी में थाना क्षेत्र के ग्राम गणेशपुर में खुदाई से निकले ऐतिहासिक हथियारों का जखीरा फिर बरामद हुआ है। पुलिस कार्रवाई के डर से मंगलवार की रात ग्रामीण 22 हथियार खेत में फेंक कर भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस इन हथियारों को कोतवाली ले आई। अब तक 69 ऐतिहासिक हथियार ताम्र निधियाँ के रूप में पुलिस बरामद कर चुकी है।इनमें से एएसआई 47 हथियार कालखंड की गणना के लिए अपने साथ आगरा ले जा चुकी है। चार दिन पूर्व गणेशपुर गांव मैं खेत की लेवलिंग के दौरान एक टीले से 39 हथियारों का जखीरा बरामद हुआ था। इसके बाद

सोमवार को 8 हथियार और बरामद किए गए। कुरावली पुलिस के एसआई सत्येंद्र सोनकर की टीम ने गांव जाकर ग्रामीणों को कार्रवाई की चेतावनी दी तो सोमवार की देर रात 22 हथियार ग्रामीण खुदाई से जुड़े खेत में फेंक कर भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस इन हथियारों को कोतवाली ले आई। पुलिस ने पुरातत्व विभाग आगरा के अधिकारियों को 22 और हथियार बरामद होने की जानकारी दे दी है। जिले के अधिकारियों को भी इस बरामदगी से अवगत कराया गया है।

किसी सभ्यता का लिंक तलाश करेगा पुरातत्व विभाग

टीले की खुदाई से मिले यह हथियार ग्रामीण अपने साथ उठा ले गए थे। लेकिन कार्रवाई के डर से उन्होंने हथियार फेंक दिए। माना यह भी जा रहा है कि अभी कुछ और बस्तुएं ग्रामीणों के पास हैं। जिनकी बरामदगी के प्रयास पुलिस कर रही है। टीले की खुदाई से जो सामने दिया अब तक बर्बादी है उसने पुरातत्व विभाग की धडकने बढ़ा दी है। किसी बड़ी सभ्यता का लिंक इन ताम्र निधियाँ में तलाशा जाएगा।

बिजनौर में डायरिया का कहर, तीन की मौत

बिजनौर। बिजनौर के अफजलगढ़ इलाके डायरिया तेजी से पैर पसार रहा है। बीते दो दिनों में उल्टी दस्त से तीन लोगों की मौत चुकी है। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सीएमओ ने मौका मुआयना कर गांव में मेडिकल कैंप लगवा कर ग्रामीणों की जांच कर इलाज शुरू करा दिया है । बिजनौर के अफजलगढ़ में डायरिया से तीन की मौत। मौके पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम। बिजनौर के अफजलगढ़ में डायरिया से तीन की मौत। मौके पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम। मामला बिजनौर के अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के टांडा गांव का है, गांव के रहने वाली 46 वर्षीय जेबुन्निसा पत्नी शरीफ अहमद, 10 वर्षीय मोहम्मद अनस पुत्र नासिर की सोमवार को अचानक मौत हो गई, जबकि शनिवार को गांव के रहने वाले 45 वर्षीय शाकिर पुत्र आमिर हुसैन की मौत हो गई थी। लोगों की मौत के बाद आज स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची और मेडिकल कैंप लगाया गया, जिसमें 350 से ज्यादा लोगों को दवाइयां और ओआरएस आदि वितरित किया गया है। सीएमओ विजय कुमार गोयल ने मेडिकल टीम के साथ पहुंचे। गांव में लगातार कैंप करने की बात कही। इसके साथ ही जो लोग बीमार हैं, उन सभी को मेडिकल कैंप में दवाई देने की बात कही ।सीएमओ डॉ विजय कुमार गोयल का कहना है कि तीन लोगों की मौत उल्टी और दस्त से हुई है, गांव में अभी फिलहाल कोई गंभीर रोगी नहीं है, गांव में मेडिकल कैंप लगा दिया गया है। सभी को दवाई दी जा रही हैं, साफ सफाई और खाने पीने में एहतियात बरतने की सलाह दी जा रही है। ग्रामीण उबला हुआ ठंडा करके पानी पिए, साफ सफाई का ध्यान रखे परेशानी होने पर डॉक्टर को दिखाए। साथ ही कुछ पानी में भी समस्या सामने आई है उसको भी चेक कराया जा रहा है।

भाजपा नेता की राइस मिल में आग, लाखों का नुकसान

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक संजय गुप्ता की राइस मिल में आग लगने से लाखों रूपये का चावल जल कर राख हो गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि भाजपा नेता संजय गुप्ता की मंझनपुर मूरतगंज मार्ग के किनारे पर सरा चौराहा के समीप राइस मिल है। आज मिल में शार्ट सर्किट से आग लग गई जिसकी सूचना अग्निशमन स्टेशन को दी गई। मौके पर पहुंची अग्निशमन टीम ने कई घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया।

कुशीनगर में भीषण सड़क हादसा, 4 की मौत, कई घायल

कुशीनगर। कुशीनगर के हाटा कोतवाली क्षेत्र में फोरलेन सड़क पर खडे बालू लदे में बिहार से तेज गति से आ रही मजदूरों से भरी बस ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बस में सवार चार लोगो की मौके पर ही मौत हो गई तथा 25 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार की देर रात लगभग 2 बजे हाटा नगर पालिका

स्थित गोरखपुर चौराहे पर फोरलेन सड़क पर खड़ी एक ट्रक में बिहार से तेज गति से आ रही मजदूरों से भरी बस टकरा गई। जिसमें दो मजदूर संदीप उम्र 19 वर्ष निवासी ऋषिदेव बराढी थाना मधेपुरा बिहार तथा ह्रदयानंद उम्र 60 निवासी बराढी बिहार की मौके मौत हो गई। 29 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए सभी को जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पताल पहुंचते ही पूरन कुमार उम्र 20 वर्ष तथा सुशील कुमार 40 दोनों निवासी बराढी मधेपुरा बिहार की मौत हो गई। जबकि 25 से लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सभी मजदूर बिहार राज्य के मधेपुरा जिले व इसी थाना क्षेत्र के रहने वाले है। रोजी-रोटी कमाने पंजाब जा रहे थे। हाटा इंस्पेक्टर आरके सिंह ने बताया की बस में कुल 60 लोग सवार थे। चार की मौत हुई है। शेष 25 का इलाज चल रहा है।

मेरठ में फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज पकड़ा गया

12 रुपए की इंटरनेशनल कॉल 2 रुपए मिनट के हिसाब से करवाते थे; सभी सिम बिहार से खरीदे

मेरठ। मेरठ के गंगानगर में फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज पकड़ा गया है। इस एक्सचेंज में मिले सिम कार्ड बिहार से लाए गए थे। जबकि, उन्हें चलाने के लिए केरल के एक्सचेंज का इस्तेमाल किया जा रहा था। BSNL के अधिकारी जांच कर रहे हैं कि टेलीकॉम कंपनी को अब तक कितना नुकसान हो चुका है।

ये एक्सचेंज इंटरनेशनल कॉल से मुनाफा कमाते हैं। अमूमन 10 से 12 रुपए के बीच होने वाली विदेशी कॉल ये एक्सचेंज सिर्फ एक से दो रुपए में करवा रहे थे। ये लोग ब्रॉडबैंड इंटरनेट से लोकल कॉल को इंटरनेशनल कॉल में बदल रहे थे। इसमें कॉल करने वाले को अंदाजा ही नहीं होता था कि वो फर्जी एक्सचेंज के जरिए कॉल कर रहा है।

फरवरी 2022 से चला रहे थे एक्सचेंज

इस पूरे मामले से पर्दा BSNL के डीजीएम राकेश चौधरी ने उठाया। उन्होंने SSP प्रभाकर चौधरी की मदद

से गंगानगर में बक्सर के पास तिलकपुरम में छापामारी करवाई। यहां एक इमारत की तीसरी मंजिल पर फर्जी एक्सचेंज चलता मिला। यहां से SOG की टीम ने मवाना के मोहम्मद शमी को हिरासत में लिया। जबकि, एक साथी भाग निकला। पूछताछ में सामने आया कि फरवरी 2022 से ये एक्सचेंज चल रहा था।

अनित कुमार के अनुसार यहां 187 सिम कार्ड मिले। ये सिम बिहार से खरीदे गए थे। सभी अलग-अलग आईडी पर मिले हैं। इनमें 167 BSNL और अन्य सिम एयरटेल कंपनी के हैं। ट्रेस करने पर सामने आया फर्जी कॉल के लिए केरल के एक्सचेंज का इस्तेमाल किया जा रहा था। इसकी जांच सर्विलांस एक्सपर्ट को दी गई है। पुलिस को मौके से सिमकार्ड के अलावा लैपटॉप, इंटरनेट कनेक्शन, सिम बॉक्स, राउटर और अन्य उपकरण मिले हैं।

सऊदी एक्सचेंज में काम कर चुका है शमी

शमी 2 साल तक सऊदी के एक टेलीफोन एक्सचेंज में काम कर चुका है। लॉकडाउन लगने से पहले वो मेरठ वापस आया था। वो अपने दोस्त मोहसिन खान के साथ मिलकर मेरठ में फर्जी एक्सचेंज तैयार किया। इसमें ज्यादातर इनकमिंग कॉल खाड़ी देशों से आई हैं। वहीं, आउटगोइंग कॉल ज्यादातर यूपी, बिहार, पंजाब में मिली हैं।

हर महीने करीब 10 हजार कॉल की जाती थी। विदेश से आने वाली ढ्ढस्ष्ठ कॉल को भी सामान्य कॉल में डायवर्ट किया जा रहा था। अब पुलिस मोहसिन की तलाश कर रही है, जो ढ्ढञ्ज का एक्सपर्ट बताया गया है।

खाड़ी देशों से आई सबसे ज्यादा कॉल

इस निजी सर्वर एक्सचेंज पर दुबई, सऊदी अरब और कतर के कॉल आ रहे थे। विदेशी कॉल को सिम बॉक्स के जरिए ट्रांसफर कर बात कराई जाती थी।

विदेश से बात करने वाले को भारत के अंदर कॉल करने का जो रेट होता था, उतने पैसे ही देने पड़ते थे। इससे सबसे ज्यादा नुकसान भारत संचार मंत्रालय को हो रहा था। जिन कॉल को ट्रांसफर किया जाता था, उनके बारे कोई रिकार्ड नहीं होता।

सिम बॉक्स में एक साथ कई सिम लगाए जा सकते हैं। जिस तरह मोबाइल में एक और दो सिम लगाकर बात की जा सकती है। उसी तरह से सिम बॉक्स में एक साथ 32 से 64 सिम का प्रयोग किया जा सकता है। इन्हीं सिम बॉक्स के जरिए इंटरनेशनल वाइस कॉल को लोकल सिम में ट्रांसफर कर लोगों से सीधे बात करने की सुविधा दी है। पुलिस जानकारी में लगी है कि सिम कहां से रिचार्ज कराए गए। इसके लिए यूपीआई या किसी मोबाइल एप्लीकेशन का इस्तेमाल हुआ, या फिर किसी स्टोर पर पैसा देकर रिचार्ज कराया गया।

देश की सुरक्षा को भी खतरा

फर्जी टेलीफोन एक्सचेंज चलाकर न सिर्फ देश को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जाता है, बल्कि सुरक्षा को भी खतरा है। इस तरह से देश के बाहर से आने वाली कॉल का कोई रिकार्ड नहीं रखा जाता। फोन पर होने वाली बातचीत लोकल कॉल होने के कारण एजेंसियों की नजर से बच जाती है, और इसे सुना नहीं जाता।

चंदौली में रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

चंदौली। चन्दौली जिले के मुगलसराय तहसील के समीप से एंटी करप्शन की टीम ने मंगलवार को एक लेखपाल को दस हजार रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोच लिया है। इसके बाद आरोपी लेखपाल को अलीनगर थाने लाकर एंटी करप्शन के द्वारा घण्टों पूछताछ की गई। बाद में शिकायतकर्ता वसीम खान से तहरीर और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया में जुट गई है। आपको बता दें कि मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के बहादुरपुर निवासी वसीम खान खतौनी में नाम दर्ज कराने के लिए तहसील का चक्कर काट रहे थे। इसी बीच उनकी मुलाकात बहादुरपुर सर्किल के लेखपाल बजरंगबली विश्वकर्मा से हुई। उन्होंने लेखपाल से खतौनी में नाम चढ़ाने की गुहार लगाई। वसीम खान ने बताया कि लेखपाल के द्वारा नाम चढ़ाने के बदले दस हजार रिश्वत की डिमांड की गई। ऐसे में उन्होंने एंटी करप्शन से संपर्क करके लेखपाल की करतूत की शिकायत की। पीड़ित की शिकायत के बाद एंटी करप्शन की टीम ने छह सदस्यी अधिकारियों की टीम बनाई।

शार्ट न्यूज

रुपया रहा स्थिर

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर में रही नरमी के बीच घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में जारी बिकवाली के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया उतार चढ़ाव के बाद पिछले दिवस के 78.04 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर रहा। पिछले दिवस भी रुपया 78.04 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज दो पैसे की मजबूती लेकर 78.02 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 78.07 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतरा लेकिन सत्र के दौरान यह 77.90रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। इस उतार चढ़ाव के बीच यह पिछले दिवस के 78.04 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर रहा।

कोचीन बंदरगाह को कर्ज अदायगी में तीन साल की मोहलत

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट पर काबू पाने के लिए कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण (सीओपीए) को सरकारी बकाया चुकाने के लिए तीन वर्ष तक की मोहलत देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। भारत सरकार का सीओपीए पर 446.83 करोड़ रुपये की बकाया राशि है। जिसे चुकता करने के लिए 2020-21, 2021-22 और 2022-23 तक की मोहलत दी गयी है। सीसीईए ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि राशि का भुगतान 10 किस्तों में किया जाना था जो वित्त वर्ष 2018-19 से शुरू हो चुकी थी। कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण केवल वर्ष 2018-19 और वर्ष 2019-20 की किस्?तों का भुगतान कर सका था। कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष 2020-21 में लेन-देन बुरी तरह प्रभावित हुआ था जिसके कारण कोचीन बंदरगाह वर्ष 2020-21 और 2021-22 की किस्तों का भुगतान नहीं कर सका। कोचीन बंदरगाह को नवंबर 2021 से प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण कानून, 2021 के तहत लाया गया है। सीसीईए ने 24 अगस्त 2016 को कोचीन बंदरगाह द्वारा वर्ष 1936-37 से वर्ष 1994-95 के दौरान विभिन्न ढांचागत विकासात्मक गतिविधियों लिए गए सरकार के ऋण पर दंडस्वरूप ब्याज में छूट के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

शेयर बाजार में गिरावट जारी

मुंबई। वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर तेल एवं गैस और ऊर्जा समूह की कंपनियों में हुयी बिकवाली के कारण शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट में रहा। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों की लाल निशान में रहे। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 153.13 अंक टूटकर 52693.57 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 42.30 अंक गिरकर 15732.10 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली देखी गयी जिससे मिडकैप 0.16 प्रतिशत उतरकर 21840.90 अंक पर और स्मॉलकैप 0.40 प्रतिशत फिसलकर 24942.63 अंक पर रहा। बीएसई में एनर्जी समूह में सबसे अधिक 1.22 प्रतिशत और तेल एवं गैस में 1.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। हालांकि अधिकांश समूह बढ़त में रहा लेकिन इन दो प्रमुख समूहों में हुयी बिकवाली ने बाजार को हरे निशान में आने नहीं दिया। बीएसई में कुल 3449 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1782 गिरावट में और 1532 बढ़त में रहे जबकि 135 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर यूरोपीय बाजार लाल निशान में रहे जबकि एशियाई बाजार मिश्रित रहे। ब्रिटेन का एफटीई 0.77 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 0.73 प्रतिशत और जापान का निक्केई 1.32 प्रतिशत की गिरावट में रहा। इस दौरान चीन का शंघाई कंपोजिट 1.02 प्रतिशत की बढ़त बनाने में सफल रहा जबकि हांगकांग का हैंगसेंग उतार चढाव के बाद स्थिर रहा। बीएसई का सेंसेक्स 351 अंकों की गिरावट लेकर 52495.94 अंक पर खुला। लिवाली के बल पर यह 53095.52 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा लेकिन बिकवाली के दबाव में यह 52459.48 अंक के निचले स्तर तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 52846.70 अंक की तुलना में 0.29 प्रतिशत अर्थात 153.13 अंक उतरकर 52693.57 अंक पर रहा। सेंसेक्स में कंपनियों में से 16 हरे निशान में और 12 लाल निशान में रही। एनएसई का निफ्टी 100 अंकों की गिरावट को लेकर 15674.25 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 15858 अंक के उच्चतम और 15659.45 अंक के निचले स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 15774.40 अंक की तुलना में 42.30 अंक अर्थात 0.27 प्रतिशत गिरकर 15732.10 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल कंपनियों में से 27 हरे निशान में और 23 लाल निशान में रही।

खाद्य तेलों में टिकाव, चना नरम

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में उतार चढ़ाव के बीच आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि चना दाल में गिरावट को छोड़कर शेष दाल दलहन में भी स्थिरता बनी रही। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 131 रिंगिट लुढ़ककर 6150 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 1.28 सेंट की गिरावट लेकर 79.51 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वह पिछले दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में लगभग स्थिरता रही। इस दौरान चना दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4500-4550,दाल चना 5500-5600, मसूर काली 8450-8550, मूंग दाल 8200-8300, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2270-2370 रुपये और चावल ~2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3680-3780, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3550-3650 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 18168 रुपये, मूंगफली तेल 20330 रुपये, सूरजमुखी तेल 21465 रुपये, सोया रिफाइंड 17363 रुपये, पाम ऑयल 16116 रुपये और वनस्पति तेल 17289 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 23वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 23वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल की कीमत में गिरावट दर्ज की गयी, लेकिन अभी भी यह 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही है। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमशः 9.5 रुपये और सात रुपये तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.12 प्रतिशत गिरकर 122.12 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 120.81 डॉलर प्रति बैरल पर है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

धोलेरा हवाईअड्डे के पहले चरण के निर्माण को मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में अवसंरचना विकास कार्यक्रमों को गति देने कि दिशा में एक ओर कदम उठाते हुए मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने गुजरात के धोलेरा में एक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पहले चरण के निर्माण की मंगलवार को अनुमति दी जिसपर 1305 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

धोलेरा, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे का प्रमुख केंद्र है और वहां यह नया हवाईअड्डा समर्पित मालगाड़ी मार्ग और राजमार्ग से जुड़ा होगा और अहमदाबाद के लिए दूसरे हवाईअड्डे की भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल और मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति(सीसीए) की बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज कहा, गुजरात के धोलेरा में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास के लिए अनुमति दी गई है।

ठाकुर ने बताया कि धोलेरा हवाई अड्डे के लिए 1501 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की गई है। इस हवाई अड्डे का निर्माण धोलेरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी लिमिटेड निर्माण कराएगी जिसमें भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण (एएआई) के माध्यम से

केंद्र सरकार 51 प्रतिशत की हिस्सेदार होगी। इसमें 33 प्रतिशत हिस्सा गुजरात सरकार का होगा और 16 प्रतिशत राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यन्वयन न्यास(एनआईसीडीआईटी) की होगी।

उन्होंने कहा, इसका पहला चरण 48 महीने में तैयार हो जाएगा। जिसपर 1305 करोड़ रुपये की लागत आएगी। श्री ठाकुर ने कहा कि हवाई अड्डा वर्ष 2025-26 से चालू हो जाएगा। नए हवाईअड्डों के विकास की योजना के तहत धोलेरा में हवाई अड्डा बनाने का निर्णय वर्ष 2016 में लिया गया था। इस संदर्भ में सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली गईं हैं।

उन्होंने कहा, इस एयरपोर्ट के जरिए यात्रियों के आवगमन तथा मालवहन दोनों तरह की सुविधा होगी। दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर परियोजना के आठ प्रमुख व्यवसायिक केंद्रों में धोलेरा एक केंद्र है। मल्टी मॉडल संपर्क सुविधा की बात की जाए तो धोलेरा उस अंचल की मालवहन के जरुरतों को पूरा करेगा।

उन्होंने कहा कि यह अहमदाबाद के दूसरे हवाई अड्डे के रूप में देखा जाएगा। यह छह लेन एक्सप्रेस वे, रैपिड ट्रांसपोर्टेशन, ब्रॉडगेज रेलवे लाइन की सुविधाओं से जुड़ा होगा। इसके लिए फ्रेड कोरिडोर फीडर लाइन का सिस्टम भी विकसित किया जा रहा है। श्री ठाकुर ने इसे प्रधानमंत्री गतिशक्ति और नए भारत का नया विकास मॉडल है।

इस हवाई अड्डे से पहले साल तीन लाख यात्रियों के आवगमन और 20 हजार टन माल की ढुलाई होने का अनुमान है। अगले 20 वर्ष में यात्रियों की संख्या 23 लाख प्रति वर्ष तक पहुंच जाने की उम्मीद है। उस समय तक इसकी माल-ढुलाई क्षमता दो लाख 73 हजार टन हो जाएगी।

अदाणी व टोटल एनर्जीज बनाएगी दुनिया का सबसे बड़ा हरित हाइड्रोजन परितंत्र

अहमदाबाद। देश के अदाणी समूह और फ्रांस की टोटल एनर्जीज ने संयुक्त रूप से दुनिया का सबसे बड़ा हरित हाइड्रोजन परितंत्र बनाने के लिए समझौता किया है। इस साझेदारी में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) से उनकी कंपनी अदाणी न्यू इंजस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) में टोटल एनर्जीज 25 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।

कंपनियों ने मंगलवार को जारी एक संयुक्त बयान में बताया कि हरित हाइड्रोजन पर केंद्रित इस नई साझेदारी से भारत और वैश्विक स्तर पर ऊर्जा परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

बयान में कहा गया कि एएनआईएल की महत्वाकांक्षा अगले 10 वर्षों में हरित हाइड्रोजन और संबंधित परितंत्र में 50 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करना है। प्रारंभिक चरण में, एएनआईएल वर्ष 2030 से पहले 10 लाख टन प्रति वर्ष की हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित करेगा।

यह साझेदारी एएनआईएल को दुनिया में सबसे बड़ा हरित हाइड्रोजन परितंत्र प्रदान करने में मदद करेगी जो परिणाम में उपभोक्ता को कम लागत में हरित हाइड्रोजन प्रदान करेगा और वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने में मदद करेगी।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा,अदाणी-टोटल एनर्जीज संबंधों का रणनीतिक मूल्य, व्यापार और महत्वकांक्षा के दोनों स्तरों पर बहुत अधिक है। दुनिया में सबसे बड़ी हरित हाइड्रोजन कंपनी बनने के हमारे सफर में, टोटल एनर्जीज के साथ साझेदारी कई आयामों को साथ जोड़ती है। जिसमें अनुसंधान और विकास, बाजार में पहुंच और अंतिम उपभोक्ता की समझ शामिल है। यह मौलिक रूप से हमें बाजार की मांग को आकार देने की इजाजत देता है।

उन्होंने कहा,मैं इस तरह का विशेष महत्व रखने वाले हमारे गठबंधन के निरंतर विस्तार को देखता हूं। दुनिया के सबसे कम खर्चीले इलेक्ट्रॉन के उत्पादन की हमारी क्षमता में हमारा विश्वास ही दुनिया की सबसे कम खर्चीली हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने की हमारी क्षमता को संचालित करेगा।

टोटल एनर्जीज के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पैट्रिक पॉयने ने कहा, एएनआईएल में टोटल एनर्जीज का प्रवेश हमारी नवीकरणीय और निम्न कार्बन हाइड्रोजन रणनीति को लागू करने में एक प्रमुख कड़ी है, जहां हम 2030 तक अपनी यूरोपीय रिफाइनरियों में उपयोग किए जाने वाले हाइड्रोजन को न केवल डीकार्बोनाइज करना चाहते हैं, बल्कि मांग को पूरा करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन के बड़े पैमाने पर उत्पादन में भी सबसे आगे हैं। भविष्य में होने वाली हरित हाइड्रोजन की प्रति वर्ष 10 लाख टन की उत्पादन क्षमता, नए डीकार्बोनाइज्ड मॉलिक्यूल्स के साथ जैव्य ईंधन, बायोगैस, हाइड्रोजन और ई-फ्यूल में टोटल एनर्जीज की हिस्सेदारी को वर्ष 2050 तक इसके ऊर्जा उत्पादन और बिक्री में 25 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए एक प्रमुख कदम होगा।

अमेरिका से उठा बवंडर, मंदी की चपेट में आने का डर

नई दिल्ली। अमेरिका में पत्ता भी हिल जाए तो दुनिया को तूफान जैसा महसूस होता है। भले ही यह आपको एक कहावत की तरह लगे लेकिन कुछ हद तक यही सच है। इस बार अमेरिका की इकोनॉमी में सिर्फ पत्ता ही नहीं हिल रहा बल्कि बवंडर की भी आहट सुनने को मिल रही है।

बिगड़ते जा रहे हालात

अमेरिका में महंगाई के आंकड़े 40 साल के शीर्ष पर हैं तो गिरावट के मामले में स्टॉक एक्सचेंज, करीब 14 साल पुरानी कहानी दोहराते नजर आ रहे हैं।

तब हालात बैंकिंग फर्म लेहमैन ब्रदर्स के दिवालिया हो जाने से बिगड़े और अमेरिका के अलावा भारत समेत दुनियाभर के शेयर बाजार रेंगते नजर आए थे। इस बार परिस्थिति थोड़ी उलट और विकट है।

इस बार यूक्रेन-रूस की जंग और कोरोना की मार ने अमेरिका समेत ग्लोबल इकोनॉमी की मुसीबत बढ़ाई है। ऐसे में सप्लाई चेन पर असर की वजह से महंगाई की रफ्तार भी तेज होती जा रही है। महंगाई की यह स्पीड जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से इकोनॉमी पस्त होती दिख रही है और शेयर बाजार लुढ़क रहे हैं।

अमेरिकी स्टॉक मार्केट के सूचकांक- **S&P**500 ने अपने जनवरी के उच्चतम स्तर के बाद से 20त्न से अधिक का नुकसान झेल लिया है। इसी के साथ **S&P** 500 की बियर मार्केट में एंट्री हो गई है।

एक अन्य सूचकांक-नैस्डैक पहले से ही बियर मार्केट में शामिल है। यह इस साल 25 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। आपको यहां बता दें कि बियर मार्केट से देश के स्टॉक एक्सचेंज की माली हालत के बारे में पता चलता है।

थोक मुद्रास्फीति मई में 15.88 प्रतिशत पर, वर्ष 1991 के बाद सबसे ऊंची

नयी दिल्ली। देश का थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति मई 2022 में और बढ़कर 15.88 प्रतिशत पहुंच गयी जो वर्ष 1991 के बाद सबसे उच्चतम स्तर पर है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति लगातार चौदह महीने से 10 प्रतिशत के ऊपर चल रही है। अप्रैल 2022 में थोक मुद्रास्फीति 15.08 प्रतिशत थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति मई 2022 माह में (प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार) 15.88 प्रतिशत रही जो मई 2021 में 13.11 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि पिछले वर्ष के इसी माह की तुलना में कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस, खाद्य वस्तुओं, प्राथमिक धातुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं, रसायन और रसायनिक उत्पादों तथा खाद्य उत्पादों आदि के थोक मूल्य बढ़ने से मई में थोक मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा। अप्रैल की तुलना में मई माह में थोक मूल्य सूचकांक में 1.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति मई माह में घटकर 7.04 प्रतिशत रही जबकि अप्रैल में यह 7.79 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक नीतिगत दरें तय करने में खुदरा मुद्रास्फीति पर गौर करता है। रिजर्व बैंक के सामने मुद्रास्फीति को औसतन चार प्रतिशत के दायरे में रखने की चुनौती है। इस समय मुद्रास्फीति के बढ़ते पर अंकुश लगाने के लिए रिजर्व बैंक कर्ज महंगा करने की नीति अपना रहा है और मई से अबतक रेपो दर में दो बार 0.90 प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है। रेटिंग एजेंसी इकरा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, ऊंचे तुलनात्मक आधार के बावजूद थोक मुद्रास्फीति मई 2022 में कुछ और चढ़कर 15.9 प्रतिशत तक पहुंच गयी जो सितंबर 1991 के बाद इसका उच्चतम स्तर है।

शक्कर में लिवाली, खाद्य तेलो में गिरावट, दलहनो में घटबढ़, - दाल सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में लिवाली बताई गई। खाद्य तेलों में गिरावट रही। मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। दलहन घटबढ़ लिए रहे। दाल में मांग सुस्ती से नरमी रही। चावल में खरीदी रही।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3580 से 3620 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 06 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा महंगा बिका। हल्दी तथा साबूदाना में मांग रही।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में मांग सुस्ती से नरमी दर्ज की गई। आज मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड नीचा बिका। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली से भाव मजबूत बताए गए।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मिश्रित रंगत लिए रहे। चना उड़द महंगी बिकी वहीं मूंग सस्ती हुई। दालें नीची होकर बिकी। चावल में उठाव बताया गया।

किराना

शक्कर 3580 से 3620 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 185 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6300 से 6500, रायडा 6100 से 6200 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1620 से 1630, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1485 से 1490, सोयाबीन साल्वेंट 1460 से 1465 पाम तेल 1510 से 1515 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4675 से 4700, मसूर 6700 से 6725, तुअर निमाड़ी 5500 से 5900, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6400, तुअर (कर्नाटक) 6400 से 6500, मूंग 5800 से 6000, मूंग हल्की 5100 से 5400, उड़द 6500 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6500, उड़द नया 6300 से 6650, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 5750 से 6250, तुअर दाल सवा नंबर 8000 से 8100, तुअर दाल फूल 8300 से 8400, तुअर दाल नई 8700 से 9400, आयातित तुअर दाल 7800 से 7900, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 7600 से 7900, मूंग मोगर 8500 से 8800, उड़द दाल 8400 से 8700, उड़द मोगर 9200 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1390 से 1400, मैदा 1320 से 1330, आटा 1280 से 1300, चना बेसन 3140 से 3150 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

भारत ने अनाज की सरकारी खरीद-भंडार को गरीबों के लिए जरूरी बताया, समाधान पर दिया बल

नयी दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जेनेवा में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की बैठक में अनाज की सरकारी खरीद और भंडार को गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों की आबादी की खाद्य सुरक्षा को बहुत जरूरी बताते हुए इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने की पुरजोर अपील की है।

डब्ल्यूटीओ की 12वें मंत्री स्तरीय की बैठक में श्री गोयल ने मत्स्य पालन को भी गरीबों की खाद्य सुरक्षा से जोड़ते हुए कहा कि मत्स्य उद्योग पर सब्सिडी खत्म करने की बातचीत करते समय परंपरागत मछुआरों की खाद्य सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया जा सकता।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के समक्ष चुनौतियां विषय पर एक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए यह भी कहा,कोविड महामारी ने किसी संकट के समय तत्काल कार्रवाई करने की विश्व की अक्षमता को उजागर कर चुकी है। उन्होंने कहा कि महामारी के समय खाद्य सुरक्षा हो या स्वास्थ्य सुरक्षा, आर्थिक कुशलता हो या आपूर्ति श्रृंखला को खुला रखने का मुद्दा इन सबके मामले में कोविड-19 महामारी के समय दुनिया तत्काल कदम उठाने में विफल रही।

श्री गोयल ने कहा,दुनिया को जब राहत की जरूरत थी तब डब्ल्यूटीओ विफल दिखायी दिया। उदाहरण के लिए कोविड के दो साल बाद भी वैक्सीन की उपलब्धता के मामले में विषमता बनी रही। अल्पविकसित देशों और अनेक विकाशील देशों में लोगों को अब भी वैक्सीन नहीं मिली है जबकि कुछ देशों में लोगों को कोविड वैक्सीन का तीसरा या चौथा टीका भी लग चुका है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा,यह वैश्विक संचालन व्यवस्था की सामूहिक विफलता है। इसका हमें आत्मानिरीक्षण करना चाहिए। जो इसके लिए जिम्मेदार है वे अपने दिल की गहरायी से अपने आप से इस बारे में पूछें। इससे हमें दुनिया के हर नागरिक के लिए अधिक समानतापूर्ण, समूचित और समृद्ध भविष्य के निर्माण में मदद मिलेगी और हम स्वस्थ विकास के

लक्षण (एसजीडी) को हासिल कर लेंगे जिसका हमने सामूहिक रूप से संकल्प किया है।

श्री गोयल ने कहा कि सरकारी खरीद और अनाज के सरकारी भंडार के मुद्दे का स्थायी समाधान हमें सबसे पहले हलका निकालना चाहिए ताकि इस बहुपक्षीय संगठन की विश्वसनीयता पुनः कायम हो सके। स्थायी समाधान निकालने के बारे में सहमति करीब एक दशक पहले हो चुकी और अबतक इसका समाधान नहीं निकला है।

उन्होंने कहा कि हाल के वैश्विक महामारी ने यह दिखा दिया है कि हमारे लिए इसपर कार्रवाई का समय आ गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या हम गरीब और कमजोर लोगों के लिए रखे गए अनाज के भंडार पर आश्रित लाखों लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल सकते हैं ?

श्री गोयल ने कहा कि अकेले भारत में महामारी के दौरान देश की 80 करोड़ आबादी को 50 अरब डॉलर मूल्य का 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त में दिया। उन्होंने कहा कि अनाज की यह मात्रा भारत के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम के अतिरिक्त दिया गया ताकि देश में किसी को भूखा ना सोना पड़े।

मछली उद्योग की सब्सिडी के बारे में उन्होंने कहा कि हम ऐसा कोई समझौता नहीं कर सकते जिसमें कुछ एक देशों का विशेषाधिकार सुरक्षित रहे और समाज के कमजोर और हाशिए पर रह रहे लोगों के कल्याण के लिए काम कर रहे बाकि देशों के प्रगति करने के अधिकार को छीन लिया जाए।

श्री गोयल ने कहा कि मछली उद्योग पर सब्सिडी के मामले में हर देश को एक तराजू पर नहीं तोला जा सकता। उन्होंने कहा कि देशों के बारे में अलग दृष्टिकोण रखने की जरूरत है जो गहरे समुद्र में खतरनाक तरीकों से मछली पकड़ने के व्यवसाय में लगे हैं। अन्यथा हम डब्ल्यूटीओ के कृषि व्यापार समझौते (एओए) की स्थिति में होंगे जहां आज भी असमानता और विषमता की स्थिति बनी हुयी है और उससे बहुत से देश आज भी अनाज के लिए सहायता पर निर्भर हैं।

श्री गोयल ने डब्ल्यूटीओ में सुधार के प्रस्ताव की खामियां गिनाते हुए कहा कि इसके संस्थागत ढांचे में ऐसे बदलाव आ जाएंगे जो विकाशील देशों के हितों के खिलाफ जाएंगे। उन्होंने कहा,हमें सर्वसहमति और विशेष एवं विभेदकारी व्यवहार (एसएनडीटी) के मूल सिद्धांत को संरक्षित रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए और डब्ल्यूटीओ की कार्ययोजना के मूल में विकास होना चाहिए।

श्री गोयल ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर कहा कि विकसीत देशों की जिम्मेदारी विकासशील देशों से ज्यादा रखने की जरूरत है। उन्होंने इस संबंध में तर्क दिया की विकसीत देशों का प्रति व्यक्ति जीडीपी(सकल घरेलू उत्पाद) विकासशील देशों से 20-50 गुना अधिक है। यहां तक की भारत का भी प्रति व्यक्ति जीडीपी कम है जबकि देश पर 1.4 अरब की आबादी को संभालने का दायित्व है।

श्री गोयल ने कहा,मुझे यकीन है कि जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर विकासशील देश एक अच्छे भविष्य के लिए काम करना चाहते हैं। लेकिन क्या यह मानवीय, उचित और न्यायपूर्ण होगा की इस संबंध में विकासशील देशों पर विकसित देशों के बराबर ही बोझ डाला जाए।

उन्होंने कहा कि भारत वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना में विश्वास रखता है। विश्व व्यापार संगठन को भरोसा बढ़ाना चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि विश्व एक परिवार की भावना के साथ गरीब और कमजोर आबादी के प्रति संवेदना, सद्भाव और उनके हित की चिंता प्रदर्शित की जाए।

श्री गोयल ने महामारी के मुद्दे पर एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि महामारी पर डब्ल्यूटीओ की कार्रवाई के संबंध में जेनेवा बैठक प्रस्ताव का मसौदा बहुत संतुलित रूप से तैयार किया गया है। उन्होंने इस मसौदे को तैयार करने में मदद करने वाले राजदूत डासियो कास्टिलो का धन्यवाद किया।

शार्ट न्यूज

आईसीसी के इस नियम के कारण गेंदबाज़ी नहीं कर पा रहे स्टार्क

पल्लेकेल। एक हफ्ते में चार चोट की घटनाओं के बाद श्रीलंका दौरे पर गयी ऑस्ट्रेलिया के सामने पहले ही तेज गेंदबाजों की किल्लत थी, और टी20 सीरीज के दौरान मिचेल स्टार्क के चोट लगने से कंगारुओं की मुसीबतें और बढ़ गयी हैं। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष गेंदबाज़ स्टार्क को तीसरे टी20 मैच में गेंदबाज़ी करते हुए बाएं हाथ की उंगली में चोट आ गयी थी। स्टार्क के गेंदबाज़ी हाथ में छह टांके लगे हैं और हालांकि वह गेंदबाज़ी कर पा रहे हैं, लेकिन आईसीसी नियमों के अनुसार वह मैच में गेंदबाज़ी नहीं कर सकते। आईसीसी नियमों के अनुसार खिलाड़ी अंपायर की अनुमति से हाथों या उंगलियों को ढक सकते हैं। कई बार फील्डर ऐसा करते भी हैं, लेकिन गेंदबाजों के लिये क्रिकेट काउंसिल के नियम सख्त हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल द्वारा मैच अधिकारियों के लिये जारी दिशानिर्देशों के अनुसार गेंदबाजों के गेंदबाजी हाथ की उंगलियों पर टेप लगाना सख्त मना है। उल्लेखनीय है कि यदि गेंदबाज को मैच के दौरान चोट लगती है तो वह उस मैच में टेप के साथ गेंदबाजी कर सकता है। स्टार्क को पहले टी20 के दौरान चोट लगी थी, और उन्होंने अपने चार ओवर का कोटा पूरा करते हुए 26 रन के बदले तीन विकेट लिये। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने कहा ने कहा कि टीम की मुश्किलें बढ़ी हैं मगर स्टार्क तीसरे मैच तक खेलने के लिये तैयार होंगे।

कुशल मेंडिस के नाबाद 86, श्रीलंका के 300

पल्लेकेल। श्रीलंका ने अपने शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों दनुष्का गुनातिलका (55), पथुम निसंका (56) और कुशल मेंडिस (नाबाद 86) के शानदारअर्धशतकों की मदद से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में मंगलवार को 50 ओवर में सात विकेट पर 300 रन का मजबूत स्कोर बना लिया। गुनातिलका ने 53 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके, निसंका ने 68 गेंदों में छह चौके और एक छक्का तथा मेंडिस ने 87 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाया। चरिथ असलंका और वनिंदू हसरंगा ने 37-37 रनों का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एश्टन एगर और मार्नस लाबुशेन ने दो-दो विकेट लिए।

जयसवाल के शतक से 260/5 तक पहुंची मुंबई

बेंगलुरू। यशस्वी जयसवाल (100) के शतक और हार्दिक तमोर (51 नाबाद) के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने उत्तर प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में पहले दिन मंगलवार का खेल खत्म होने तक 260/5 रन बना लिये हैं। मुंबई के लिये मैच की शुरुआत अच्छी नहीं रही और यूपी के तेज़ गेंदबाज़ यश दयाल ने पहले ओवर की तीसरी गेंद पर ही कप्तान पृथ्वी शॉ को शून्य पर चलता किया। मैच के 14 ओवर में शिवम मावी ने अरमान जाफर (10) का विकेट झटका और मुंबई के 24 रन पर दो विकेट हो गये। क्वार्टरफाइनल में डेब्यू करते हुए दोहरा शतक लगाने वाले सुवेद पारकर ने पारी को संभाला और जयसवाल के साथ तीसरे विकेट के लिये 63 रन जोड़े। मैच के 44वें ओवर में आउट होने के पहले पारकर ने 32 रन की पारी खेली जिसमें उन्होंने चार चौके लगाये। सरफ़राज़ खान ने भी पांच चौकों की बदौलत 52 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली। मुंबई के लिये सर्वाधिक रन बनाते हुए जयसवाल ने शतक जड़ा। सलामी बल्लेबाज़ जयसवाल ने 227 गेंदों की इस पारी में 15 चौके लगाते हुए 100 रन बनाए। यूपी के लिये यश दयाल और करण शर्मा ने दो-दो विकेट लिये, जबकि शिवम मावी ने एक विकेट चटका। दिन का खेल समाप्त होने तक मुंबई ने 260/5 रन बना लिये हैं। तमोरे (51 नाबाद) और शम्स मुलानी (10 नाबाद) क्रीज़ पर मौजूद हैं।

पेरू पर शूटआउट जीत के साथ विश्व कप में पहुंची ऑस्ट्रेलिया

कैनबेरा। ऑस्ट्रेलिया की पुरुष फुटबॉल टीम ने अंतरमहाद्वीपीय प्ले-ऑफ में पेरू को हराकर 2022 फीफा विश्व कप में प्रवेश कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार सुबह कतर में पेरू को पेनल्टी पर हराकर लगातार पांचवें पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। शूटआउट के लिए मैदान में बुलाये गये गोलकीपर एंड्रयू रेडमेन मैच के नायक रहे, जिन्होंने पेरू के एलेक्स वलेरा के स्पॉट-किक को रोककर अपनी टीम की 5-4 से जीत सुनिश्चित की। रेडमेन ने कहा, मैं कोई हीरो नहीं हूं। मैंने बाकी सब की तरह ही अपनी भूमिका निभाई। यह मैदान पर खेल रहे 11 लोगों की ही जीत नहीं है। यह पूरी टीम के प्रयासों का नतीजा है। यह जीत ऑस्ट्रेलिया के कोच ग्राहम आर्नोल्ड के लिये बेहद महत्वपूर्ण है, जो टीम के क्वालिफाई न करने पर अपनी नौकरी गंवा सकते थे। उन्होंने जीत के बाद कहा,मुझे अपने खिलाड़ियों, स्टाफ और हमारे पिछले चार सालों के अभियान में शामिल हर व्यक्ति पर गर्व है। मंगलवार की जीत का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया विश्व कप के ग्रुप-डी में फ्रांस, डेनमार्क और ट्यूनिशिया का सामना करेगी।

चेन्नईयिन एफसी के नये कोच बने थॉमस ब्रेडारिक

चेन्नई। भारतीय फुटबॉल क्लब चेन्नईयिन एफसी ने आगामी सीज़न से पहले पूर्व जर्मन फुटबॉलर थॉमस ब्रेडारिक को टीम का हेड कोच नियुक्त किया है। चेन्नई के फुटबॉल क्लब का कोच बनने के बाद ब्रेडारिक ने कहा, सबसे पहले, मैं श्रीमती वीटा दानी और चेन्नईयिन परिवार को मुझ पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। सच कहूं तो मैं इस अविश्वसनीय यात्रा की प्रतीक्षा कर रहा हूं। यह एक शानदार अनुभव और चुनौती होगी जहां हम एक टीम के रूप में और आगे बढ़ेंगे। जर्मनी के बाहर यह मेरा पहला मौका नहीं है, इसलिए मैं ज्यादातर परिस्थितियों से अवगत हूं और मैं चेन्नईयिन एफसी के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार हूं। मैं इस सफर को शुरू करने का इंतजार नहीं कर सकता। ब्रेडारिक ने हाल ही में केएफ व्लाज़निया को लगातार दो सीज़न (2020-21 और 2021-22) में अल्बानियन कप तक पहुंचाया था। टीम 2020-21 सीज़न में अल्बानियन चैम्पियनशिप में उपविजेता भी रही थी। ब्रेडारिक को कोच ऑफ द ईयर 2021 पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। उन्होंने हाल ही में स्थापित यूएफा यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग के क्वालीफायर में अल्बानियन क्लब का नेतृत्व किया था। एक खिलाड़ी के रूप में, ब्रेडारिक जर्मनी भर में बुंडेसलिगा में विभिन्न क्लबों के लिए खेल चुके हैं, जिसमें वीएफबी स्टटगार्ट, हनोवर 96 और वीएफएल वोल्फ्सबर्ग शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बेयर लीवरकुसेन में आया, जहां उन्होंने 2002 में अपनी टीम को यूएफा चैंपियंस लीग और डीएफबी पोकल के फाइनल तक पहुंचाया था।

मेरी योजना हर ओवर में तीन छक्के लगाने की थी : शनाका

कोलंबो। श्रीलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में करिश्माई जीत दिलाने के बाद कप्तान दसुन शनाका ने आखिरी तीन ओवरों में अपनी बल्लेबाज़ी के पीछे का राज़ खोला है। सीरीज़ में 2-0 से पीछे चल रही श्रीलंका को तीसरा मुकाबला जीतने के लिये 177 रन की आवश्यकता थी। श्रीलंका को 17 ओवर में 118 रन बनाने के बाद अंतिम तीन ओवर में 59 रन की आवश्यकता थी। 12 गेंदों पर छह रन बनाकर खेल रहे शनाका ने यहां से पारी का गियर बदला और अपनी टीम को एक गेंद रहते विजय दिलायी। श्रीलंका भले ही सीरीज़ 2-1 से हार गयी, लेकिन शनाका की बदौलत उन्होंने पालेकेल स्टेडियम में हुए मुकाबले में यादगार जीत दर्ज की। शनाका ने मैच के बाद कहा, इस तरह की पारी खेलना मेरे लिये बहुत खुशी की बात है। इस तरह की पारियां बहुत कम होती हैं।अंतिम तीन ओवरों में मेरी योजना थी कि हर ओवर में तीन बाउंड्री लगाई जाएं। इसका मतलब होता 54 रन (अगर सभी बाउंड्री छक्का हो तो)। सिंगल्स के साथ हमारे पास मैच जीतने का एक मौका था। मैच योजना के विपरीत जाने की संभावना भी थी, लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सक्षम रहा। यह बहुत बड़ी जीत थी, न केवल मेरे लिए, बल्कि पूरे देश के लिए। यह जीत श्रीलंका के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी।

पाकिस्तान सकारात्मक क्रिकेट खेल रहा है : बाबर आज़म

कराची। पाकिस्तान के लिए वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ खेली गई सीरीज़ उतनी आसान नहीं थी। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ़ मुल्तान के गर्म मौसम के कारण था, बल्कि इसके अलावा भी और कई कारण थे। यह सीरीज़ पहले दिसंबर में होने वाली थी। उसके बाद इस सीरीज़ की तारीख़ में बदलाव किया गया और इसका आयोजन अभी किया गया।

पाकिस्तान के लिए इस सीरीज़ का कोई ख़ास मायने नहीं था। बस दोनों टीमें सुपर लीग के प्वाइंट के लिए खेल रही थी। पाकिस्तान अगर इस सीरीज़ को 3-0 से नहीं जीतता तो उन्हें निराशा होती। वेस्टइंडीज़ को विदेशी धरती पर वनडे सीरीज़ जीते एक अरसा हो गया है। पाकिस्तान ने जब इस सीरीज़ को जीता तो उनकी प्रतिक्रिया काफ़ी सामान्य थी। पाकिस्तान की मौजूदा टीम अपनी कमज़ोरियों पर लगातार ध्यान दे रही है और अभी भी उनकी टीम में कुछ दिक़्क़तें हैं जो वह दूर करना चाह रहे होंगे।

सीरीज़ जीतने के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म ने कहा, हमारी टीम ने खेल के तीनों क्षेत्रों में बढ़िया प्रदर्शन किया। तीनों मैचों को जीतने के लिए अलग-अलग खिलाड़ियों ने योगदान दिया। टीम में एकता की शुरुआत ड्रेसिंग रूम से होती है और हमें अपने खिलाड़ियों को विश्वास दिलाना होता है कि वह टीम में रहते हुए अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। एक खिलाड़ी हमेशा चाहता है कि उसे उचित मौक़ा मिले और उसका सही इस्तेमाल किया जाए। हमारी टीम हमेशा मैदान के अंदर और बाहर एक साथ रहती है और यही हमारी सफलता का राज है।

उन्होंने कहा,हमने इस बारे में बात की कि हमें अलग तरह से अपने खेल को आगे बढ़ाने की ज़रूरत क्यों है। हमने सक्रिय और सकारात्मक क्रिकेट खेला है, लोगों ने कहा कि हम 350 का पीछा नहीं कर सकते हैं। हमने ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ किया और हमारी गेंदबाज़ी ने कई बार कम स्कोर का बचाव भी किया। उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। 100 प्रतिशत देने पर भी आपको हमेशा परिणाम नहीं मिलता है। कभी-कभी आपको यह स्वीकार करना पड़ता है कि आप जो चाहते हैं उसे निष्पादित नहीं किया जा सकता है। मैं केवल अपनी टीम से प्रयास की मांग कर सकता हूं। वे ऐसा कर रहे हैं, और इसलिए हमें परिणाम भी मिल रहे हैं।

टीम के कमियों के बारे में बात करते हुए बाबर ने कहा, हमें अभी भी कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। हम अभी भी बीच के ओवरों में काफ़ी विकेट खो रहे हैं, जो हमें कभी-कभी मैच में बैकफुट पर धकेल देता है। यहां खिलाड़ियों को बेहतर एकाग्रता की आवश्यकता है।

हमें इस क्षेत्र में सुधार करना होगा। हमारे क्षेत्ररक्षण में सुधार हुआ है लेकिन हमें इस पर और काम करना होगा।

ऐश्वर्या ने बनाया तिहरी कूद में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

चेन्नई। कर्नाटक की बी ऐश्वर्या ने नेहरू स्टेडियम में चल रही 61वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की तिहरी कूद प्रतियोगिता में सोमवार को नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया।

ऐश्वर्या ने चैम्पियनशिप की तिहरी कूद प्रतियोगिता में 14.14 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण जीतते हुए मयूका जॉनी के 14.11 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा, जो उन्होंने नौ जुलाई 2011 में बनाया था। इससे पहले ऐश्वर्या ने रविवार को लंबी कूद में 6.73 मीटर के प्रयास के साथ सुर्खियां बनाई थीं।

ऐश्वर्या ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिये क्वालीफाई करने के लिया पहले प्रयास में 13.84 की छलांग लगायी। वह दूसरे प्रयास में 13.16 मीटर तक ही पहुंची, मगर तीसरे प्रयास में ऐश्वर्या ने 14.14 मीटर के प्रयास से मयूका का राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया।

के एम चंदा (दिल्ली) ने महिलाओं की 800 मीटर फ़ाइनल दौड़ को 2ः01.67 में समाप्त किया, लेकिन वह राष्ट्रमंडल खेलों के क्वालीफाइंग समय

2:00.83 से पीछे रह गयीं। इसके अलावा हरियाणा के कृष्ण कुमार ने 1ः48.79 के समय के साथ पुरुषों का 800 मीटर स्वर्ण जीता। पुरुषों के डिस्कर थ्रो में पंजाब ने किरपाल सिंह और गगनदीप सिंह की बदौलत स्वर्ण और रजत दोनों पदक जीते, जबकि महिलाओं के डिस्कस थ्रो में नवजीत कौर ढिल्लों ने राज्य को स्वर्ण दिलाया।

4म400 मीटर मिश्रित रिले दौड़ में इंडिया ए के एंकर अमोज जैकब के ट्रैक से लड़खड़ा कर हटने के बाद मोहम्मद अजमल, रूपल चौधरी, राजेश रमेश और दांडी ज्योतिका श्री की इंडिया बी टीम ने यह खिताब जीता। भारत ए टीम के अन्य सदस्य नोआ निर्मल टॉम, किरण पहल और ऐश्वर्या मिश्रा थे।

आईसीसी महिला रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों ने लगाई छलांग

दुबई। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लारा गुडॉल और कप्तान सुने लुस ने डबलिन में अपनी आईसीसी महिला चैम्पियनशिप श्रृंखला के शुरुआती मैच में आयरलैंड पर नौ विकेट से जीत के बाद आईसीसी महिला एकदिवसीय खिलाड़ी रैंकिंग में बढ़त हासिल की है। बाएं हाथ की बल्लेबाज गुडऑल नाबाद 32 रन बनाकर बल्लेबाजों में नौ पायदान ऊपर 58वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दूसरी ओर, ऑलराउंडर लुस ने अपनी लेग स्पिन गेंदबाजी की बदौलत 16 रन पर तीन विकेट हासिल किये और गेंदबाजों की सूची में सात स्थान आगे बढ़कर 39वां स्थान हासिल किया। इसके अलावा, गुडऑल के साथ 55 रन की अटूट साझेदारी करते हुए नाबाद 21 रन की पारी खेलने वाली सलामी बल्लेबाज एंड्री स्टेन ने मंगलवार को महिला खिलाड़ी रैंकिंग के नवीनतम साप्ताहिक अपडेट में संयुक्त-83वें स्थान पर जगह बनायी। आयरलैंड की नयी गेंद की गेंदबाज जेन मैग्वायर चार पायदान के फायदे से संयुक्त 83वें स्थान पर हैं।

स्टार को मिले आईपीएल के टीवी राइट्स, वायकॉम को डिजिटल

मुंबई। स्टार इंडिया ने मंगलवार को ई-नीलामी प्रक्रिया में 2023-27 सत्र के लिये इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टीवी प्रसारण अधिकार जीत लिये हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी।

शाह ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि स्टार इंडिया ने 23,575 करोड़ रुपये की बोली के साथ भारत के टीवी प्रसारण अधिकार खरीद लिये हैं। यह बोली महामारी के दो वर्षों के बावजूद बीसीसीआई की संगठनात्मक क्षमताओं का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

इसके अलावा 2023-27 के डिजिटल अधिकार वायकॉम18 ने हासिल किये हैं, जबकि शेष-विश्व के प्रसारण अधिकार टाइम्स ने जीते हैं।

शाह ने इसकी जानकारी देते हुए ट्वीट किया, वायकॉम18 को 23,758 करोड़ रुपये की विजयी बोली के साथ डिजिटल अधिकार मिले। भारत ने एक डिजिटल क्रांति देखी है और इस क्षेत्र में

अनंत संभावनाएं हैं। डिजिटल परिदृश्य ने क्रिकेट को देखने के तरीके को बदल दिया है। यह खेल के विकास और डिजिटल इंडिया विजन का एक बड़ा कारक रहा है।

उन्होंने कहा, मैं वायकॉम18 को ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन के अधिकार जीतने के लिए बधाई देता हूं।

टाइम्स को मेना (मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका) और अमेरिका के अधिकार मिले हैं। आईपीएल भारत के बाहर उतना ही लोकप्रिय है जितना यहां है, और दर्शक टॉप क्लास क्रिकेट का लुत्फ उठा सकेंगे।

शाह ने सभी बोलीदाताओं को नीलामी में हिस्सा लेने के लिये धन्यवाद दिया और कहा कि इससे होने वाले राजस्व का उपयोग बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट ढांचे को जमीनी स्तर से मजबूत करने के लिए करेगा।

उन्होंने कहा,अब समय आ गया है कि हमारे राज्य संघ और आईपीएल फ्रेंचाइजी आईपीएल के साथ मिलकर काम करें ताकि प्रशंसकों के अनुभव को बेहतर बनाया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे सबसे बड़े हितधारक, क्रिकेट प्रशंसक की अच्छी देखभाल की जाए और वह विश्व स्तरीय सुविधाओं में उच्च गुणवत्ता वाले क्रिकेट का आनंद ले सकें।

कतर में भारतीय कामगारों के लिए आरएसएस की संस्था ने उठाई आवाज, कहा- मानवाधिकारों की रक्षा करे सरकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ट्रेड यूनियन शाखा भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कतर में प्रवासी श्रमिकों, विशेष रूप से भारतीयों के अधिकारों का घोर उल्लंघन हो रहा है। मंगलवार को जारी एक बयान में, बीएमएस महासचिव बिनॉय कुमार सिन्हा ने कहा कि कई मानवाधिकार संगठनों ने इस बात की सूचना दी है कि जब से कतर ने फीफा विश्व कप के आगामी संस्करण की मेजबानी के लिए बोली जीती तब से वहां श्रमिक गुलामों जैसी स्थिति में जी रहे हैं।

कतर में 1611 भारतीय प्रवासियों की मौत

भारतीय मजदूर संघ ने कहा कि 2014 से कतर में 1611 भारतीय प्रवासी कामगारों की मौत हुई है और मृत परिवारों को अपने प्रियजनों के शव लेने के लिए काफी इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा, इस बात पर ध्यान देना आवश्यक है कि 2014 से देश (कतर) में 1611 भारतीय प्रवासियों की मृत्यु हो गई है और उनके परिवारों को अपने प्रियजनों के शव लेने में लंबे समय का इंतजार करना पड़ा है। काफला सिस्टम भारत के साथ-साथ कतर में अन्य दक्षिण एशियाई देशों के श्रमिकों के लिए गंभीर आघात का कारण बना है।

कामगारों से जबरन काम कराते हैं

उन्होंने कहा, पासपोर्ट की जब्ती, ओवरटाइम काम, कुछ समय के लिए रहने की जगह को छोड़ने की अनुमति से इनकार, तंग आवास, यौन शोषण, विशेषज्ञता के क्षेत्र से बाहर जबरन काम करना श्रमिकों के लिए बड़ी मानसिक पीड़ा का कारण है। उन्होंने कहा कि 27 मई से 11 जून के बीच जेनेवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के 110वें सत्र में बीएमएस प्रतिनिधियों ने कतर की सरकार और ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों के साथ इस मुद्दे को उठाया और भारत में कतर राज्य के राजदूत, श्रम मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के समक्ष भी विरोध दर्ज कराया।

... तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उठाएंगे मुद्दा

बीएमएस ने अब मांग की है कि कतर में सभी भारतीय कामगारों को स्वस्थ काम करने की स्थिति प्रदान की जानी चाहिए और उनके मानवाधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए। इसने कतर में मरने वालों के परिवारों के लिए उपयुक्त मुआवजे का भी आह्वान किया है और शव वापस आने पर परिवहन लागत कतर सरकार या जनशक्ति आपूर्ति एजेंसी द्वारा वहन की जानी है। सिन्हा ने कहा, अगर कतर सरकार इन मोर्चों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं करती है, तो बीएमएस को इस मुद्दे को जल्द से जल्द राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

सीएम ने कतर में एक माह से रखे आनंद के शव को वापस लाने का दिया निर्देश

बता दें कि हाल ही में भाजपा के दो निलंबित प्रवक्ताओं द्वारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ की गई कथित विवादित टिप्पणी को लेकर अरब देशों में सबसे पहले कतर ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा के पूर्व प्रवक्ताओं की कथित अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर विवाद पांच जून को सऊदी अरब, कुवैत, कतर और ईरान जैसे देशों के विरोध के बाद बढ़ गया था। देश-विदेश में बढ़ते विरोध को देखते हुए भाजपा ने नुपुर शर्मा को निलंबित और नवीन जिंदल को निष्कासित कर दिया था।

कफला सिस्टम एक ऐसी प्रणाली है जिसका इस्तेमाल प्रवासी मजदूरों की निगरानी के लिए किया जाता है। यह सिस्टम उन प्रवासी मजदूरों की निगरानी करता है जो मुख्य रूप से खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य देशों और कुछ पड़ोसी देशों, जैसे बहरीन, कुवैत, लेबनान, कतर, ओमान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में कंस्ट्रक्शन और घरेलू क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। कफाला सिस्टम श्रमिकों पर कई तरह के प्रतिबंध लगाता है। दूसरे देश से आकर यहां नौकरी करने वाले मजदूर के पास उत्पीड़न से बचने का कोई रास्ता नहीं होता। वह अपनी मर्जी से नौकरी नहीं छोड़ सकते, देश से बाहर जाने के लिए भी उन्हें अपने नियोक्ता से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। बिना नियोक्ता की अनुमति के वह नौकरी बदल सकते हैं और न ही वापस जा सकते हैं। इतना ही नहीं कई नियोक्ता अपने मजदूरों के पासपोर्ट तक भी जब्त कर लेते हैं और आसानी से लौटाते भी नहीं हैं।

भुखमरी से जूझ रहा श्रीलंका, सरकारी कर्मचारियों से कहा- फसलें उगाने के लिए एक दिन की एक्स्ट्रा छुट्टी लो

कोलंबो। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका में अब खाद्य संकट बड़ी समस्या बनकर उभरा है। कोरोना महामारी से पहले द्वीप राष्ट्र की 2.2 करोड़ आबादी में से करीब 10 प्रतिशत खाद्य सुरक्षा मुद्दों से जूझ रहे थी और तब से अब तक आर्थिक पाबंदियों व रसायनिक उर्वरकों के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध से स्थिति और बिगड़ी है।

इसी को देखते हुए श्रीलंका ने सरकारी कर्मचारियों से कहा है कि वे अपने घर के आसपास में फसलें उगाने के लिए हर हफ्ते एक अतिरिक्त दिन की छुट्टी लें ताकि भोजन की बढ़ती कमी को रोका जा सके। श्रीलंका की अभूतपूर्व आर्थिक मंदी ने पेट्रोल और दवाओं के साथ कई प्रमुख खाद्य पदार्थों के संकट को भी जन्म दिया और बड़े पैमाने पर मुद्रास्फीति घरेलू बजट को तबाह कर रही है।

कैबिनेट ने मंगलवार को एक बयान में कहा, सरकारी अधिकारियों को सप्ताह में एक दिन अतिरिक्त छुट्टी देना और उन्हें अपने घर के आसपास में कृषि गतिविधियों में संलग्न होने के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना उचित प्रतीत होता है। बयान में कहा गया है कि सिविल सेवकों के आवागमन में कटौती से ईंधन की खपत को कम करने में भी मदद मिलेगी और एक अतिरिक्त दिन की छुट्टी भविष्य में होने वाली भोजन की कमी का समाधान भी करेगी।

पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी थी कि श्रीलंका गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहा है, और कहा कि 22 मिलियन के देश में पांच में से चार लोग खाना छोड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि देश की करीब एक-तिहाई आबादी को खाने के सामान के मामले में सहायता की जरूरत है। उनके पास जरूरी खाने के सामान और पोषक पदार्थों की कमी है।

जनगणना और सांख्यिकी विभाग के अनुसार, ''वर्ष 2019 के अंत तक श्रीलंका की 9.1 प्रतिशत आबादी के पास जरूरी खाद्य पदार्थों की कमी थी। इसमें से 2,00,000 लोग भुखमरी के कगार पर हैं।

बुर्किना फासो हमले में मरने वालों की संख्या 79 हुई

औगाडौगू। बुर्किना फासो के साहेल क्षेत्र के सेटेंगा में सप्ताहांत में हुए हमले में मरने वालों की संख्या 50 से बढ़कर 79 हो गई है। सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक सरकारी बयान के अनुसार घटनास्थल पर सुरक्षा और तलाशी अभियान जारी है। हमले के बाद 29 नए शवों के मिलने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 79 हो गई है। उत्तरी बुर्किना फासो में सेनो प्रांत के सेटेंगा कम्यून पर अज्ञात बंदूकधारियों ने शनिवार रात भर हमला किया। इस हमले को लेकर देश के नए राष्ट्रपति लेफ्टिनेंट कर्नल पॉल-हेनरी सांडोगो दामिबा ने आज से गुरुवार तक 72 घंटे के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। बुर्किना फासो में सुरक्षा 2015 के बाद से खराब हो गई है क्योंकि विभिन्न हमलों में 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं और इस पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र में 19 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। लुंबिनी प्रांत की स्वास्थ्य मंत्री बिमला ओली को एक महिला और उसकी बेटी के साथ मारपीट करने के आरोप में मंगलवार को पुलिस हिरासत में ले लिया गया।

बाइडेन 2024 में फिर चुनाव लड़ेंगे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 2024 में फिर चुनाव लड़ेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कैरीन जीन पियरे ने इसकी पुष्टि की है। सुश्री पियरे ने इन दावों से इनकार किया कि राष्ट्रपति बाइडेन की उम्र इसमें आड़े आ सकती है। उन्होंने सीएनएन को बताया कि मैं (सुश्री पियरे) जो कह सकती हूं वह यह है कि राष्ट्रपति ने बार-बार कहा है कि उनकी वर्ष 2024 में चुनाव लड़ने की योजना है। मैं केवल इतना कह सकती हूं कि राष्ट्रपति का इरादा वही है जिसे करने की वह योजना बना रहे हैं। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि प्रशासन उम्र के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा है और राष्ट्रपति की प्राथमिकता अमेरिकी लोगों के हित और उनके जीवन में सुधार के लिए काम करने की है। यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की एक खबर के बीच आया है जिसमें ओबामा प्रशासन के पूर्व मुख्य रणनीतिकार डेविड एक्सलरोड के हवाले से कहा गया था कि अगर श्री बाइडेन दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ते हैं तो उनकी उम्र आड़े आयेगी। प्रवक्ता ने इन टिप्पणियों को 'अफवाह और भ्रांतिपूर्ण' करार दिया।

अमेरिका के स्वास्थ्य सचिव कोरोना संक्रमित

वाशिंगठन। अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा (एचएचएस) सचिव जेवियर बेसेरा का एक महीने से भी कम समय में कोरोना टेस्ट दूसरी बार पॉजिटिव आया है। एचएचएस के प्रवक्ता सराह लोवेनहिम के अनुसार श्री बेसेरा ने कैलीफोर्निया में सेक्रामेंटो में एंटीजन टेस्ट कराया था जो कि पॉजिटिव आया है। श्री लोवेनहिम ने एक बयान में कहा कि श्री बेसेरा ने कोरोना-19 की पूरी खुराक के साथ बूस्ट खुराक भी ले रखी। उनमें कोरोना के हल्के लक्षण है और वह आईसोलेशन में रहकर अपना काम कर रहे है। श्री बेसेरा (64) पहली बार मई में बर्लिन यात्रा में कोरोना से संक्रमित हुए थे।

अमेरिका के दो बड़े बैंक को रूस के ऋण दायित्वों की पूर्ति करने के परिचालन पर किया निलंबित

वाशिंगटन। विश्व के दो बड़े बैंक यूएस जेपी मोर्गन चैस और गोल्डमैन सैक्स को रूस के ऋण दायित्वों की पूर्ति करने का परिचालन निलंबित कर दिया गया है। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने पहले एक सामान्य लाइसेंस को नवीनीकृत करने से इनकार कर दिया था जिसने रूस को प्रतिबंधों के तहत विदेशी ऋण की सेवा करने की अनुमति दी थी। रूस के वित्त मंत्रालय ने कहा कि बाह्य प्रतिबंधों के कड़े होने के बावजूद वह देश के ऋण दायित्वों को पूरा करना रुबल में भुगतान के साथ जारी रखेगा। मंत्री एंटोन सिलुआनोव ने कहा कि तकनीकी चूक की संभावित घोषणा के तहत अमेरिका की कार्रवाई से रूस के नागरिकों के जनजीवन को प्रभावित नहीं करेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

बीटेक के बाद केवल प्राइवेट ही नहीं सरकारी नौकरी के भी मौके

बीटेक यानी बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी देश का सबसे लोकप्रिय अंडर ग्रेजुएट कोर्स है जिसे हर साल स्टूडेंट द्वारा अपने करियर का हिस्सा बनाया जाता है। चार साल के इस कोर्स को इंजीनियरिंग के क्षेत्र का प्रवेश द्वार माना जाता है। इस कोर्स के बाद भविष्य में छात्रों को कई अवसर मिलते हैं ये अवसर नौकरी के क्षेत्र में तो मिलते ही हैं साथ ही हायर एजुकेशन के लिए भी यह एक बेहतर ऑप्शन है। आइए विस्तार से चर्चा कर लेते हैं कि बीटेक करने के बाद आप किस तरह अपना करियर बना सकते हैं।

हायर एजुकेशन

बीटेक करने के बाद छात्र आगे की पढ़ाई कर सकते हैं जहां वे एम.टेक या एमई के लिए जाना है, जो दोनों भारत में इंजीनियरिंग कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पोस्टग्रेजुएट स्तर के प्रोफेशनल डिग्री प्रोग्राम हैं। एम.टेक का मतलब मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी है, जबकि एमई का मतलब मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग है। भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों जैसे आईआईटी और एनआईटी द्वारा पेश किए गए एमटेक प्रोग्रामों में चयनित होने के लिए छात्रों को इंजीनियरिंग में गेट ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए उपस्थित होना पड़ता है।

एमबीए

बीटेक के बाद छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा ऑप्शन एमबीए है। इंजीनियरिंग ग्रेजुएट आमतौर पर कार्य अनुभव हासिल करने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी करने का विकल्प चुनते हैं और वे कुछ वर्षों के बाद MBA/PGDM प्रोग्राम को अपना लेते हैं। टॉप MBA कॉलेजों में शामिल होने के लिए छात्रों को CAT और CMAT जैसे लोकप्रिय एमबीए एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है।

कैंपस प्लेसमेंट

आमतौर पर कॉलेजों में प्लेसमेंट के जरिए छात्रों का चयन होता है। देश की अलग-अलग कंपनियां कॉलेजों में आकर छात्रों को नौकरी के लिए चुनते हैं। बीटेक के बाद, छात्रों को प्राइवेट कंपनियों द्वारा तकनीकी क्षेत्रों में एंट्री लेवल की नौकरी की भूमिकाओं के लिए काम पर रखा जाता है। आम तौर पर हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले छात्र अपने फील्ड में अनुभव लेने के लिए कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से नौकरी लेते हैं।

प्राइवेट कंपनियां

जो छात्र कैंपस प्लेसमेंट का विकल्प नहीं चुनना चाहते हैं वे अपना बीटेक प्रोग्राम पूरा करने के बाद नौकरी के लिए विभिन्न प्राइवेट कंपनियों में भी नौकरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। एंट्री लेवल की तकनीकी भूमिकाओं में निजी कंपनियों में शामिल होने के बाद छात्र कॉरपोरेट वर्ल्ड में अपने पैर जमा कर एक्सपीरियंस ले सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं।

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम

इंजीनियरिंग सर्विस एग्जाम यूपीएससी द्वारा आयोजित एक नेशनल लेवल का एग्जाम है। जो छात्र बीटेक की पढ़ाई के बाद डिफेंस, पीडब्ल्यूडी, रेलवे आदि की परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं उनके लिए यह एक बेहतर ऑप्शन है।

पीएसयू नौकरियां

बीटेक करने के बाद छात्र इंजीनियरिंग के लिए गेट यानी ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट के माध्यम से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तकनीकी नौकरी भी कर सकते हैं। कई पीएसयू के छात्रों को उनके गेट स्कोर के आधार पर एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए नियुक्त करते हैं। कुछ पीएसयू जैसे सीआईआई, इसरो और बीएआरसी भी एंट्री लेवल की नौकरियों के लिए बीटेक छात्रों की स्क्रीनिंग के लिए अपनी परीक्षा आयोजित करते हैं।

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन में कैसे शुरू करें कॅरियर और क्या है इसके लिए आवश्यक कौशल

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है।

डिजिटल क्रांति ने व्यापार की दुनिया को काफी बदल दिया है, विशेष रूप से डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में और एसईओ में करियर के रूप में नए अवसर खोले हैं। मार्केटिंग के भीतर पूरे नए टूलकिट सामने आए हैं, जो कुछ दशक पहले अकल्पनीय था। एसईओ आज मार्केटिंग के उन महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है जिसने पिछले एक दशक में एसईओ नौकरी के अवसरों की संख्या में काफी इजाफा किया है। सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ एक ऐसी अवधारणा है जो दो दशकों से भी कम समय से अस्तित्व में आयी है लेकिन नौकरियों की एक बड़ी तादात को पैदा किया है, जिसमें लगभग हर उद्योग में पुरुषों और महिलाओं ने अपना कॅरियर बनाया है। एसईओ एक ऐसा पेशेवर व्यक्ति होता है जो सर्च इंजन परिणामों के पीछे एल्गोरिदम को सीखने और उसमें महारत हासिल करने में माहिर होता है ताकि वे अपने ग्राहकों और कंपनियों को सर्च करने में मदद कर सकें। आजकल एसईओ पेशेवर उच्च मांग में हैं। एसईओ विशेषज्ञों को डिजिटल और सामग्री विपणन कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में वेब डेवलपर्स द्वारा सामग्री विपणक के रूप में और कई अन्य भूमिकाओं में काम पर रखा जाता है, केवल इसलिए कि डिजिटल अभियानों को सफल बनाने के लिए कंपनियों को वेब ट्रैफिक की आवश्यकता होती है।

क्या करता है एसईओ ?

जैसे-जैसे अधिक से अधिक व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं वे प्रतिदिन और भी अधिक सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं और अपने ब्लॉग या लेख के जरिये स्टैंड करना और दृश्यता हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो गया है, खासकर यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं। सही विजिबिलिटी के बिना व्यवसायों के लिए अपने लक्षित दर्शकों तक पहुंचना, अपनी ब्रांड की उपस्थिति बनाना और अपनी वेबसाइट के माध्यम से विश्वास पैदा करके और एक मजबूत मूल्य प्रस्ताव पेश करके संभावनाओं को आकर्षित करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए एसईओ में करियर आपको ऑर्गेनिक तरीकों के माध्यम से सर्च इंजन पर ब्रांड विजिबिलिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की मांग करेगा।

एसईओ कैसे काम करता है?

एसईओ कॅरियर के अवसरों के साथ आप मुख्य रूप से दो मूल सिद्धांतों के साथ काम करेंगे- अत्यधिक प्रासंगिक कीवर्ड-रिच कंटेंट विकसित करना और वेबसाइट और वेब पेजों के लिए गुणवत्ता वाले बैकलिंक बनाना। सर्च इंजन ने एक व्यापक सूचकांक बनाया है जो सर्च क्वेरी के लिए प्रासंगिकता के क्रम में क्रमबद्ध है। इस प्रकार जब उपयोगकर्ता एक खोज क्वेरी में प्रवेश करता है तो सर्च इंजन जल्दी से अपने सूचकांक के माध्यम से चलता है और तुरंत परिणाम देता है। प्रत्येक कीवर्ड के लिए खोजकर्ता सर्च इंजन में इनपुट करता है।

इंडेक्सेशन के लिए ये सर्च इंजन क्रॉलर पर भरोसा करते हैं और इसलिए ऐसा नाम दिया गया है क्योंकि एक स्पाइडर की तरह वे पूरी वेब डायरेक्टरी को क्रॉल करते हैं। बैकलिंक्स गूगल बॉट्स को आपकी सामग्री को शीघ्रता से खोजने में मदद करते हैं क्योंकि वे अधिक आधिकारिक साइटों पर अधिक बार क्रॉल करते हैं। साथ ही अच्छे ऑर्गेनिक बैकलिंक्स आपकी वेबसाइट के लिए विश्वास और प्रासंगिकता का एक मीट्रिक है जो उपस्थिति और रैंक को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए एक प्रासंगिक आधिकारिक साइट से बैकलिंक्स प्राप्त करना कॅरियर के अवसरों के आवश्यक पहलू होते हैं। इसके साथ ही केवल कुछ डोमेन के बजाय कई डोमेन से बैकलिंक प्राप्त करना आवश्यक होता है। गुणवत्ता वाले बैकलिंक आपकी रैंकिंग को त्वरित अवधि में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे सकते हैं और इन सभी विभिन्न आधिकारिक वेबसाइटों से बड़ी मात्रा में रेफरल ट्रैफिक भी प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा एक गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने और उच्च-गुणवत्ता वाले बैकलिंक्स प्राप्त करने के लिए आपकी गतिविधियाँ भी समय लेने वाली और एक श्रमसाध्य कार्य हो सकती हैं। इसलिए आपको एक उचित योजना के साथ काम करने और धैर्य रखने की आवश्यकता होगी।

किस तरह के कौशल की जरूरत होती है ?

एसईओ अधिक से अधिक जटिल होता जा रहा है क्योंकि सर्च इंजन एल्गोरिदम पर्याप्त रूप से उन्नत होते जा रहे हैं। इसलिए, एसईओ में कॅरियर आज कई कौशलों में महारत हासिल करने की मांग करता है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण आपको बाजार के रुझानों के साथ बने रहने के लिए एक डायनामिक लर्नर होने की आवश्यकता होती है। सर्च इंजन एक वर्ष के भीतर कई अपडेट लाते हैं और इस बात पर नजर रखना कि वे आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि विभिन्न अपडेट आते रहते हैं। इसके बाद आपको मुख्य एसईओ कौशल में अपने लिए एक मजबूत नींव बनाने की जरूरत होती है। आपको डिजिटल मार्केटिंग के नट और बोल्ट को समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करना शुरू करने की आवश्यकता होती है। आपको नजर रखने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि प्रतियोगी कैसे आगे बढ़ रहे हैं और इस पर शोध फिर से पूरी तरह से सुनिश्चित होने वाला है। इसके आलावा आपको वेब फंडामेंटल, डेटाबेस तकनीकों और विशेष रूप से फ्रंट एंड, वेबसाइट प्रबंधन के फाइल प्रबंधन पहलुओं की एक ठोस समझ होनी चाहिए। विश्लेषणात्मक कौशल अत्यधिक मूल्यवान होने जा रहे हैं। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको अपने प्रयासों के प्रभाव और परिणाम को मापने के लिए गूगल विश्लेषिकी और गूगल सर्च कंसोल के साथ समझने और काम करने की आवश्यकता होती है। आप विविध स्रोतों से प्रतिदिन आने वाली ढेर सारी सूचनाओं के साथ काम कर रहे होंगे। इसलिए आपको न केवल इसका अर्थ निकालने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल की आवश्यकता होगी, बल्कि जानकारी को प्राथमिकता भी देनी होगी। एसईओ में कॅरियर के लिए आपको व्यावसायिक परिदृश्य को समझने और गहन प्रतिस्पर्धा विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। बैकलिंक प्रोफाइल को समझने के लिए एक टैब रखें कि वे क्या बना रहे हैं, वे किस प्रकार की सामग्री पोस्ट कर रहे हैं और वे कौन सी प्रेस विज्ञप्ति कर रहे हैं।

आप कैसे शुरुआत कर सकते हैं ?

पहले सर्च इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग के लिए वेबसाइट सेट करना वेबसाइट डेवलपर्स और एडमिन का डोमेन हुआ करता था। लेकिन एक अलग डोमेन और स्वतंत्र अभ्यास के रूप में एसईओ के उदय के साथ अब यह बदल गया है। यदि आप मार्केटिंग, ब्लॉगिंग, एनालिटिक्स के बारे में सीरियस हैं तो यह आपके लिए शुरुआत करने के लिए यह सही क्षेत्र है। इस अभ्यास में उत्कृष्ट विकास क्षमता है। जैसे-जैसे आप अधिक कौशल प्राप्त करते रहेंगे और अपने व्यवसाय और संचार कौशल का निर्माण करते रहेंगे, आप समय के साथ अपने आप से एक डिजिटल मार्केटिंग प्रबंधक बनने की उम्मीद कर सकते हैं। एसईओ में कॅरियर फ्रीलांसिंग स्पेस में कई अवसर भी खोलता है। यदि आप विज्ञान पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं तो भी एसईओ कॅरियर के अवसरों में प्रवेश पाना असंभव नहीं होगा। कुछ तकनीकी अवधारणाएँ होंगी जिनमें आपको महारत हासिल करने की आवश्यकता होगी, लेकिन जब आप कोशिश करना शुरू करेंगे तो यह अंततः आपके पास आ जाएगी।

बनना है सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर तो इन बातों का हमेशा रखें ध्यान

फिटनेस के क्षेत्र में जॉब की संभावनाएं बढ़ती जा रही हैं। युवा तो युवा, अधिक उम्र के लोग भी फिटनेस ट्रेनर बनने की तरफ अपने कदम बढ़ा रहे हैं। यह माना जा रही है कि आने वाले वक्त में फिटनेस ट्रेनिंग इंडस्ट्री में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। केवल एक लीन बॉडी पाने की चाहत ने ही नहीं बल्कि हेल्थी लाइफस्टाइल की जरूरत ने भी इस क्षेत्र में इतनी वृद्धि की है। एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर के लिए जॉब की अपार संभावनाएं मार्केट में मौजूद हैं। इतना बेहतर करियर लेकिन सवाल सिर्फ एक- 'कैसे बना जाए सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर'। चलिए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि एक फिटनेस ट्रेनर बनने के लिए आपके पास कौन- से गुण होने चाहिए और आप कैसे बन सकते हैं एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर। फिटनेस ट्रेनर के रूप में करियर चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान में।

डेवलप करें जरूरी स्किल्स

फिटनेस के क्षेत्र में करियर बनाना आसान नहीं है। यदि आप इस इंडस्ट्री में प्रवेश करना चाहते हैं, तो आपको फिटनेस फ्रीक बनना होगा और दूसरों को भी फिटनेस हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा। फिटनेस ट्रेनर व्यक्तियों को उपयुक्त फिटनेस प्रोग्राम का पालन करने के लिए मोटिवेट करते हैं ऐसे में खुद को फिट रखना बेहद जरूरी है। एक फिटनेस ट्रेनर के पास अलग-अलग तरह के लोगों से निपटने के लिए अच्छे कम्यूनिकेशन स्किल की जरूरत पड़ती है।

सर्टिफिकेशन कोर्स में करें रजिस्टर

फिटनेस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त ऑर्गनाइजेशन से सर्टिफाइड होना बेहद जरूरी है। कई संगठन लिखित और प्रैक्टिकल एग्जामिनेशन के साथ विभिन्न प्रकार के फिटनेस ट्रेनिंग कोर्स प्रदान करते हैं। इन सर्टिफिकेशन कोर्स की अवधि 2-3 महीने की हो सकती है जिसकी फीस 10,000-30,000 रुपये के बीच हो सकती है। ज्यादातर सर्टिफिकेशन 2-3 सालों में समाप्त हो जाते हैं और उन्हें रिन्यू करने की जरूरत होती है।

स्पेशलिस्ट सर्टिफिकेशन जरूरी

आप फिटनेस ट्रेनिंग के क्षेत्र में भी अपनी स्पेशलाइज्ड फील्ड में सर्टिफिकेशन ले सकते हैं। यह बेहद जरूरी भी है। अगर आप वेट लिफ्टिंग आदि में रुचि रखते हैं तो उसमें भी सर्टिफिकेशन कोर्स किया जा सकता है।

शुरू करें अपना फिटनेस बिजनेस

एक बेहतर फिटनेस बनने की चाह रखने वालों के लिए अपना बिजनेस शुरू करना बेहद लाभदायक हो सकता है।

ऑन जॉब ट्रेनिंग

अगर आप एक सर्टिफाइड फिटनेस ट्रेनर बनना चाहते हैं तो आपको वर्क एक्सपीरियंस होना बेहद आवश्यक है। ज्यादातर फिटनेस ट्रेनर अपने अनुभव के कारण सफलता प्राप्त कर पाते हैं। प्रोफेशनल एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए फ्रेशर्स फिटनेस ट्रेनर के अंडर असिस्टेंट का कार्य भी कर सकते हैं और काफी कुछ सीख सकते हैं।